MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 09 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-335

13-1 सटीक फैसला

रुझान (अपूर्ण)

क्रम.सं	बैलट नं.	नाम	वोट प्राप्त	पैनल नाम
1	8	देवेंद्र झवर	7204	संस्थापक पैनल
2	1	अमित लड्डा	7045	संस्थापक पैनल
3	20	मुरली मनोहर पलोड	6787	संस्थापक पैनल
4	27	गोविंद राठी	6603	संस्थापक पैनल
5	12	रूपेश सोनी	6547	संस्थापक पैनल
6	7	दीपक कुमार बंग	6441	संस्थापक पैनल
7	23	कैलाश नारायण भांगडिया	6375	फ़ाउण्डर पैनल
8	31	विनोद कुमार बंग	6052	संस्थापक पैनल
9	16	पवन लोहिया	5968	संस्थापक पैनल
10	17	कैलाश मंत्री	5959	संस्थापक पैनल
11	19	मनोज लोया	5949	संस्थापक पैनल
12	28	मुकुंदलाल बाहेती	5922	संस्थापक पैनल

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक, हैदराबाद (महेश बैंक) के अंशधारकों ने भले ही श्री रमेश कुमार बंग द्वारा समर्थित संस्थापक पैनल को एकतरफा (13-1) जिता दिया हो, लेकिन फाउंडर पैनल के झंडाबरदार श्री कैलाश नारायण भाँगडिया को भी जिताकर स्पष्ट संदेश दिया कि मनमानी तो अभी भी नहीं चलेगी। और न ही काम न करने देने का कोई बहाना। श्री कैलाश जी अकेले पूरे समाज के आँख-कान होंगे और रचनात्मक सहयोग के लिए ही वे जाने जाते हैं। राम भक्त हनुमान की तरह श्री कैलाश जी मरनासन्न महेश बैंक के लिए जीवनदायिनी संजीवनी लाने की ताकत भी रखते हैं। सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज और हजारों अंशधारक दिल से यही चाहते हैं कि 'पैनलों की पैंतरेबाजी' सिर्फ चुनाव तक ही सीमित हो, चुने जाने के बाद बैंक की उन्नति ही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। बैंक की प्रगति में किसी भी तरह की बाधा/टाँगअड़ाई कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी बैंक के हित के खिलाफ जाएगा, चाहे वो कितना ही बड़ा तीस-मारखाँ हो, उसे उसकी हैसियत/आईना दिखाने से न समाज कभी पीछे हटा है, न कभी हटेगा।

गौरतलब है कि 7 दिसंबर, रविवार को 37,142 मतदाताओं में से 36.16% ने अपने मताधिकार का प्रयोग बेखौफ होकर सौहार्दपूर्ण माहौल में किया था। महेश बैंक के इतिहास का यह अब तक का सबसे शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित व सुचारू मतदान था। दोनों ही पैनलों ने थकाऊ प्रचार और सभी तल्खियों को भुलाकर ऐसी भाईचारगी दिखाई कि सब देखते ही रह गये। सोमवार दि. 08 दिसंबर को मतगणना के दौरान तो सब साथ में भोजन, चाय-पानी कर रहे थे, ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वे एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हो। वास्तव में अद्भुत नजारा था। सबके चेहरे खिले थे। न जीत की किसी को बहुत खुशी थी और न ही किसी को हार का कोई गहरा सदमा। ऐसी स्वस्थ स्पर्धा ही सकारात्मक वातावरण पैदा करेगी और नौजवान चुनाव लड़ने से कभी घबराएंगे नहीं। किसी ने क्या खूब कहा है-

गिरते हैं शह सवार ही, मैदान-ए-जंग में।
वो तिफ़्ल क्या गिरेंगे, जो घुटनों के बल चले।

देर रात समाचार लिखे जाने तक महिलाओं की कैटगरी में दो निदेशक पदों के लिए दोनों ही पैनलों से किस्मत आजमा रहीं उम्मीदवारों के किस्मत का फैसला नहीं हुआ था। यदि उन चार निदेशकों में भी संस्थापक की दो महिला प्रत्याशी जीतेगी तो **शुभ लाभ** द्वारा किया गया आंकलन शत-प्रतिशत सही साबित होगा। ज्ञातव्य है कि उपरोक्त सारे आंकड़े रुझानों पर आधारित है और नतीजों की घोषणा सरकारी खानापूर्ति के बाद 16 दिसंबर को की जाएगी। जबकि चेयरमैन पद का फैसला नवनियुक्त निदेशकों द्वारा 19 दिसंबर को होगा। सामान्य वर्ग से 31 प्रत्याशी खड़े थे। 30 टेबलों पर 9 राउण्ड में सामान्य वर्ग के वोटों की गिनती हुई।

आजादी का प्रेरणास्त्रोत रहा वंदे मातरम् आजाद भारत का भी है विजन : मोदी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी के दीवानों का मंत्र बने मवंदे मातरम्फ गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी और पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया।

श्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् गीत के 150वें वर्ष पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरु कर दिए थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का एक ऐसा कालखंड रहा है जिसमें इतिहास के कई प्रेरक उदाहरण देश के सामने मौजूद है। वंदे मातरम् के जब सौ साल पूरे हो गये थे तो उस समय इसकी शताब्दी का उत्तम पर्व मनाया जाना था लेकिन तब देश को आपातकाल में धकेल दिया गया था और देश के नागरिकों का गला घोंटा जा रहा था। देश की आजादी के आंदोलन को ऊजा देने वाले वंदे मातरम् के सौ साल पूरे होने के समय देश को आपाताकाल के काले कालखंड में धकेल दिया गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। वंदे मातरम् की भावना के साथ देश की आजादी की लड़ाई लड़ी गयी और इस गीत के भाव में आजादी के दीवाने देश के लिए प्राण न्यौछावर कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था जब अंग्रेज सल्तनत 1857 की क्रांति से बौखलाई थी और देश की

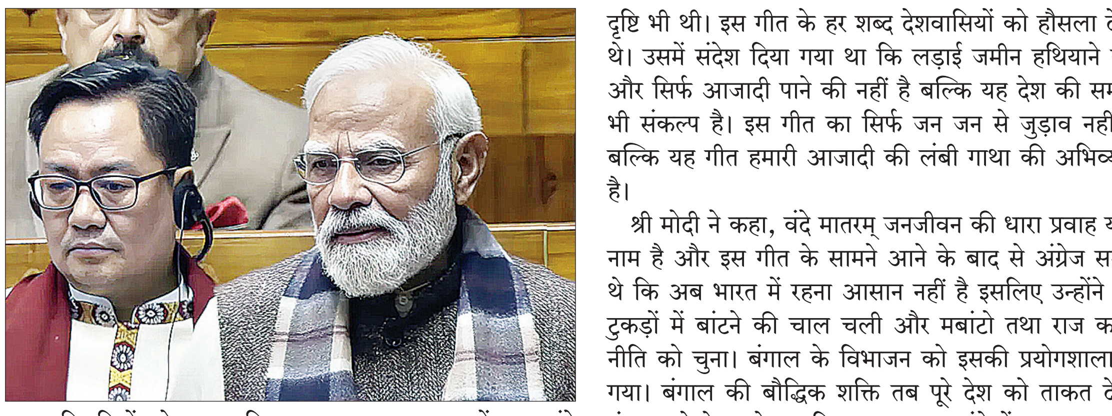

महान विभूतियों को मजबूर किया जा रहा था। जब चारों तरफ वंदे मातरम. की आवाज गूंज रही थी, देश को गुलाम बनाए रखने के लिए बड़ा षडयंत्र चल रहा था तो उस स्थिति को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय चुनौती दे रहे थे। उन्होंने 1882 में मआनंदमठफ उपन्यास की रचना की तो देश में आजादी की अलख जगा रहा वंदे मातरम् गीत इसमें रखा गया। देश के लोगों में जो भाव था, जो संस्कृति थी उसे वंदे मातरम् गीत के जरिए देश को बहुत बड़ी सौगात दी गई। वंदे मातरम् केवल आजादी की लड़ाई का मंत्र नहीं था, मात्र अंग्रेजों को भगाने का मंत्र नहीं था बल्कि यह इस भूमि को बेड़ियों से मुक्ति दिलाने की एक पवित्र जंग भी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा वंदे मातरम् देश की प्राचीन पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक परंपरा का आधुनिक अवतार है। बंकिमदा ने जब वंदे मातरम् की रचना की थी तो यह गीत स्वाभाविक रूप से आजादी की लड़ाई का स्वर बना और पूरे देश के आजादी के योद्धाओं को मुग्ध करने का मंत्र बन गया। वंदे मातरम् हजारों वर्ष की सांस्कृतिक ऊर्जा थी, इसमें आजादी का जज्बा भी था और आजाद भारत की दृष्टि भी थी। इस गीत के हर शब्द देशवासियों को हौसला देने वाले थे। उसमें संदेश दिया गया था कि लड़ाई जमीन हथियाने की नहीं और सिर्फ आजादी पाने की नहीं है बल्कि यह देश की समृद्धि का भी संकल्प है। इस गीत का सिर्फ जन जन से जुड़ाव नहीं रहा है बल्कि यह गीत हमारी आजादी की लंबी गाथा की अभिव्यक्ति भी है।

श्री मोदी ने कहा, वंदे मातरम् जनजीवन की धारा प्रवाह यात्रा का नाम है और इस गीत के सामने आने के बाद से अंग्रेज समझ गये थे कि अब भारत में रहना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने देश को टुकड़ों में बांटने की चाल चली और मबांटो तथा राज करोफ की नीति को चुना। बंगाल के विभाजन को इसकी प्रयोगशाला बनाया गया। बंगाल की बौद्धिक शक्ति तब पूरे देश को ताकत देती थी। बंगाल पूरे देश को प्रभावित करता था। अंग्रेजों का मानना था कि अगर बंगाल को तोड़ दिया तो देश में आसानी से राज किया जा सकता है और 1905 में उन्होंने बंगाल विभाजन का पाप किया तो वंदे मातरम् बंगाल की एकता के लिए चट्टान की तरह खड़ा रहा। गली गली में इस गीत की गूंज सुनाई दे रही थी। वंदे मातरम् देश के लिए चट्टान और अंग्रेजों के लिए संकट बन गया था।

उन्होंने कहा कि अंग्रेज समझ गये थे कि बंगाल से निकला वंदे मातरम् का भाव पूरे देश में जिस भाव के साथ फैल गया है उससे देश में आजादी के वेग को रोकना आसान नहीं है इसलिए उन्होंने वंदे मातरम् बोलने पर भी सजा का प्रावधान कर दिया। इस गीत को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया। इसके बावजूद वंदे मातरम् गीत गाते हुए प्रभात फेरियां बंगाल की गली गली में निकलती थी और बंगाल की गलियों से निकली यह आवाज पूरे देश की आवाज बन गई थी। छोटे छोटे बच्चों को वंदे मातरम् गाने पर उनके साथ जुल्म किया गया। बच्चों ने वंदे मातरम् मंत्र को अपनी ताकत सिद्ध कर दिया था। जांबाज वंदे मातरम् जय घोष के साथ फांसी पर चढ़ गये।

गोवा अग्निकांड

रोमियो लेन के मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव इंडिगो फ्लाइट से फुकेट भागे

इंटरपोल की मदद लेगी पुलिस

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।
गोवा में हाल ही में हुए रोमियो लेन अग्निकांड के मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा घटना के महज पांच घंटे बाद दिल्ली से इंडिगो फ्लाइट से थाईलैंड के फुकेट भाग गए। गोवा पुलिस ने सोमवार को इस मामले पर बयान दिया।

पुलिस फिलहाल उनके ठिकाने और विदेश भागने की पूरी कार्रवाई का पता लगा रही है। मामले की आगे की जांच जारी है और अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय मदद लेने की भी योजना बनाई है।

गोवा पुलिस की ओर से बयान में कहा गया कि बर्च बाई रोमियो लेन फायर इंसीडेंट की जांच में गोवा पुलिस कार्रवाई कर रही है। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस की एक टीम तुरंत दिल्ली रवाना की गई, जहां आरोपियों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के ठिकानों पर छापेमारी की गई। दोनों वहां मौजूद नहीं मिले, जिसके बाद उनके आवास पर कानून के तहत नोटिस चस्पा किया गया।

पुलिस ने बताया कि 7 दिसंबर की शाम तक दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया गया था। मुंबई इमिग्रेशन को जब संपर्क किया गया तो पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6 ई 1073 से फुकेट के लिए रवाना हो गए थे, जबकि हादसा रात करीब आधी रात को हुआ था। इससे यह साफ होता है कि दोनों ने जांच से बचने की कोशिश की।

बयान में कहा गया कि गोवा पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए सीबीआई की इंटरपोल डिवीजन से भी संपर्क किया है, ताकि जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके। ▶10 पर

हुमायूं कबीर के साथ चुनावी गठजोड़ से एआईएमआईएम का इनकार

कोलकाता, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया

मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के साथ किसी भी चुनावी गठजोड़ से सोमवार को इनकार किया और उनके प्रस्तावों को राजनीतिक रूप से संदिग्ध और वैचारिक रूप से असंगत बताया।

आईएमआईएम की ओर से यह बात ऐसे समय में कही गई है जब हुमायूं कबीर ने कुछ दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक समारोह में मस्जिद की नींव रखी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार ने कहा कि कबीर को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है।

वकार ने एक बयान में कहा, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कबीर को अधिकारी के राजनीतिक तंत्र का हिस्सा माना जाता है। और यह सर्वविदित है कि अधिकारी भाजपा के राष्ट्रीय स्तरीय नेतृत्व के मुख्य रणनीतिक ढांचे के भीतर काम करते हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क पर ब्रिटेन की बड़ी कार्रवाई

भारत ने प्रतिबंधों का किया स्वागत

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।
भारत ने प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक आतंकवादी समूह बब्बर खालसा से जुड़े चरमपंथी नेटवर्क पर ब्रिटेन सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का स्वागत किया है। भारत ने यह भी कहा कि ऐसे व्यक्ति न केवल भारत और ब्रिटेन, बल्कि पूरी दुनिया के लोगों के लिए खतरा पैदा करते हैं।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को कहा कि यह कार्रवाई आतंकवाद और अवैध वित्तीय प्रवाह के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली, भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं को निशाना बनाने के लिए लंदन की कार्रवाई की सराहना करती है।

भारत ने ब्रिटेन के साथ मिलकर अपनी आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है।

पिछले हफ्ते ब्रिटेन सरकार ने बब्बर खालसा की फंडिंग को बाधित करने के उद्देश्य से पहली बार ऐसे प्रतिबंध लगाए थे। गुरप्रीत सिंह रेहल की संपत्ति ब्रिटेन ने फ्रीज कर दी और उन्हें निदेशक पद से अयोग्य घोषित कर दिया। ▶10 पर

डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस पर इंडिगो का जवाब

संकट के पीछे बताए ये 5 कारण, सरकार से मांगा और समय

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।
देशभर में हजारों उड़ानें रद्द करने और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी में डालने के बाद, इंडिगो ने आखिरकार सोमवार शाम को डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) के कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया। कंपनी के सीईओ और सीओओ के हस्ताक्षर वाला यह जवाब शाम 6:01 बजे जमा किया गया।

इस जवाब में यात्रियों से गहरा खेद और हृदय से माफी मांगी गई है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल- आखिर यह इतना बड़ा संकट कैसे पैदा हुआ-इसका साफ जवाब नहीं दिया गया है। इंडिगो ने लिखा है कि समस्या कई कारकों के दुर्भाग्यपूर्ण और अप्रत्याशित संयोग से हुई, जिन्हें अभी सटीक रूप से चिह्नित करना संभव नहीं है।

डीजीसीए इस जवाब का अध्ययन कर रहा है, लेकिन संकेत है कि इंडिगो के जवाब को संतोषजनक नहीं माना गया है। बहुत संभव है कि कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, जैसा कि नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में चेतावनी दी थी।

कंपनी ने डीजीसीए से और समय मांगा है, क्योंकि उनके हिसाब से शो-कॉज नोटिस के नियम के तहत 15 दिन का वक्त मिलता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, सिर्फ प्रारंभिक बातें बताई गई हैं, और पूरा रूट-कॉज एनालिसिस बाद में आएगा।

जवाब में बताए गए प्रारंभिक योगदान देने वाले कारक में निम्नलिखित 5 वजहें गिनाई गई हैं: 1.छोटी-मोटी तकनीकी खराबी। 2.सर्दी के लिए उड़ानों की समय-सारणी में बदलाव। 3.खराब मौसम। 4.हवाई अड्डों पर बढ़ती भीड़। 5.नई फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन फेज-2 नियमों का लागू होना। कंपनी के जवाब के बारे में डीजीसीए की तरफ से ही जानकारी उपलब्ध कराई गई है। ▶10 पर

हमास–इजराइल संघर्ष विराम : शवों की अदला–बदली पर टिका दूसरे चरण का रास्ता

तेल अवीव, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल और हमास बहुत जल्द संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बताया कि यह चरण तब शुरू होगा जब हमास गाजा में मौजूद अंतिम इजराइली बंधक के अवशेषों को इजराइल को सौंप देगा।

जर्मन चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष विराम का अगला चरण, जिसमें गाजा का निरस्त्रीकरण और हमास की सैन्य क्षमता समाप्त करना शामिल है, महीने के अंत तक शुरू हो सकता है।

हमास के पास अब भी इजराइली पुलिसकर्मी रान ग्विली (24) के अवशेष हैं, जो 07 अक्टूबर 2023 के हमले में मारे गए थे। उनके अवशेषों की वापसी और इसके बदले इजराइल द्वारा 15 फिलिस्तीनियों के शवों की वापसी के साथ संघर्ष विराम योजना के पहले चरण का समापन माना जाएगा।

हालांकि हमास का दावा है कि दो वर्ष की इजराइली सैन्य कार्रवाई के बाद मलबे में दबे शवों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। इजराइल ने संगठन पर जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि सभी अवशेष जल्द नहीं लौटाए गए, तो वह सैन्य अभियान दोबारा शुरू कर सकता है या मानवीय सहायता सीमित कर सकता है।

बंधक परिवारों के एक समूह ने भी बयान जारी कर कहा कि 'जब तक रान ग्विली के अवशेष नहीं लौटते, अगला चरण शुरू नहीं हो सकता।'

संघर्ष विराम के दूसरे चरण के तहत गाजा में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती और एक अस्थायी फिलिस्तीनी प्रशासन का गठन शामिल है, जिसे अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बोर्ड देखरेख करेगा।

नेतन्याहू ने स्वीकार किया कि यह चरण कठिन होगा, और आगे बताया कि तीसरे चरण में गाजा को चरमपंथ से मुक्त करने की योजना है। 'जर्मनी, जापान और खाड़ी देशों में यह संभव हुआ था, गाजा में भी हो सकता है—बशर्ते हमास को पूरी तरह समाप्त किया जाए,' उन्होंने कहा।

चांसलर मर्ज ने बताया कि जर्मनी, इजराइल के सबसे करीबी साझेदारों में से एक होने के नाते, दूसरे चरण को लागू करने में सहयोग कर रहा है और दक्षिणी इजराइल में अमेरिकी नेतृत्व वाले समन्वय केंद्र में अपने अधिकारी भेज चुका है, साथ ही ग़ज़ा को मानवीय सहायता भी उपलब्ध करा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन को प्लेन, हेलीकॉप्टर से ज्यादा ट्रेन पर भरोसा, यह शाही कोठी के साथ रहस्य से भरी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे छिपे हुए नेता माने जाते हैं।

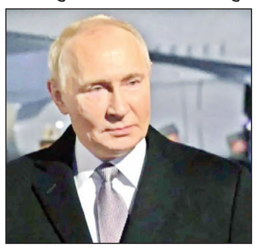

प्लेन, हेलीकॉप्टर इन सबसे बचते हुए पुतिन जिस चीज पर भरोसा करते हैं, वह है उनकी मशहूर 'घोस्ट ट्रेन'। यह 22 डिब्बों वाली बख्तरबंद ट्रेन ऐसी है जो दिखे भी तो रहस्य जैसी और चले तो किसी को भनक तक ना लगे। 2023 में आए लीक दस्तावेजों ने पहली बार इसकी अंदरूनी दुनिया की खोल दी थी जिसमें लक्जरी भी है, सुरक्षा भी और पुतिन की निजी पसंद और डर भी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ट्रेन रूस की विशाल रेलवे लाइनों पर ऐसे चलती है जैसे कोई अदृश्य साया। यह न किसी ऐप में दिखती है, न किसी टाइमटेबल में दर्ज होती है। इसकी रफ्तार भी ऐसी कि कोई उसकी लोकेशन का अंदाजा न लगा सके। पुतिन का हवाई सफर से डर अब कोई नई बात नहीं है। सैटेलाइट निगरानी और मिसाइल हमलों के दौर में उन्हें आसमान सबसे ज्यादा असुरक्षित लगता है। रूस की सुरक्षा एजेंसी से दलबदल कर चुके ग्लेब कराकुलोव ने 2022 में कहा था कि प्लेन जैसे ही उड़ता है, वह तुरंत रडार में आ जाता है। ट्रेन मूवमेंट छुपाती है। इस ट्रेन का नाम घोस्ट ट्रेन रूसी ट्रेनस्पॉटर्स ने दिया था, जब उन्होंने साइबेरिया के इलाके में चलती इस रहस्यमय ट्रेन के सफेद एंटीना डोम देखे। यह ट्रेन आम लोगों से पूरी तरह छिपाई जाती है। इसे दो इंजन खींचते हैं और इसका रूट केवल चुनिंदा क्रेमलिन अधिकारियों को ही पता होता है। क्रेमलिन की ओर से कभी–कभी सिर्फ बोर्डरूम वाले डिब्बे की तस्वीरें सामने आती थीं, पर असली राज 2023 में खुला। जिरकोन सर्विस, जो राष्ट्रपति के लिए खास डिब्बे बनाती है, उसके ही एक कर्मचारी ने ब्लूप्रिंट, ब्रोशर और मेमो द डॉसियर सेंटर को लीक कर दिए। रिपोर्ट से पता चला कि बाकी डिब्बे किसी चलती–फिरती शाही कोठी से कम नहीं हैं। एक ऐसी ट्रेन जो सफर के दौरान ही जिम, स्पा, हम्माम और मेडिकल सुविधा जैसी चीजें मुहैया कराती है।

गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे, चौंका रहे हैं इजरायल के दावे

यरुशलम। गाजा को तबाह कर देने वाली लड़ाई में हमास के कई खूंखार लीडर्स मौत के घाट उतारे गए। यही नहीं गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे हैं। दम घोंट देने वाली इन सुरंगों के भीतर ना कोई जानकारी पहुंचती है और ना ही बाहर आती है। इन लड़कों को शांति समझौते के बारे में कुछ पता भी नहीं है और वो डर के मारे यहां से निकल ही नहीं रहे हैं। इस बीच इजरायल ने 40 लड़ाकों को लेकर चौंकाने वाला दावा कर डाला है। इजरायल तक पहुंचने के लिए गाजा में बनाई गई इन अंधेरी गुफाओं में युद्ध के दौरान करीब 200 हमास लड़ाके घुस गए थे। यहां ना ठीक से ऑक्सीजन पहुंचती थी और ना ही सूरज की एक भी किरण दिखती थी फिर भी लड़ाकों को लग रहा था कि ये सबसे सुरक्षित जगह है लेकिन अब इजरायल ने दावा किया है कि 200 में से 40 लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

हीरा-जड़ा 'अंडा' निगल गया चोर, पेट पर लगा पुलिस का पहरा, 6 दिन बाद निकला

लंदन। दुनिया में चोरी की अलग–अलग तरह की वारदातें हुई हैं जो काफी चर्चित भी रही हैं। वही

न्यूजीलैंड का एक ऐसा मामला सामने आया जो फिल्मी जैसा है। यहां एक चोर ने महंगा फैबर्ज अंडा जैसा हीरा–जड़ा लॉकेट चुराने के लिए उसे निगल लिया जिसकी कीमत 17 लाख रुपए से भी ज्यादा है। इसके बाद पुलिस ने जेम्स बॉन्ड फिल्म की तरह काम किया। करीब 6 दिनों तक पुलिस आरोपी के पेट पर नजर रखती रही और आखिरकार लॉकेट 'प्राकृतिक तरीके' से बाहर आ गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना सेंट्रल ऑकलैंड के पैट्रिज ज्वैलर्स में हुई। यहां 32 साल का शख्स ने दुकान से अंडे के आकार वाला हीरा–जड़ा लॉकेट चुरा लिया है और भागने से पहले ही उसे निगल लिया लेकिन कुछ ही मिनटों में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बयान में कहा कि पेंडेंट को बाद में बरामद किया और वह अब पुलिस की कस्टडी में है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का मेडिकल भी कराया गया और उसकी निगरानी की गई। कारण साफ था कि लॉकेट पेट में था और महंगा भी था। रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि लॉकेट को निकालने के लिए डॉक्टर को नहीं बुलाना पड़ा। इसे पुलिस ने 'प्राकृतिक' तरीके से बरामद किया। इसलिए एक पुलिस अधिकारी को लगातार 6 दिन तक आरोपी पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

ट्रंप का दावा : जेलेंस्की शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर को तैयार नहीं, यूक्रेन पर रूसी हमले हुए तेज

वाशिंगटन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सनसनीखेज दावा किया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की उनके प्रशासन द्वारा तैयार किए गए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति के शांति प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की ने अभी तक प्रस्ताव को ठीक से पढ़ा तक नहीं है, जबकि उनकी टीम इसे पसंद कर रही है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, मुझे थोड़ी निराशा है। कुछ घंटे पहले तक राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रस्ताव नहीं पढ़ा था। उनकी टीम को यह पसंद है, लेकिन वह खुद तैयार नहीं हैं। उन्होंने संकेत दिया कि रूस को इस प्रस्ताव से खास दिक्कत नहीं है, लेकिन जेलेंस्की ही वार्ता में बाधा बन रहे हैं। फरवरी 2022 से चल रहे इस विनाशकारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका पिछले तीन दिनों से फ्लोरिडा में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन वार्ता कर रहा था।

हालांकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस अमेरिकी प्रस्ताव को सार्वजनिक रूप से समर्थन नहीं दिया है। पिछले सप्ताह पुतिन ने कहा था कि ट्रंप का प्लान कई मायनों में अव्यावहारिक है, भले ही मसौदा मूल रूप से मॉस्को के पक्ष में अधिक झुका हुआ माना जा रहा है।दूसरी ओर, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने फ्लोरिडा में चल रही वार्ता में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से फोन पर विस्तृत बातचीत की है। उन्होंने जोर दिया, यूक्रेन अमेरिका के साथ पूरी ईमानदारी से काम कर रहा है ताकि वास्तविक और स्थायी शांति हासिल की जा सके। जेलेंस्की ने वार्ता की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि कीव शांति के लिए दृढ़ संकल्पित है।

इसी बीच ट्रंप प्रशासन के यूक्रेन मामलों के विशेष दूत कीथ केलॉग ने बताया कि वार्ता अब अंतिम चरण में है। समझौते का सबसे बड़ा रोड़ा क्षेत्रीय मुद्दे हैं, खासकर डोनबास क्षेत्र और जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र का नियंत्रण। केलॉग के मुताबिक, इन्हीं दो बिंदुओं पर अंतिम फैसला बाकी है।

रविवार रात को रूसी सेना ने यूक्रेन के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। उत्तरी चेर्निहिव क्षेत्र में ड्रोन हमले से एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि मध्य यूक्रेन के महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर क्रेमेन्चुक में बिजली और पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। कीव का आरोप है कि रूस लगातार चौथी सर्दी में जानबूझकर ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रहा है ताकि आम नागरिकों को ठंड, अंधेरे और पानी की कमी का सामना करना पड़े। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे ठंड को हथियार बनाने की रणनीति करार दिया है।

सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के नेता लंदन में जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। यूरोपीय देश अमेरिकी शांति प्रयासों से अलग अपनी कूटनीतिक कोशिशें तेज करने की तैयारी में हैं।तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और करोड़ों विस्थापित हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की यह पहल युद्ध समाप्ति की दिशा में सबसे गंभीर अमेरिकी कवायद मानी जा रही है, लेकिन जेलेंस्की पर दबाव और रूसी हमलों के बीच शांति की राह अभी लंबी और अनिश्चित दिख रही है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में खोजी अलकनंदा.....दुनिया के वैज्ञानिकों की सारी सोच बदल दी

लंदन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के दो वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में इतिहास बना दिया है। जब ब्रह्मांड सिर्फ 1.5 अरब साल का था (यानी आज से 12 अरब साल पहले), तब भी हमारी आकाशगंगा जैसी एक सुंदर, पूरी तरह बनी–बनाई स्पाइरल गैलेक्सी मौजूद थी। यह खोज दुनिया के सबसे ताकतवर जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से हुई है। दरअसल वैज्ञानिकों का पहले मानना था कि बिग बैंग के कुछ सौ मिलियन साल बाद सिर्फ छोटी, अनियमित और उलझी हुई गैलेक्सी ही बन सकी थीं। बड़ी और सुंदर स्पाइरल गैलेक्सी बनने में अरबों साल लगते थे। लेकिन पूणे की राशि जैन और प्रोफेसर योगेश वडाडेकर ने जो गैलेक्सी देखी, पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों की सारी सोच बदल दी। इस गैलेक्सी को भारतीय वैज्ञानिकों ने हिमालय की पवित्र नदी के नाम पर अलकनंदा नाम दिया है। आकार में करीब 30,000 प्रकाश–वर्ष चौड़ी (हमारी मिल्की वे का एक–तिहाई) और तारों की संख्या 1,000 करोड़ (10 बिलियन सूर्य जितने तारे!) जबकि नई तारों की बनने की रफ्तार हमारी आकाशगंगा से 20–30 गुना तेज!

कैसे मिली यह गैलेक्सी

राशि जैन (एनसीआरए–टीआईएफआर में पीएचडी कर रही हैं) जेम्स वेब के डेटा में 70000 ऑब्जेक्ट्स देख रही थीं। अचानक एक तस्वीर पर नजर पड़ी–बिल्कुल साफ, सुंदर सर्पिल गैलेक्सी। राशि कहती हैं कि मैं चिल्ला पड़ी। 70000 में सिर्फ एक ही थी जो इतनी परफेक्ट स्पाइरल थी।

इसके बाद अपने गुरु प्रो. वडाडेकर को दिखाया तब पहले वे भी यकीन ही नहीं कर सके। प्रो.वडाडेकर ने बताया कि यह नामुमकिन लग रहा था। इतनी जल्दी इतनी बड़ी और सुंदर गैलेक्सी कैसे बन गई कुछ सौ मिलियन साल में 1,000 करोड़ तारे और सर्पिल भुजाएं बना लेना–ब्रह्मांड के हिसाब से रॉकेट की स्पीड है।

ब्रह्मांड की उम्र अभी 13.8 अरब साल है। यह गैलेक्सी हमें उस समय की दिख रही है जब ब्रह्मांड सिर्फ 10 प्रतिशत उम्र का था। पहले मिली पुरानी गैलेक्सी या छोटी थीं या लाल धब्बे जैसी दिखती थीं। अलकनंदा पहली गैलेक्सी है जो साबित करती है कि शुरुआती ब्रह्मांड इतना बच्चा नहीं था, जितना हम सोचते थे।

असामान्य मौसम परिवर्तन के पीछे बड़ा कारण है क्यूबीओ : विशेषज्ञ

लंदन। मौसम परिवर्तन का प्रभाव विश्वव्यापी है और भारत भी इस संकट से बच नहीं सकता। इस साल देश ने कई चरम मौसमीय आपदाओं का सामना किया। विशेषज्ञ की माने तो आने वाला साल और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस असामान्य मौसम परिवर्तन के पीछे बड़ा कारण है क्यूबीओ यानी क्वासी–बायेनियल ऑसिलेशन का अचानक टूटना। क्यूबीओ दरअसल पृथ्वी की सतह से 20 से 30 किलोमीटर ऊपर बहने वाली हवा की वह धारा है, जो हर 28 से 30 महीने में अपनी दिशा बदलती है। सामान्य रूप से यह बदलाव जनवरी–फरवरी में होता है, लेकिन इस बार यह धारा नवंबर में ही पलट गई, जो पूरी जलवायु प्रणाली के लिए झटका साबित हुआ। वैज्ञानिक बताते हैं कि यह मौसम की मशीन का अचानक रिवर्स गियर लग जाने जैसा है एक ऐसी स्थिति जहां नियंत्रण लगभग असंभव हो जाता है। अमेरिकी मौसम विभाग एनओएए के आंकड़े दिखाते हैं कि ऊपरी हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर असामान्य तेजी से मुड़ रही हैं, जो सामान्य समय से 2 से 3 महीने पहले की घटना है।

अब सऊदी के रियाद में राजनयिक ही नहीं, अमीरों के लिए उपलब्ध रहेगी शराब

यह बदलाव 2034 में पुरुषों फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी को लेकर किए जा रहे

रियाद, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब सख्त कानूनों के लिए जाना जाता है। देश में शराब हराम हैं और उसे बैन किया गया है। हालांकि बीते कुछ समय में सऊदी की शराब नीति में बदलाव का संकेत मिला है। हाल ही में रियाद में एक स्टोर के अमीर ने विदेशी लोगों को व्हिस्की और शैंपेन बेचने की बात सामने आई। शराब की दुकानें पहले सिर्फ डिप्लोमैट के लिए खुली थी, उन्हें अब छूट मिली हैं। खासतौर से अमीर विदेशियों के लिए सऊदी में शराब का विकल्प अब खुलता दिख रहा है। रियाद में अब गैर–मुस्लिम विदेशियों को शराब बेच रहे हैं, बशर्ते उनके पास महंगा प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट हो। यह बदलाव क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के मिशन–2030 के तहत किए जा रहे सामाजिक–आर्थिक सुधारों का हिस्सा है। हालांकि इस बदलाव को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह बिना शोर–शराबे के किया जा रहा है ताकि विरोध ना हो। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियाद के शराब के स्टोर से खरीदारी करने वाले कुछ ग्राहकों ने बताया कि यहां पहले सिर्फ राजनयिकों यानी दूसरे देश के राजदूतों को शराब मिलती थी। अब उन गैर–मुस्लिम विदेशियों को भी शराब बेची जा रही है, जिनके पास प्रीमियम रेजिडेंसी परमिट है। प्रीमियम रेजिडेंसी बहुत अमीर या बहुत पढ़े–लिखे विदेशियों को दिया जाता है, जो सरकारी संस्थानों में काम करते हैं। पिछले एक दशक में क्राउन प्रिंस मोहम्मद ने देश को पूरी तरह से बदल दिया है। धार्मिक पुलिस, ड्रेस कोड और महिलाओं को गाड़ी चलाने पर पाबंदी जैसे मामलों में सऊदी में अब कई तरह की छूट दी जा रही है। सऊदी में शराब नीति की बात की जाए तो सरकार ने आधिकारिक तौर पर 1950 के दशक में शराब पर बैन लगा दिया था। यह प्रतिबंध तब लगा था, जब सऊदी अरब के संस्थापक राजा के बेटे ने शराब के नशे में हुए विवाद में एक ब्रिटिश राजनयिक की हत्या कर दी थी। इस बैन की वजह सऊदी धर्म पर आधारित बताता है क्योंकि कुरआन में मुसलमानों के लिए शराब हराम कही गई है।

यूरोपीय संघ ने एक्स पर लगाया 140 मिलियन डॉलर का जुर्माना, मस्क का गुस्सा फूटा

वाशिंगटन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ ने अरबपति एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल सर्विसेज एक्ट (डीएसए) के उल्लंघन के लिए 120 मिलियन यूरो (लगभग 140 मिलियन डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना यूरोपीय आयोग द्वारा एक्स के खिलाफ पारदर्शिता और कंटेंट मॉडरेशन संबंधी नियमों के पालन न करने के कारण लगाया गया है। इस कदम से अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच तनाव बढ़ गया है, जहां ट्रंप प्रशासन ने इसे अमेरिकी फ्री स्पीच पर हमला करार दिया है।

आयोग की दो साल की जांच में पाया गया कि एक्स ने ब्लू टिक वेरिफिकेशन सिस्टम को भ्रामक तरीके से डिजाइन किया, जिससे उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया गया। पहले ट्विटर पर ब्लू टिक केवल प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे सेलेब्रिटी, राजनेता और पॉप फिगर के लिए आरक्षित था, लेकिन मस्क के अधिग्रहण के बाद इसे सब्सक्रिप्शन मॉडल से जोड़ दिया गया, जो यूरोपीय नियमों का उल्लंघन था। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म ने विज्ञापनों की जानकारी पर्याप्त पारदर्शी तरीके से नहीं साझा की और शोधकर्ताओं को पब्लिक डेटा तक पहुंच प्रदान करने में विफल रहा। आयोग ने कहा, उपभोक्ताओं को धोखा देना, विज्ञापनों की जानकारी छिपाना और शोधकर्ताओं को रोकना यूरोपीय संघ में स्वीकार्य नहीं है। जुर्माने के ऐलान के तुरंत बाद मस्क ने एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आयोग के पोस्ट पर जवाब देते हुए इसे बुलशिट कहा। मस्क ने अपने 230 मिलियन फॉलोअर्स से कहा, ईयू को खत्म देना चाहिए और संप्रभुता अलग–अलग देशों को वापस मिलनी चाहिए, ताकि सरकारें अपने लोगों का बेहतर प्रतिनिधित्व कर सकें। जब एक यूजर ने उनके बयान को रीपोस्ट किया, तो मस्क ने स्पष्ट किया, मैं सच कह रहा हूं। मजाक नहीं कर रहा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, मुझे यूरोप पसंद है, लेकिन ईयू जैसा नौकरशाही वाला राक्षस नहीं। मस्क ने आगे कहा कि यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि उन पर व्यक्तिगत रूप से लगाया गया है, इसलिए प्रतिक्रिया व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार अधिकारियों पर भी होनी चाहिए। ट्रंप प्रशासन ने भी इसकी कड़ी निंदा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर पोस्ट किया, यह जुर्माना न केवल एक्स पर, बल्कि सभी अमेरिकी टेक प्लेटफॉर्म्स और अमेरिकी लोगों पर विदेशी सरकारों का हमला है। अमेरिकियों को ऑनलाइन सेंसर करने के दिन खत्म हो गए। मस्क ने रुबियो के बयान को रीपोस्ट करते हुए पूर्णतः सहमत कहा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसे अमेरिकी कंपनियों पर हमला बताया, जबकि वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और एफसीसी चेयर ब्रेंडन कार ने यूरोपीय संघ की दमनकारी नीतियों की आलोचना की। सीनेटर टेड क्रूज ने इसे अमेरिकी नौकरियों और फ्री स्पीच पर हमला करार देते हुए ट्रंप से प्रतिबंध लगाने की मांग की। यह जुर्माना डीएसए के तहत एक्स के खिलाफ पहला आर्थिक दंड है, जो 2022 में लागू हुआ कानून है। एक्स को 60 दिनों में ब्लू टिक मुद्दे का समाधान बताना होगा, जबकि विज्ञापन और डेटा एक्सेस के लिए 90 दिन का समय दिया गया है। अनुपालन न करने पर और जुर्माना लग सकता है। मस्क को फैसले के खिलाफ अपील का अधिकार है, जो लंबी कानूनी लड़ाई का रूप ले सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला यूरोपीय संघ की टेक कंपनियों पर सख्ती का परीक्षण बनेगा, खासकर अमेरिकी फ्री स्पीच बहस के बीच।

घुसपैठ करवाने पाक सेना के नए हथकंडे

पहले एलओसी पर आग लगाओ, बारूदी सुरंगें नष्ट करो, फिर आतंकियों को धकेलने का रास्ता बनाओ

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 8 दिसम्बर।

एलओसी पर घुसपैठ करवाने पाक सेना नए हथकंडे अपना रही है। वह पहले एलओसी पर आग लगा रही है जिससे बारूदी सुरंगें नष्ट हो जाती हैं तो आतंकियों को धकेलने का रास्ता बन जाता है। रक्षाधिकारियों के के अनुसार सर्दियों के दिनों में आतंकी घुसपैठ करने के लिए जंगल में आग लगाने की रणनीति अपनाते हैं। सेना और बीएसएफ ने ऐसी घुसपैठ की कई कोशिशों को पूर्व में नाकाम किए हैं।

दरअसल आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना से हार झेलने के बाद भी पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा है। अब भारत में आतंकियों की घुसपैठ कराने के लिए नई साजिश रच रहा है। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पिछले 48 घंटों में दूसरी बार पाकिस्तान की खतरनाक साजिश सामने आई है। पाकिस्तानी सैनिक और वहां तैनात आतंकी तत्व जानबूझकर जंगल में आग लगा रहे हैं, जिससे भारतीय सीमा के अंदर बिछी एंटी-पर्सनल और एंटी-टैंक लैंडमाइन एक के बाद एक फट रही हैं। कल सुबह से अब तक दर्जनों लैंडमाइन ब्लास्ट हो चुके हैं। आग की लपटें भारतीय सेना की फारवर्ड पोस्ट्स तक पहुंच चुकीं हैं।खुफिया एजेंसियों का साफ मानना है कि जंगल में आग लगने से भारतीय सेना की एंटी-इन्फिल्ट्रेशन ग्रिड कमजोर

पड़ती है। लैंडमाइन फट जाती हैं, वायर फेंसिंग जल जाती है और सेंसर खराब हो जाते हैं। ठीक यही मौका पाकिस्तान आतंकियों को भारतीय इलाके में धकेलने के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। पिछले दो दिनों में ड्रोन से ली गई तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि पाकिस्तानी पोस्ट्स के ठीक पीछे से कुछ लोग जंगल में आग लगा रहे हैं।सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दूसरी बार है जब 48 घंटे में पाकिस्तान ने यह हरकत की है। पहली घटना 6 दिसंबर की रात हुई थी, आज फिर वही सिलसिला जारी है। हमारी फारवर्ड पोस्ट्स तक आग पहुंच गई है। हमारे जवान आग बुझाने के साथ ही हाई अलर्ट पर हैं। भारतीय सेना ने तुरंत प्रभाव से पूरे बालाकोट, कृष्णा घाटी और मेंढर सेक्टर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी है। क्विक रिएक्शन टीमें, डाग स्काड और ड्रोन सर्विलांस बढ़ा दिया गया है।

जानकारों का कहना है कि सर्दी शुरू होते ही पाकिस्तान की घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं क्योंकि बर्फबारी से कई दर्रे बंद हो जाते हैं और एलओसी पर जंगल वाला रास्ता ही बचता है। इस बार उसने नया तरीका अपनाया है। पहले आग लगाओ, लैंडमाइन ब्लास्ट करवाओ, फिर अंधेरे व धुएं का फायदा उठाकर आतंकियों को अंदर भेजो।

लेकिन भारतीय सेना पूरी तरह मुस्तैद है। कल सुबह से अब तक तीन संदिग्ध मूवमेंट देखी गई हैं, जिन पर तुरंत फायरिंग की गई और घुसपैठ नाकाम कर दी गई।सूत्रों के अनुसार सर्दियों के दिनों में घुसपैठ करने के लिए जंगल में आग लगाने की रणनीति अपनाते हैं। सेना और बीएसएफ ने ऐसी घुसपैठ की कई कोशिशों को पूर्व में नाकाम किए हैं। कर्नल सेनाधिकारी आग की घटना को घुसपैठ के लिए रची जाने वाली साजिश के तौर पर देखते हैं। वे कहते हैं कि पूर्व की घटनाओं को देखा जाए तो नियंत्रण रेखा के उस पार पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र से लगाई गई आग अक्सर भारतीय क्षेत्र में जंगल और बारूदी सुरंगों को नुकसान पहुंचाती रही हैं। धुएं की आड़ में आतंकी घुसपैठ की कोशिश करते हैं। वह कहते हैं कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और हर घुसपैठ को रोकने के लिए तैयार हैं।

इंडिगो संकट पर बोलो राम मोहन नायडू, हम सख्त एक्शन लेकर अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल कायम करेंगे

नई दिल्ली, 08 (एजेंसियां) । इंडिगो संकट पर नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि सरकार इस मुद्दे को काफी गंभीरता से ले रही है। फिलहाल इसकी जांच चल रही और निष्कर्ष आने पर हम काफी सख्त एक्शन लेंगे, जो कि अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल बने। राज्यसभा में पूछे गए एक जवाब देते हुए नायडू ने कहा कि यह स्थिति इंडिगो के इंटरनल ऑपरेशन में समस्या के कारण पैदा हुई है,जिसमें क्रू का रोस्टरिंग सिस्टम और आंतरिक योजना शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम सभी पक्षकारों से बातचीत करके लागू किए गए हैं। अप्रैल में, उच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के तहत इसे लागू किया गया है। कुल 22 एफडीटीएल नियम थे, जिसमें से 15 एक जुलाई से और बाकी सात एक नवंबर से लागू हुए हैं।

तब से लेकर डीसीसीए एफडीटीएल नियमों पर सभी एयरलाइन से बातचीत कर रहा था। इसे लेकर एक दिसंबर को इंडिगो के साथ भी बातचीत हुई थी, क्योंकि वे नियमों पर कुछ स्पष्टीकरण चाहते हैं, लेकिन इन दौरान भी उन्होंने इस समस्या का जिक्र नहीं किया है और हर चीज सामान्य थी।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही तीन दिसंबर को यह समस्या सामने आई,मंत्रालय ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिया है। हमने हवाई अड्डों पर स्थिति को अपने नियंत्रण में ले लिया है। हमने सभी पक्षकारों से परामर्श किया है और फिर आपने देखा होगा कि उन दो दिनों में हालात कैसे बदल गए। हालांकि, यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।नायडू ने कहा कि हमने सभी पक्षकारों को स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर इससे समझौता नहीं किया जाएगा। हमारे लिए क्रू, पायलट और यात्रियों के साथ पूरे सिस्टम की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है।अंत में नायडू ने कहा कि सरकार इस मामले को काफी गंभीरता से ले रही है और जांच के बाद हम काफी सख्त एक्शन लेंगे, जो कि अन्य एयरलाइंस के लिए मिसाल बनेगा।

'सिद्धू मूसेवाला की तरह करेंगे हाल', पवन सिंह को मिली जान से मारने की धमकी

पटना, 08 (एजेंसियां) । भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह को अज्ञात नंबर से फोन कॉल और मैसेज के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने 'बिग बॉस 19' में सुपरस्टार सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जान से मिली धमकी के बावजूद पवन सिंह रविवार रात 'बिग बॉस 19' के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे और सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया। उन्होंने 'बिग बॉस' की एक्स कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ डांस परफॉर्मेंस भी दी। पवन सिंह के मैनेजर ने बताया कि धमकी भरा पहला कॉल 6 दिसंबर की रात लगभग 10 बजे

आया। इस कॉल में अज्ञात व्यक्ति ने लगातार धमकियां देना शुरू कर दिया और पवन सिंह की टीम के सदस्य प्रियांशु को कॉल किया। कॉलर ने पवन सिंह के मैनेजर और टीम के अन्य सदस्यों को लगातार मैसेज भेजे। शुरुआत में कॉलर को यह समझाने की कोशिश की गई कि शायद यह गलत नंबर पर कॉल हो रही है, बावजूद इसके लगातार धमकियां मिलती रहीं।

इस धमकी में कॉलर ने पवन सिंह से मोटी रकम की भी मांग की।पवन सिंह के मैनेजर के अनुसार, कॉलर ने 15 से 20 लाख रुपये की डिमांड की और कहा कि यह पैसा जल्द से जल्द जमा करना होगा। साथ ही, कॉलर ने धमकी दी कि अगर पवन सिंह ने सलमान खान के साथ मंच साझा किया, तो उनके साथ वही हाल होगा, जो उन्होंने सिद्धू मूसेवाला के साथ किया था।इस पूरे मामले के सामने आने के बाद पवन सिंह की टीम ने तुरंत सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को जानकारी दी। मुंबई के एक पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई, और पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कॉल करने वाला कौन था, वह कहां से था, और किस गिरोह से जुड़ा था।

कमलेश ठाकुर ने चनौर पंचायत में विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सुनी जनसमस्याएँ

देहरा, 08 (एजेंसियां) । विधायक कमलेश ठाकुर ने आज चनौर पंचायत में आयोजित 'विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्याएँ एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को जनता की दहलीज तक पहुँचाकर समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्राम स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इस दौरान विधायक ने लक्ष्मी नारायण मंदिर ठाकुरद्वारा चनौर में टाइल लगाने के लिए 2 लाख, वेटरिनरी डिस्पेंसरी निर्माण के लिए चार लाख व बेहड से थेडू रास्ते के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने कुराल बेहड क्षेत्र में शमशान घाट की समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया। साथ ही

बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के अपग्रेडेशन हेतु भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

विधायक ने जल शक्ति विभाग को गुलेरिया बस्ती में पेयजल टैंक निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए और क्षेत्र में निर्बाध एवं उच्च गुण-वत्ता वाली पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में धर्मशाला में चिट्टे के विरुद्ध एक जागरूकता वॉकाथॉन आयोजित किया गया है।

इस अभियान को पंचायत स्तर पर व्यापक रूप से चलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने लोगों से इस जन-अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 112 आपातकालीन नंबर आरंभ किया गया है। इस नंबर पर जानकारी उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार क्षेत्र के समग्र विकास एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय लोगों से सहयोग और सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि विकास कार्यों को और अधिक गति मिल सके। इससे पूर्व विधायक का चनौर पंचायत पहुंचने पर यहां के स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सहायक अभियंता जल शक्ति विभाग परविंदर सिंह ,कनिष्ठ अभियंता लोक निर्माण विभाग परमजीत सलहोत्रा, प्रधान वडल सुमन ,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र ठाकुर,पूर्व महासचिव कांग्रेस कमेटी इंद्रजीत शर्मा, यूथ ब्लॉक अध्यक्ष सुमित ठाकुर , ओबीसी कल्याण बोर्ड सदस्य राजकुमार, महिला मंडल प्रधान दर्शना , जिला परिषद मेंबर पुष्पा मनिहास, सतिन्द्र मंहत सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी व कर्मचारी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर चार नए पुलों से सेना व पर्यटन दोनों को मिलेगा नया संबल : कंगना रनौत

शिमला, 08 (एजेंसियां) । भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश के लिए किए जा रहे निरंतर विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र ने हमेशा हिमाचल की भौगोलिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे को सशक्त करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सड़के प्रदेश की जीवन रेखा हैं और केंद्र सरकार द्वारा सड़क व पुल निर्माण के क्षेत्र में किए गए कार्य आने वाले वर्षों में प्रदेश की प्रगति की मजबूत नींव सिद्ध होंगे। सांसद कंगना रनौत ने मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर सीमा सड़क संगठन (इठज) के प्रोजेक्ट दीपक द्वारा निर्मित चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं के वर्चुअल उद्घाटन पर केंद्र सरकार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से अब सेना के भारी-भरकम वाहनों और पर्यटकों की आवाजाही पहले से कहीं अधिक आसान, सुगम और सुरक्षित हो जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि बीआरओ द्वारा लगभग

18 करोड़ रुपये की लागत से इन परियोजनाओं का निर्माण किया गया है, जिनमें 70 मीटर लंबा शोगटोंग ब्रिज, जिंगजिंगबर में दो मल्टी-सेल बॉक्स ब्रिज तथा कीलिंग सराय में 60 मीटर लंबा यूनम ब्रिज शामिल हैं। सभी पुल अत्याधुनिक तकनीक से तैयार किए गए हैं ताकि हर मौसम में भारी वाहनों की निर्बाध आवाजाही संभव हो सके।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से देशभर की 125 परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें देश को समर्पित किया। इन पुलों के निर्माण से मनाली-लेह मार्ग पर वर्षों से चली आ रही एवलांच जोन, उफनते नालों और कच्चे रास्तों की समस्याओं से बड़ी राहत मिलेगी। पहले जहां सेना के काफिलों और आम यात्रियों को जोखिम भरे मार्ग से गुजरना पड़ता था, वहीं अब नए पुलों के माध्यम से यात्रा अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद हो जाएगी।कंगना रनौत ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल सामरिक दृष्टि से देश की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी व्यापक बढ़ावा मिलेगा। मनाली-लेह हाईवे पर यात्रा करने वाले पर्यटकों को अब पहले से कहीं बेहतर और सुरक्षित अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हिमाचल के विकास के लिए निरंतर सहयोग देने हेतु आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार के मजबूत नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

बाप रे बाप !

जम्मू कश्मीर में प्रतिदिन 38 मामले आ रहे कैंसर के

पांच सालों में 67 हजार का आंकड़ा पार, पिछले साल 14 हजार आए थे सामने

जम्मू, 08 (एजेंसियां) । आतंकवाद से जूझ रहे जम्मू कश्मीर में सबसे बड़ी चिंता का विषय अगर सड़क हादसों में होने वाली मौतों का आंकड़ा है तो साथ ही बढ़ते कैंसर के मरीज भी हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़े आप डराते हैं कि हर दिन औसतन 38 नए मामले सामने आ रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शेयर किए गए डेटा से पता चलता है कि अकेले 2024 में इस इलाके में 14,112 कैंसर के मामले दर्ज किए गए, जिससे पिछले पांच सालों में रिपोर्ट किए गए मामलों की कुल संख्या 67,037 हो गई। इस ट्रेंड में कमी का कोई संकेत नहीं दिख रहा है।

2020 में, जम्मू कश्मीर में 12,726 कैंसर के मामले दर्ज किए गए, इसके बाद 2021 में 13,060 मामले दर्ज किए गए। यह संख्या 2022 में 13,395 और 2023 में 13,744 हो गई, और इस साल 14,112 तक पहुंच गई, जो साल-दर-साल लगातार बढ़ोतरी दिखाता है। स्वास्थ्य पेशेवर इस पैटर्न को चिंताजनक बताते हैं, खासकर इसलिए क्योंकि मामलों का एक बड़ा हिस्सा एडवांस स्टेज में पता चलता है।आंकड़ें बताते हैं कि जेंडर के आधार पर अलग-अलग कैंसर पैटर्न का पता चलता है। पेट का कैंसर अभी इस इलाके में पुरुषों में सबसे आम बीमारी है, जो लगभग पांचवां हिस्सा है, इसके बाद फेफड़ों का कैंसर है, जो पुरुषों में रिपोर्ट किए गए कैंसर का 16 प्रतिशत है। महिलाओं में, ब्रेस्ट कैंसर अभी भी मुख्य रूप है, जो सभी मामलों का 19 प्रतिशत है, और पेट का कैंसर लगभग 9 प्रतिशत के साथ दूसरा सबसे आम कैंसर बन गया है। इसोफेगस और कोलन कैंसर दोनों जेंडर में कुल कैंसर लोड का एक बड़ा हिस्सा हैं।इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार, संख्या में बढ़ोतरी के कई कारण हैं। डायग्नोस्टिक सुविधाओं तक ज्यादा पहुंच, बेहतर रिपोर्टिंग सिस्टम, बढ़ती उम्र और बढ़ती बुजुर्ग आबादी की वजह से बेहतर पहचान हुई है। इसके साथ ही, लाइफस्टाइल में बदलाव भी एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें तंबाकू और शराब का सेवन, फिजिकल एक्टिविटी की कमी और नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट वाली डाइट कैंसर के फैलने से तेज़ी से जुड़ी हुई है।

बढ़ती बीमारियों के बोझ से निपटने के लिए, हेल्थ और फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट, नेशनल हेल्थ मिशन के हिस्से, नेशनल प्रोग्राम फार प्रिवेंशन एंड कंट्रोल आफ नान-कम्युनिकेबल डिजीज के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सपोर्ट कर रहा है। यह पहल स्क्रीनिंग, जल्दी डायग्नोसिस और इलाज की सेव-ाओं को मजबूत करने के साथ-साथ हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और ह्यूमन रिसोर्स को बढ़ाने पर फोकस करती है। हेल्थ अधिकारियों का कहना है कि देर से पता चलने को कम करने और मरीजों के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए लोगों में जागरूकता और बचाव का तरीका जरूरी है।

हालांकि डाक्टरों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते मामलों के लिए लगातार दखल, कम्युनिटी लेवल पर स्क्रीनिंग और लाइफस्टाइल में बदलाव पर ज्यादा जोर देने की जरूरत है।

जैसे-जैसे जम्मू और कश्मीर में हर दिन लगभग चार दर्जन कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, ये आंकड़े बचाव के कदम उठाने, रिस्क फैक्टर्स पर ज्यादा रिसर्च करने और पूरे इलाके में स्पेशल केयर तक ज्यादा पहुंच की तुरंत जरूरत की याद दिलाते हैं।

योगी सरकार की आबकारी नीति से निवेश को रफ्तार, रोजगार सृजन के खुले नए आयाम

लखनऊ, 08 (एजेंसियां) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की पारदर्शी और निवेशोन्मुखी आबकारी नीति ने वर्ष 2025 में प्रदेश की राजस्व प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एथेनॉल उत्पादन और बिक्री में दर्ज हुई उल्लेखनीय वृद्धि ने न केवल औद्योगिक गतिविधियों को तेज किया है, बल्कि प्रदेश को राष्ट्रीय एथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में भी शीर्ष श्रेणी में स्थापित किया है। उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, बिक्री और निवेश प्रस्तावों में तेजी इस बात का संकेत है कि राज्य की अर्थव्यवस्था नए दौर में प्रवेश कर रही है। उत्तर प्रदेश में नवंबर 2025 तक 141.8 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। योगी आदित्यनाथ सरकार के संरचनात्मक सुधार, तकनीकी अनुकूलता और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से शराब, बीयर, वाइन व अल्कोहल आधारित उद्योगों में वृद्धि हुई है। प्रदेश में 105.25 करोड़ लीटर और प्रदेश से बाहर 40.96 करोड़ लीटर एथेनॉल बिक्री ने उत्तर प्रदेश को एथेनॉल सप्लाई का भरोसेमंद केंद्र बनाया है। उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी एथेनॉल उत्पादक प्रदेशों में स्थापित हो चुका है। इससे न केवल उद्योगों को प्रोत्साहन मिला, बल्कि ग्रामीण स्तर पर भी आर्थिक गतिविधियां तेज हुईं।उत्तर प्रदेश में अल्कोहल आधारित उद्योग के क्षेत्र में बड़े कॉरपोरेट समूहों से लेकर मध्यम सेक्टर उद्योगों तक के निवेशक यूपी में अपने परियोजनाओं को विस्तार दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि इंवेस्ट यूपी के अंतर्गत अब तक 125 समझौते साइन हुए हैं, जिसके तहत 3,07,35 करोड़ रुपए के निवेश की प्रक्रिया चल रही है। वहीं 43 रेडी-टू-लॉन्च प्रोजेक्ट हैं जिनके लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। इसके माध्यम से 6898.88 करोड़ रुपए के निवेश की प्रक्रिया चल रही है। इनवेस्ट यूपी के तहत वर्तमान में 19 प्रोजेक्ट संचालित हैं इसमें 2900 करोड़ से ज्यादा का निवेश हो चुका है। इन परियोजनाओं ने 4800 से अधिक रोजगार भी सृजित किए हैं। गैर एमओयू के तहत 28 प्रोजेक्ट संचालित हैं जिसमे 2752 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है।आबकारी क्षेत्र में निवेश प्रस्तावों से 9940 से अधिक रोजगार अवसर बनने की संभावना है। यह योगी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें औद्योगिक विकास को सीधे तौर पर रोजगार सृजन से जोड़ा गया है।

संसद में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी का भाषण प्रेरणादायी : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 08 (एजेंसियां) । संसद में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष चर्चा आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता आंदोलन में उसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी के भाषण को ऐतिहासिक और प्रेरणादायी बताया है। इसी क्रम में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने भी मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री के भाषण की सराहना करते हुए इसे 'ऐतिहासिक दस्तावेज' करार दिया, जो आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन और प्रेरणा देगा। अनुराग ठाकुर ने कहा, वंदे मातरम करोड़ों भारतीयों के लिए ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए एलर्जी बन गया है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आज की चर्चा ने साफ कर दिया कि वंदे मातरम को लेकर कौन इसके पक्ष में खड़ा है और कौन इसके खिलाफ दिखाई देता है।

अनुराग ठाकुर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अखिलेश यादव कह रहे थे कि उन्हें वंदे मातरम याद हो या न हो, लेकिन उसका संदेश याद है। इस पर उन्होंने टिप्पणी की, जब आप बच्चों से कहते हैं कि वे कोई भी गाना सुन सकते हैं, तो राष्ट्रीय गीत और फिल्मी गाने के महत्व में जमीन-आसमान का फर्क होता है। अखिलेश, कृपया थोड़ा जाग जाइए।

गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 का खिताब जीता

बताया शो करने का कारण, प्रणीत मोरे के बारे में कही बड़ी बात

गौरव खन्ना ने प्रणीत मोरे, फरहाना भट्ट, तान्या मित्तल और अरमान मलिक को पछाड़कर बिग बॉस 19 का खिताब जीत लिया है। अभिनेता टॉफी के साथ 50 लाख की प्राइज मनी भी अपने साथ लेकर गए हैं, लेकिन अब शो जीतने के बाद उन्होंने शो से जुड़े अनुभव और बाकी चारों कंटेस्टेंट को लेकर खुलकर बात की है। बिग बॉस की ट्रॉफी जीतने के बाद गौरव खन्ना काफी खुश दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि क्यों उन्होंने बिग बॉस 19 में आने का फैसला लिया है।

गौरव ने कहा कि बिग बॉस 19 में आने के दो कारण थे। पहली वजह सलमान सर से मिलना था। मुझे उनसे पहले कभी मिलने का मौका नहीं मिला था, और मैं सचमुच उनसे मिलना चाहता था। दूसरी वजह मेरे फैन थे। वे अक्सर मुझसे कहते थे कि मैं उनसे कभी व्यक्तिगत रूप से जुड़ नहीं पाता हूं। वे मुझे सिर्फ शोज में ही देखते हैं। मैं चाहता था कि वे असली गौरव खन्ना को देखें, यह जानें कि असल जिंदगी में मैं कैसा हूं और कैसा मेरा व्यवहार है।

बिग बॉस 19 की जर्नी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिग बॉस शो नहीं, मैराथन है। मैराथन में जैसे कई उतार-चढ़ाव आते हैं, कब स्पीड कम करनी है और कब ज्यादा, और आखिर में मंजिल सिर्फ क्रासिंग लाइन होती है। बिग बॉस भी मेरे लिए ऐसा ही रहा। मैंने कई टास्क किए और जीता भी, उस वक्त मेरी मेहनत को ज्यादा सराहा नहीं गया, लेकिन आखिर में ट्रॉफी मेरे नाम ही हुई। मैं खुद अपने काम का हल्ला नहीं करता हूं, मेरे काम का शोर खुद-बा-खुद हो जाता है।

फरहाना भट्ट शो की फर्स्ट रनरअप रहीं और उन्होंने टॉप टू में गौरव को बराबर की टक्कर दी। फरहाना को लेकर गौरव ने कहा कि वे अच्छा खेलीं और सबका खेलने का अपना तरीका होता है। कोई तेज गाड़ी चलाता है, तो कोई धीरे। हालांकि गौरव को प्रणीत मोरे के लिए काफी बुरा लगा, क्योंकि दोनों की दोस्ती शो में देखने को मिली थी। गौरव ने कहा कि उन्हें बुरा लगा कि प्रणीत टॉप टू में शामिल नहीं हो पाए।

गौरव ने कहा, हमने एक-दूसरे से वादा किया था कि दोनों सलमान सर के सामने खड़े होंगे, लेकिन जब उसे टॉप फाइव से निकाला गया, मेरी आंखों में आंसू थे।

फरहाना भट्ट ने बिग बॉस19 को बताया सबसे बड़ा जैकपॉट, कहा

लोग मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं

कलर्स रियलिटी शो 'बिग-बॉस-19' ग्रैंड फिनाले की ट्रॉफी अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने नाम कर ली है और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना भट्ट दूसरे नंबर पर रही हैं। शो के दौरान फराहाना को कई मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए देखा गया। वहीं, घर के दूसरे कंटेस्टेंट से लड़ाई और अपशब्द कहने पर सलमान से डांट भी पड़ी थी, लेकिन इतनी सारी लड़ाई और एक बार बिग बॉस से निकलने के बावजूद फराहाना दूसरे पायदान पर पहुंचीं। हालांकि, ट्रॉफी उनके नाम नहीं आई। बिग बॉस से बाहर निकलते ही उन्होंने बातचीत की। फरहाना ने शो को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट बताया।

उन्होने कहा, बिग-बॉस मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट है। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले कश्मीर में मैं एक आम सी लड़की थी, और मुझे कोई भी नहीं जानता था। आज लाखों लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं। ये आसमान-जमीन का फर्क है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।

फरहाना ने शो को लेकर भी कुछ बातें की। उन्होंने कहा, शो की शुरुआत में लोग मुझे विलेन बना रहे थे और एक वक्त ऐसा आया, जब मुझे खुद लगने लगा कि शायद मैं सच में बुरी हूं, लेकिन जब पता चला कि बाहर लोग मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं, तो समझ में आया कि हमारी जनता सब देखती है। वो सही-गलत की पहचान करती है। जब उनसे पूछा कि वे बाहर निकलने के बाद सबसे पहले क्या करेंगी, इस सवाल का जवाब देते हुए फरहाना ने कहा, सबसे पहले तो मैं अपनी मां के साथ समय बिताऊंगी क्योंकि मैं उन्हें बहुत मिस कर रही हूं।श्रीनगर की रहने वाली फरहाना को भले ही आज कई लोग जानते हैं, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म 'लैला मजनू' में एक छोटा सा रोल किया था। इसके बाद वे अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में भी साइड रोल में नजर आई थीं। इसके बाद भी वे फिल्म 'नोटबुक' में भी नजर आई थीं।

सोशल मीडिया रोस्टिंग को तान्या मित्तल ने बताया अपनी ताकत, सलमान खान का जताया आभार

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 की थर्ड रनरअप रहीं। शो में उनकी बातों ने फैंस को काफी एंटरटेन किया और किसी को उम्मीद नहीं थी कि तान्या मित्तल शो के टॉप फाइव कंटेस्टेंट में शामिल हो पाएंगी। अब शो से बाहर आने के बाद उन्होंने उन्हें 'फेक' कहने वालों और ट्रोल करने वालों को दो टूक जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। शो के फिनाले के बाद तान्या मित्तल ने अपनी बिग बॉस जर्नी पर बात करते हुए कहा, घर के अंदर मेरी खूब रोस्टिंग हुई और मीडिया ने मुझ पर खूब प्यार बरसाया। मैं उस दौर का अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं जहां मुझे दर्शकों का प्यार देखने को मिले, क्योंकि हम अभी-अभी घर से बाहर आए हैं। मुझे यह समझने के लिए थोड़ा समय दीजिए कि मुझे कितना प्यार मिला है। मैं इस सफर को एक सीखने का दौर कहूंगी। बिग बॉस वाकई आपको एक बेहतर इंसान बनाता है।

उन्होंने कहा कि जब मैं बिग बॉस के घर का हिस्सा बनी थी, तब मैं बहुत सीधी-साधी और चुपचाप रहने वाली संस्कारी लड़की थी और मुझे छोटी-छोटी बात पर रोना आ जाता था, लेकिन बिग बॉस में चिल्लम-चिल्ली और गाली देने वाले लोगों के बीच रही। पहले मुझे उन सब बातों से फर्क पड़ता था, लेकिन धीरे-धीरे मैंने इन बातों को नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। मैंने शो में लड़ाई भी की और कुछ लोगों से दोस्ती भी की, ये सब मुझे बिग बॉस ने सिखाया है।

बिग बॉस के बाकी कंटेस्टेंट पर बात करते हुए तान्या ने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि कोई मेरा दोस्त बना है क्योंकि हर किसी ने मेरा दिल दुखाया है। मुझे फेक कहा है, लेकिन मैं सिर्फ यही कहूंगी कि आप लोग फेक समझकर मुझ पर हंसते रहें और मैं उसे सच समझकर जीती रहूंगी।

टीवी प्रोड्यूसर एकता कपूर को लेकर तान्या ने कहा कि एकता ने कहा कि मेरा राहू बहुत अच्छा चल रहा है और जो भी फिल्में और प्रोजेक्ट मिलने वाले हैं, उन्हें मैं जरूर करूंगी। मुझे लगता है कि मेरा करियर अच्छा होने वाला है। सलमान खान को लेकर तान्या ने कहा कि अगर वे उन्हें रोस्ट नहीं करते, तो वे शो में सर्वाइव नहीं कर पाती हैं। उन्होंने मुझे नई ताकत दी। अगर ऐसा नहीं होता, तो आज भी मैं रो ही रही होती।

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत बनकर छाए अक्षय खन्ना, फराह खान ने की ऑस्कर की बात

5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' की हर तरफ तारीफ हो रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन तो कर ही रही है, लेकिन साथ ही इसका हर किरदार फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहा है। इस मल्टीस्टारर फिल्म में सबसे ज्यादा चर्चा अक्षय खन्ना के रहमान डकैत के किरदार की हो रही है। अपने किरदार में जान डालने के लिए एक्टर ने एक्सप्रेशन से लेकर शानदार डायलॉग डिलीवरी की है। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान भी अभिनेता की एक्टिंग देखकर हैरान हैं। फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान ने अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ की है और उन्हें ऑस्कर से सम्मानित करने की बात कही है। फराह खान ने इंस्टास्टोरी पर वीडियो पोस्ट की, जिसमें एक तरफ अक्षय खन्ना रहमान डकैत बने दिख रहे हैं और दूसरी तरफ अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी करते दिख रहे हैं। यह सीन फिल्म 'तीस मार खान' का है। वीडियो को पोस्ट कर फराह खान ने लिखा, अक्षय खन्ना,

आप सच में ऑस्कर डिजर्व करते हैं।

सोशल मीडिया पर भी अक्षय खन्ना की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। उनके आंखों के एक्सप्रेशन बेचैनी पैदा करते हैं और हत्या के जिस सीन को उन्होंने किया है, उससे सिहरन पैदा होती है। अभिनेता ने किरदार में इतनी नेगेटिव ऊर्जा डाल दी कि मानो रहमान डकैत दहशत लेकर दोबारा पैदा हो गया हो।

दर्शकों को उनका किरदार इसलिए भी पसंद आया क्योंकि उन्हें अभी तक कॉमेडी के हल्के-फुल्के अंदाज में फिल्मों में देखा गया था, लेकिन फिल्म 'धुरंधर' में उनका नया ही रूप देखने को मिला है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ हो रही है।

फिल्म में उनके किरदार को दमदार बनाने के लिए एक अरबी गाना भी फिल्माया गया, जिसमें वे आंखों में दहशत लिए मस्ती भरे अंदाज में डांस कर रहे हैं। इस गाने की तुलना एनिमल के 'जमाल कुडू' सॉन्ग से की जा रही है। इन दोनों ही गानों ने विलेन की एंट्री को धांसू बनाया है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के गीत में कार्तिक आर्यन ने श्रुति पाठक से की खास डिमांड

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का दौर एक बार फिर लौटता दिख रहा है। इसी माहौल को फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का नया गाना 'हम दोनों' और खास बनाने आ रहा है। इस गाने को प्लेबैक सिंगर श्रुति पाठक ने गाया है। उन्होंने गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान अभिनेता कार्तिक आर्यन से हुई छोटी-सी मुलाकात को याद किया। श्रुति पाठक ने कहा, 'हम दोनों' एक ऐसा गाना है जो ताजगी से भरा है और युवाओं के दिल के करीब रहेगा। यह गाना कपल्स के लिए एकदम सही है। गाने की धुन और अंदाज दोनों मिलकर इसे खास बनाते हैं। इसकी सरलता और मॉडर्न टच इसे लंबे समय तक यादगार बनाएगी। गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान कार्तिक आर्यन से मुलाकात के किस्से को साझा करते हुए श्रुति ने बताया कि कार्तिक रिकॉर्डिंग में काफी दिलचस्पी ले रहे थे और गीत को लेकर बेहद उत्साहित थे।

उन्होंने कहा, ''कार्तिक और अनन्या पांडे दोनों ही गाने और टीजर में शानदार लग रहे हैं। यह फिल्म और इसका संगीत बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों का एक नया दौर शुरू कर सकता है।''श्रुति पाठक ने बताया कि कार्तिक ने उनसे अकॉस्टिक वर्जन की भी डिमांड की थी, इससे उनकी म्यूजिक में रुचि का अंदाजा लगता है।श्रुति पाठक ने गीतकार अनविता दत्त की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''अनविता ने इस गीत के बोल बेहद खूबसूरती से लिखे हैं। वह एक प्रतिभाशाली लेखिका और निर्देशक हैं। मैं उनके काम की हमेशा से प्रशंसक रही हूं। मुझे खुशी है कि आखिरकार मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने इस गाने की भावनाओं और कहानी को सटीक तरीके से शब्दों में पिरोया है।'''हम दोनों' में संगीत विशाल-शेखर की जोड़ी ने दिया है। श्रुति ने कहा, ये जोड़ी बॉलीवुड में कूल और ट्रेंडी संगीत का चेहरा है और हर बार कलाकारों से बेहतरीन काम निकलवाते हैं।

सिंहावलोकन 2025 : टीवी और सिनेमा के वो स्टार जिन्हें निगल गया कैंसर, कुछ ने छोटी उम्र में कहा अलविदा

साल 2025 भारतीय मनोरंजन जगत को भावनात्मक रूप से झकझोर रख देने वाला रहा। इस साल कुछ ऐसे बड़े कलाकारों ने दुनिया को अलविदा कहा, जिनके खालीपन को भर पाना नामुमकिन है। साल 2025 के अंत में हम उन टीवी और सिनेमा के कलाकारों के बारे में बात करेंगे, जिनका निधन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की वजह से हुआ। तमिल के अनुभवी और बड़े कलाकारों में शामिल सुपर गुड सुब्रमणि की कैंसर की वजह से मौत हुई थी। अप्रैल 2025 में अभिनेता को कैंसर का पता चला और ठीक एक महीने बाद, 10 मई, 2025 को उनका निधन हो गया। उन्होंने 'सरपट्टा परंबराई', 'पेरीयेरुम पेरुमल', 'महाराज', और 'पिसासु' जैसी फिल्मों में काम किया।

टीवी के मशहूर एक्टर्स में शामिल विभु राघवे ने बहुत कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। एक्टर का निधन 2 जून, 2025 को हुआ। वे स्टेज-4 कोलन कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) से जूझ रहे थे और काफी समय से अपना इलाज भी करा रहे थे, लेकिन इसी साल जून के महीने में उन्होंने आखिरी सांस ली। अभिनेता का निधन 37 साल की उम्र में हुआ था।

हिंदी और मराठी टीवी सीरियल की जान रहीं प्रिया मराठे भी कम उम्र में कैंसर से जंग हार गईं और 31 अगस्त, 2025 को उनका निधन हो गया। प्रिया 'पवित्र रिश्ता', 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कसम से', और 'उतरन' जैसे टीवी सीरियल में नजर आई थीं। उन्होंने कई मराठी सीरियल में भी काम किया। अभिनेत्री का निधन 38 साल की उम्र में हो गया था। रामानंद सागर के बेटे और प्रोड्यूसर प्रेम सागर का निधन भी कैंसर की वजह से ही हुआ था। वे कैंसर की वजह से ही लंबे समय से बीमार चल रहे थे और 81 साल की उम्र में निर्माता ने 31 अगस्त 2025 को दुनिया को अलविदा कह दिया है।

छोटे पर्दे पर महाभारत में कर्ण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता पंकज धीर का निधन कैंसर की वजह से हुआ था। पहले उन्होंने कैंसर की बीमारी से निजात पा लिया था, लेकिन फिर बाद में दोबारा कैंसर के लक्षण दिखने के बाद वे बहुत बीमार हुए और 15 अक्टूबर, 2025 को उन्होंने आखिरी सांस ली। अभिनेता ने हिंदी सिनेमा की कई मशहूर फिल्मों में काम किया।

सफला एकादशी 15 को

जानें सही पूजा विधि और महत्व

पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बहुत उत्तम और पुण्यकारी माना जाता है। इस व्रत को करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने का महत्व होता है और साथ ही पवित्र नदी में स्नान भी किया जाता है। सफला एकादशी पर व्रत और विधि-विधान से पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं सफला एकादशी की तिथि, पूजा विधि और इसका महत्व...

पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 14 दिसंबर, रविवार के दिन शाम को 6 बजकर 50 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन 15 दिसंबर को रात के 9 बजकर 21 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में उदय तिथि के नियमानुसार सफला एकादशी का व्रत 15 दिसंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन सुबह और शाम विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।

सफला एकादशी पूजा विधि

एकादशी तिथि के दिन व्रत रखने वाले जातकों को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठ जाना चाहिए। इसके बाद घर और मंदिर की साफ-सफाई करने के बाद स्नानादि करें व साफ वस्त्र धारण करें। फिर, विष्णुजी के मंत्र सहित ध्यान करके व्रत का संकल्प जरूर लेना चाहिए। अब अपने पूजा घर में एक चौकी पर लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछाएं। इसके बाद, मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करें और चौकी पर भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें। अब पूजा के लिए घट स्थापना करने के बाद देसी घी का दीपक प्रज्वलित करें और भगवान को फूल-माला, तुलसी दल जरूर चढ़ाएं। फिर, धूप-दीप के साथ भगवान की आरती करें और विष्णु सहस्रनाम व कनक स्तोत्र का पाठ करें। साथ ही, दिन व्रत कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। पूजा के बाद माता लक्ष्मी और विष्णुजी को दूध से बनी चीजें जैसे खीर का भोग लगाएं। व्रती को सफला एकादशी के दिन शाम के समय भी विधि-विधान से पूजा-आरती करनी चाहिए। इसके बाद तुलसी की पूजा करें और जरूरतमंदों को अपने सामर्थ्य अनुसार दान करें।

सफला एकादशी का महत्व

ऐसी मान्यता है कि साल की इस एकादशी का व्रत करने से व्रती को हर काम में सफलता प्राप्त होती है। सफला एकादशी के दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, इससे जातक को मोक्ष मिल सकता है। धार्मिक मान्यताओं और शास्त्रों के अनुसार सभी व्रतों में एकादशी के व्रत को सबसे उत्तम और पुण्यकारी माना गया है। कहा जाता है कि पांच हजार वर्ष तक तप करने के समान फल सफला एकादशी का व्रत करने से प्राप्त होता है। साथ ही, व्रती को भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

सपने में इन चीजों का दिखना होता है बेहद शुभ

सपनों का हमारे जीवन में खास महत्व होता है। अकसर लोग रात को सोते समय कई तरह की चीजें देखते है। कुछ सपने अच्छे होते है तो कुछ डरावने भी होते है। कई बार ऐसा होता है कि एक ही सपना आपको बार-बार आपको दिखता है। नींद में दिखाई देने वाले सपने सिर्फ कल्पना नहीं होते । स्वप्न शास्त्र में इन सपनों को भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत माना जाता है। कई बार ये सपने अच्छे भविष्य की तरफ इशारा करते हैं, जबकि कुछ आने वाली मुसीबतों का संकेत देते हैं।

सपने में पानी, नदी देखना

सपने में पानी, नदी या झरना देखना शुभ माना जाता है। अगर सपने में साफ और बहता हुआ पानी दिखाई दे तो यह धन मिलने का संकेत माना जाता है। ये सपना बताता है कि आपके जीवन की परेशानियां कब खत्म होने वाली है। जबकि सपने में गंदा पानी जीवन में आने वाली चुनौतियों की तरफ इशारा करता है।

सपने में फूल दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में फूल या फूलों का बगीचा दिखाई देना बहुत शुभ माना जाता है। ये आने वाले अच्छे भविष्य का संकेत देता है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार का सपना जीवन में किसी बड़ी खुशखबरी की ओर इशारा करता है। सपने में कमल का फूल देखना धन लाभ का संकेत होता है।

सपने में सोना-चांदी देखना

सपने में सोने या चांदी के आभूषण दिखना भी बेहद शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यह भविष्य में आने वाले आर्थिक लाभ का संकेत माना जाता है। सपने में सोना खरीदते हुए नजर आना बताता है कि आपको जल्द ही धन प्राप्ति, नई नौकरी या प्रमोशन मिलने की संभावना है।

सपने में मंदिर, भगवान के दर्शन करना

कई बार सपनों में मंदिर या भगवान के दर्शन होते हैं। स्वप्न शास्त्र में इसे बेहद आध्यात्मिक माना जाता है। यह जीवन में चल रही परेशानियों के खत्म होने का संकेत देता है। माना जाता है कि ऐसे सपनों के बाद जीवन में परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। ऐसा सपना आने वाले समय में इच्छाओं की पूर्ति का प्रतीक भी माना जाता

सपने में सांप को देखना

सपने में सांप को देखना शुभ और अशुभ दोनों हो सकता है। ज्योतिष के अनुसार यह सपना धन वृद्धि का सूचक होता है। सपने में सफेद सांप का दिखना बड़े आर्थिक अवसर की ओर इशारा करता है। इसके अलावा, सांप का पीछा करना समस्याओं का प्रतीक माना जाता है।

सूर्य-बुध-शुक्र की युति से बन रहा त्रिग्रह योग में निम्न राशियों को होगा धन लाभ

सूर्य, बुध और शुक्र की युति 9 दिसंबर 2025, मंगलवार को होने जा रही है। इस शुभ संयोग से त्रिग्रह योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में तीन ग्रहों के एक ही राशि में आने को बेहद शक्तिशाली और शुभ योग माना जाता है। इन तीनों ग्रहों की स्थिति व्यक्ति को मान-सम्मान, प्रतिष्ठा और धन लाभ के अवसर देती है। इस योग का सीधा प्रभाव सभी राशि के लोगों के करियर और व्यापार पड़ता है। हालांकि कुछ राशियों को इससे अत्यधिक लाभ मिलेगा, जबकि कुछ को सावधानी बरतने की जरूरत है।

मेष –मेष राशि के लोगों को आज के दिन दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखना होगा। अपने करीबी लोगों की भावनाओं का सम्मान करें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें। ऐसा करने से आपको आत्म संतोष होगा। कभी-कभी दूसरों की बात सुनना फायदेमंद रह सकता है। दुकान या कार्यक्षेत्र में कोई समस्या हो सकती है। टीमवर्क के जरिए समस्या का हल निकालेंगे तो सफलता मिलेगी।

वृष –आपकी राशि का स्वामी शुक्र षष्ठम घर में है। चतुर्थ भाव में केतु पराक्रम भाव को शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है। इससे आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत हो सकता है। घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन –द्वितीय भाव में चंद्रमा और राशि से द्वितीय भाव में कर्क राशि का बृहस्पति आज आपके लिए शुभ रहने वाले हैं। राज्य से मान-सम्मान प्राप्त होगा। व्यापार के भागीदारों के साथ से लाभ मिलेगा। पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। इस दौरान भाग्य का साथ मिलेगा और कर्ज में कमी आएगी।

कर्क –आपकी राशि पर कर्क का बृहस्पति तथा कर्क का ही भाव में चन्द्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थिरता आएगी। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है। रात्रि का समय मंगलमय उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा।

सिंह –आज आपकी राशि पर द्वादश प्रमुख पराक्रम भाव में चन्द्रमा तथा अष्टम भाव में शनि आ जाएंगे। इसके फलस्वरूप आज आपको आपके कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फाइनल हो सकता है।

कन्या –आपकी राशि से एकादश भाव चंद्रमा संचार कर रहा है। शनि आज सप्तम भाव में है इससे इष्ट मित्रों से बेवजह का विवाद हो सकता है। अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात् कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी व अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं।

तुला –आज का दिन आपके लिए महापुरुषों से मुलाकात का रहने वाला है। अचानक आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में वैधानिक और तकनीकी पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक विचार करने के उपरान्त ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा।

वृश्चिक –आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

धनु –आज का दिन मिश्रित रहने वाला है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। सायंकाल का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

मकर –आज आपकी राशि से सप्तम का चंद्रमा पास व दूर की यात्रा का कारक है। बहन-भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

कुंभ –राशि का स्वामी शनि द्वितीय मीन राशि में राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंदी आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

मीन –आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे, जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति मार्गी चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

सूर्य गोचर धनु राशि में, मेष, सिंह सहित अन्य राशियों की बदलेंगी किस्मत

सूर्य का गोचर धनु राशि में 16 दिसंबर, मंगलवार को होगा। सूर्य ग्रह को सुख, ऐश्वर्य, आत्मविश्वास, सामाजिक प्रतिष्ठा और अधिकार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस गोचर से कई राशियों के सुखों और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। इस अवधि के दौरान मेष, सिंह सहित 5 राशियों को भरपूर लाभ मिलेगा। व्यवसाय में लाभ के सुनहरे अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी और प्रमोशन होने के भी शुभ योग बनते जाएंगे। वहीं, इस गोचर के दौरान धनु राशि में मंगल और सूर्य की युति से आदित्य मंगल योग का अनुपम संयोग भी बन रहा है। जिससे कुछ राशियों की किस्मत पलट सकती है और उनका जीवन धन, ऐश्वर्य और प्रसन्नता से भर सकता है।

मेष राशि : आर्थिक लाभ मिलेगा

सूर्य गोचर मेष राशि के जातकों के नौवें भाव में होगा। इस अवधि के दौरान आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी और दांपत्य जीवन भी मधुर रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में सभी जरूरी काम समय पर पूरे होंगे। रचनात्मक विचारों और कल्पनाओं से भविष्य में लाभ कमा सकते हैं। इस गोचर से आपकी आध्यात्मिक रुचि में वृद्धि होने के संकेत हैं। आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति स्थिर बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ चल रहा तनाव समाप्त होगा और दोनों के बीच प्रेम और तालमेल में वृद्धि होगी।

सिंह राशि : कमाएंगे भरपूर लाभ

सूर्य का गोचर सिंह राशि के पंचम भाव में होगा। यह गोचर आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके नेतृत्व की क्षमता में वृद्धि होगी और अपनी सूझबूझ से हर परेशानी का आसानी से हल ढूंढ लेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में रचनात्मक कार्यों से लाभ कमाएंगे और आर्थिक मामलों में भी धन लाभ के योग बनेंगे। पुराने समय में किए निवेशों से भी आपको मुनाफा होगा और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। परिवार का माहौल सुखद बना रहेगा और संतान की ओर से भी आपको सुख की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या राशि : सुखों में होगी वृद्धि

सूर्य गोचर कन्या राशि के चौथे भाव में होगा। इस गोचर के दौरान आपके सुखों में वृद्धि होगी और किस्मत पलटी मार सकती है। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे और खूब लाभ कमाएंगे। नौकरी करने वालों को अपने सहकर्मियों से लाभ प्राप्त होगा। विदेश संबंधों से लाभ होगा और इस क्षेत्र में काम करने वालों को भरपूर फायदा मिलने के संकेत हैं। जिससे मानसिक शांति महसूस करेंगे और परिवार में माता की ओर से आपको पूरा सहयोग व स्नेह प्राप्त होगा। प्रिजयनों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। वाहन खरीदने का विचार भी बना सकते हैं।

धनु राशि : प्रमोशन मिलने के योग

सूर्य का गोचर धनु राशि के प्रथम भाव में होगा। इससे आपको अपने कार्य कौशल से भरपूर लाभ मिलेगा और व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। नेतृत्व की क्षमा में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिल सकता है और आय में वृद्धि होने के भी संयोग हैं जिससे बैंक बैलेंस बढ़ेगा। व्यापार करने वालों को नई योजनाओं और कार्यों से अच्छा लाभ मिलेगा और आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी।

कुंभ राशि : रोजगार के क्षेत्र में मिलेगी तरक्की

सूर्य गोचर कुंभ राशि के ग्यारहवें में भाव में होगा। इस अवधि के दौरान रोजगार के क्षेत्र में भरपूर लाभ कमाएंगे। नौकरी करने वालों की सराहना की जाएगी और आप अपने कार्य कौशल से भी लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी मेहनत रंग लाएगी और प्रयासों से तरक्की मिलने के संकेत हैं। आय में वृद्धि होने की संभावना है और व्यापार के क्षेत्र में नए संपर्कों से लाभ होगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा और भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

जब आप यात्रा करते हैं, तो जानें कैसे आपकी किस्मत भी उस रेल, हवाईजहाज या वाहन से जुड़ जाती है

कल्पना कीजिए कि आप किसी तेज गति से चलने वाली रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हैं। जिस डिब्बे में आप बैठे हैं, उसी के साथ-साथ आपका भाग्य भी उसी ट्रेन से जुड़ जाता है। ट्रेन का हर झटका, हर मोड़, अचानक रुकना या तेज होना, उसके प्रभाव से आप बच नहीं सकते। यदि ट्रेन को किसी घटना का आघात सहना पड़े, तो उस प्रभाव को आप भी अवश्य झेलेंगे। स्पष्ट है कि यात्रियों का भाग्य उस रेलगाड़ी से अभिन्न रूप से जुड़ा होता है।

इसी प्रकार आप पृथ्वी पर हैं, पृथ्वी का जो भाग्य है, वह निश्चित है। पृथ्वी पर पड़ने वाली सर्दी, गर्मी, धूप, लू, तूफान, वर्षा, मौसम परिवर्तन, ज्वालामुखी, भूकम्प, आप इन सबमें से किसी से अपना भाग्य नहीं छुड़ा सकते। पृथ्वी जिस-जिस परिस्थिति से गुजरती है, उन्हीं परिस्थितियों का प्रभाव उसके प्रत्येक जीव पर पड़ता है। प्राकृतिक घटनाओं से कोई भी जीव स्वयं को अलग नहीं कर सकता। तो यह कहा जा सकता है कि इसके प्रत्येक भाग्य क्षण का प्रभाव आपसे जुड़ा हुआ है।

अब यदि आप किसी रॉकेट पर बैठकर मंगल पर चले जाएें, तो आपका भाग्य मंगल ग्रह से जुड़ जाएगा और मंगल ग्रह की सभी स्थितियों को आपको सहना होगा। भारतीय ज्योतिष इसी ब्रह्मांडीय व्यवस्था को समझने का विज्ञान है, जहां सौरमंडल में स्थित प्रत्येक जीव की अवस्था को ग्रहों, कक्षाओं, गति, ऊर्जा, तरंगों और चुम्बकीय धाराओं के संदर्भ में गणना करके देखा जाता है।

मान लीजिए समुद्र की उठती-गिरती लहरों में जीव-जन्तु बह रहे हों। जिस लहर पर वे स्थित हैं, उनका भाग्य उसी लहर से बंधा है। लहर उठेगी तो वे ऊपर उठेंगे, लहर गिरेगी तो वे गिरेंगे और यदि वह लहर किसी चट्टान से टकराएगी तो उसका प्रभाव उन जीव-जन्तुओं पर भी पड़ेगा। हम भी इसी प्रकार सौर मंडल नामक 'ब्रह्मांडीय समुद्र' की एक लहर पर बह रहे हैं, यानी हम इस सौर-मंडल में समुद्र की लहरों में फंसे जीव की भाँति हैं। ग्रहों की गतियों से उत्पन्न होने वाली चुम्बकीय एवं विद्युत् तरंगें, सूर्य की ऊर्जा, नक्षत्रों का प्रभाव, इन सभी से हम पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकते। उनकी सूक्ष्म धाराएं अनजाने में हमारे शरीर, मन और जीवन, परिस्थितियों में परिवर्तन लाती रहती हैं।

प्रेम और विवाह की सफलता का रहस्य, हथेली का शुक्र पर्वत और जन्म कुंडली का शुक्र ग्रह

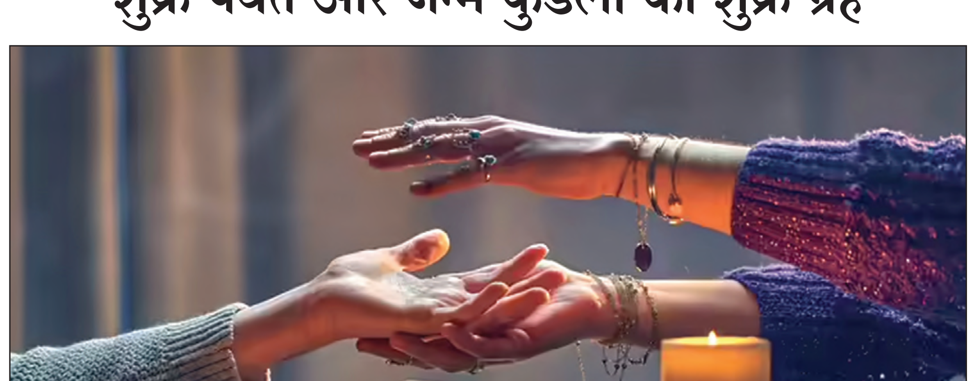

अंगूठे के दूसरे पौरुए के नीचे तथा आयु-रेखा से जो घिरा हुआ स्थान होता है उसे हस्तरेखा विशेषज्ञ शुक्र पर्वत कहते हैं। यूनान में शुक्र को सुन्दरता की देवी कहा गया है। शक्र पर्वत का उभार व्यक्ति को तेजस्वी और लावण्यमान बना देता है। इसके चेहरे में कुछ ऐसा आकर्षण होता है, जिसकी वजह से लोग उसकी ओर आकृष्ट रहते हैं। शुक्र प्रधान व्यक्तियों का सुन्दर एवं कलात्मक वस्तुओं के प्रति रुझान स्वाभाविक ही होता है।

जिसके हाथ में शुक्र पर्वत श्रेष्ठ स्तर का होता है वह व्यक्ति सुन्दर और सम्पन्न होता है।

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में शुक्र पर्वत कम विकसित हो तो उसमें आकर्षण आदि की कमी होती है।

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार जिन लोगों के हाथों में शुक्र पर्वत जरूरत से ज्यादा विकसित होता है, वे व्यक्ति भोग-विलास के प्रति आकर्षित जल्दी हो जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र में भी शुक्र ग्रह को ऐश्वर्य, भोग-विलास, सम्पन्नता का प्रतीक माना गया है।

यदि किसी के हाथ में शुक्र पर्वत का अभाव होता है, तो वह व्यक्ति साधु-सन्यासी की तरह जीवन-यापन करता है, गृहस्थ जीवन में उसकी रुचि नहीं के बराबर होती है।

यदि शुक्र पर्वत का विकास पूरी तरह से हुआ हो, लेकिन व्यक्ति की मस्तिष्क रेखा सन्तुलित न हो, तो वह व्यक्ति प्रायः प्रेम के क्षेत्र में असफलता और बदनामी प्राप्त करता है।

यदि हथेली चिकनी एवं मुलायम हो तथा उस पर शुक्र पर्वत पूर्णतः विकसित हो तो ऐसे व्यक्ति एक सफल प्रेमी तथा उत्कृष्ट कोटि के कवि होते हैं।

शुक्र पर्वत की अनुपस्थिति व्यक्ति के जीवन में दुख तथा परेशानियां भर देती है, निर्बल शुक्र जन्मपत्री में भी होने पर ऐसे लोगों का दांपत्य जीवन अपूर्ण एवं कष्टमय होता है। यदि शुक्र पर्वत सामान्य रूप से विकसित हो तो वह व्यक्ति सुन्दर एवं संवेदनशील होता है।

यदि शुक्र पर्वत मंगल की ओर झुका हुआ हो तो वह प्रेम के क्षेत्र में कठोर प्रवृत्ति का हो जाता है।

शुक्र प्रधान व्यक्तियों के जीवन में मित्रों की संख्या बहुत अधिक होती है तथा ये अपने जीवन में प्रेम और सौन्दर्य को महत्वपूर्ण स्थान देते हैं।

संपादकीय

'इंडिगो' का बंधक देश

कैसा देश है यह? इसकी सरकार और व्यवस्था कैसी है? क्या एक विमानन कंपनी की मनमर्जी के सामने सरकार घुटने टेक सकती है और आम यात्री बंधक बनाया जा सकता है? विमानन कंपनी 'इंडिगो' की 800 से ज्यादा उड़ानें शनिवार को भी रद्द की गई। प्रधानमंत्री दफ्तर ने कंपनी के सीईओ से बात की और चेतावनी दी। नागरिक विमानन मंत्रालय ने 'इंडिगो' के आला अधिकारियों के साथ बैठक की और नोटिस जारी किया कि रविवार, 7 दिसंबर, की रात 8 बजे तक प्रभावित यात्रियों को उनका किराया रिफंड सुनिश्चित किया जाए। हम देखेंगे कि इस अल्टीमेटम का क्या असर हुआ? संसदीय समिति भी गुस्से में थी। उसने मंत्रालय, डीजीसीए और 'इंडिगो' के अधिकारियों को तलब किया। क्या हुआ? ये तमाम सक्रियताएं तब सामने आईं, जब बीते 4 दिनों में 'इंडिगो' ने 2694 फ्लाइट रद्द की थीं, नतीजतन 4 लाख 83,600 से अधिक यात्री बेहाल, परेशान और हलकान हुए थे। यह कैसा तमाशा था? कोई हवाई अड्डे पर ही पसर गया, किसी को खाने-पीने का सामान नहीं मिला, किसी का सामान कहीं का कहीं चला गया। घोर अनिश्चितता, अराजकता...! फिर भी 'इंडिगो' को दंडित नहीं किया गया। आखिर क्यों? सरकार बेबस क्यों दिख रही है? लोकतंत्र में सरकार ही जवाबदेह है, क्योंकि देश ने उसे चुना है। 'इंडिगो' पर कम से कम 500 करोड़ रुपए का जुर्माना थोपना चाहिए था और वह राशि प्रभावित यात्रियों के खातों में जमा कराई जानी चाहिए थी। विमानन कंपनियां देश में मुनाफाखोरी के लिए ही नहीं हैं। वे हवाई सेवा प्रदान करने के लिए हैं और सरकार ने उन सेवाओं के किराए तय कर रखे हैं। यह कौन-सी कालाबाजारी है कि 'इंडिगो' की उड़ानें रद्द हुईं और अन्य एयरलाइंस ने कई गुना किराए बढ़ा दिए? कोई सरकार, मंत्रालय, अंकुश, कायदे-कानून इस देश में है अथवा नहीं? 'इंडिगो' ने 2024-25 में 7258 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है, तो इस देश के यात्रियों से ही कमाया है। फिर वही विमानन एयरलाइन देश के यात्रियों को ही 'बंधक' कैसे बना सकती है? ऐसी कंपनी को 'अभयदान' क्यों दिया जा रहा है? सरकार किससे डर रही है? जांच पर भरोसा कैसे किया जा सकता है? किसी के घर में शादी थी, किसी को इंटरव्यू देने जाना था, किसी की बिजनेस बैठक थी, किसी को वीजा लेने जाना था और किसी के घर में बूढ़े मां-बाप बीमार थे अथवा मातम पसर गया था, 'इंडिगो' की मनमर्जी ने सब कुछ खत्म कर दिया। सब कुछ बिखर गया। पैसा बर्बाद, लगातार आंसू, रुदन, आम यात्री और क्या कर सकता है? क्या एक एयरलाइन को इस हद तक 'खलनायक' बनने की छूट दी जा सकती है? विमानन के क्षेत्र में 'इंडिगो' की हिस्सेदारी 62 फीसदी से भी अधिक क्यों होने दी गई? सरकारी पार्टी को करोड़ों रुपए का चुनावी चंदा और बाजार पर एकाधिकार का लाइसेंस...! क्या देश में एयरलाइंस ऐसे ही काम करती रहेंगी? क्या यात्रियों को उड़ान भरने के सपने बेच कर और फिर बंधक बना कर देश 'विकसित' बन सकता है? ट्रिलियन डॉलर के मामले में भारत विकसित देश, बेशक, बन सकता है, लेकिन मानसिक, सामाजिक, सुविधा और पेशेवर दृष्टि से भारत 'अविकसित' देश ही रहेगा। चीन और अमरीका के उदाहरण सभी के सामने हैं। चीन की शीर्ष तीन विमानन कंपनियों की कुल हिस्सेदारी 60 फीसदी से कम है। अमरीका में शीर्ष 4 कंपनियों की हिस्सेदारी करीब 75 फीसदी है। किसी अकेली कंपनी की हिस्सेदारी 25 फीसदी को नहीं लांघती। विमानन की दृष्टि से ये देश, भारत की अपेक्षा, अधिक विकसित हैं। उनकी उड़ानों की संख्या भी अधिक है। 'इंडिगो' के सीईओ अब भी कह रहे हैं कि सामान्य उड़ानों के लिए कमोबेश 10 दिन चाहिए, लेकिन सरकार तुरंत सामान्य हालात का दबाव दे रहे हैं। दरअसल बुनियादी कारण पायलटों की भर्ती और अन्य नियम हैं, जो डीजीसीए ने जारी किए थे और 'इंडिगो' को पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन 'इंडिगो' ने नियम स्वीकार नहीं किए। डीजीसीए को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। देश जानना चाहता है कि ऐसा क्यों किया गया? इसी सवाल में 'इंडिगो' की मनमर्जी छिपी है। दरअसल 'इंडिगो' का एकाधिकार तोड़ना चाहिए। यह विकसित देश की निशानी नहीं है। भारत को अमरीका और चीन से सीख लेते हुए इस कंपनी का एकाधिकार खत्म करना चाहिए और जिन यात्रियों को तकलीफ हुई है, उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिलाना चाहिए। इस कंपनी पर आर्थिक दंड भी लगाया जा सकता है, क्योंकि यह कंपनी भारतीय यात्रियों से ही बड़ी कमाई करती है। इस मामले में सरकार को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

> विमानन कंपनी 'इंडिगो' की 800 से ज्यादा उड़ानें शनिवार को भी रद्द की गईं। प्रधानमंत्री दफ्तर ने कंपनी के सीईओ से बात की और चेतावनी दी। नागरिक विमानन मंत्रालय ने 'इंडिगो' के आला अधिकारियों के साथ बैठक की और नोटिस जारी किया कि रविवार, 7 दिसंबर, की रात 8 बजे तक प्रभावित यात्रियों को उनका किराया रिफंड सुनिश्चित किया जाए। हम देखेंगे कि इस अल्टीमेटम का क्या असर हुआ? संसदीय समिति भी गुस्से में थी। उसने मंत्रालय, डीजीसीए और 'इंडिगो' के अधिकारियों को तलब किया। क्या हुआ? ये तमाम सक्रियताएं तब सामने आईं, जब बीते 4 दिनों में 'इंडिगो' ने 2694 फ्लाइट रद्द की थीं, नतीजतन 4 लाख 83,600 से अधिक यात्री बेहाल, परेशान और हलकान हुए थे। यह कैसा तमाशा था? कोई हवाई अड्डे पर ही पसर गया, किसी को खाने-पीने का सामान नहीं मिला, किसी का सामान कहीं का कहीं चला गया। घोर अनिश्चितता, अराजकता...! फिर भी 'इंडिगो' को दंडित नहीं किया गया। आखिर क्यों? सरकार बेबस क्यों दिख रही है? लोकतंत्र में सरकार ही जवाबदेह है, क्योंकि देश ने उसे चुना है। 'इंडिगो' पर कम से कम 500 करोड़ रुपए का जुर्माना थोपना चाहिए था और वह राशि प्रभावित यात्रियों के खातों में जमा कराई जानी चाहिए थी। विमानन कंपनियां देश में मुनाफाखोरी के लिए ही नहीं हैं। वे हवाई सेवा प्रदान करने के लिए हैं और सरकार ने उन सेवाओं के किराए तय कर रखे हैं।

कुछ अलग

लगन से कामयाबी

एक बार एक युवक ने आइंस्टीन से कहा, 'लोग आपको महान कहते हैं और आपकी पूरी दुनिया में प्रसिद्धि है। कृपा कर बताइए, महान बनने का मंत्र क्या है?' आइंस्टीन ने संक्षेप में कहा, 'लगन।' युवक ने पूछा, 'कैसे?' आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'गणित से मुझे बहुत भय लगता था। मैं अक्सर इस विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता था और सहपाठी मेरा उपहास करते थे। एक दिन मैंने आत्ममंथन किया और लगन के साथ गणित के सवाल हल करने शुरू किए। धीरे-धीरे सभी सवाल सरल होने लगे और मेरा डर दूर हो गया। लगन का ही परिणाम है कि मेरे सिद्धांत आज भी दुनिया में उपयोग हो रहे हैं, और विज्ञान के क्षेत्र में मैंने सफलता प्राप्त की। इसलिए, लगन ही महानता का सबसे बड़ा मंत्र है।' यह सुनकर वह युवक आइंस्टीन का आभार व्यक्त कर वहां से चला गया।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही

बदलती दुनिया में भारत–रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

> भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत–रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत–रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश–स्रोत है और भारत–रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा–भू–राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं। इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है। भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक

उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा। फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है। सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा। भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला। 2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है।

देश दुनिया से

जटिल दस्तावेजी प्रक्रिया से मुक्त हो एसआईआर

ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग जिस ढंग से मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण करवा रहा है, उसमें जरूरी नहीं सब कुछ ठीक हो। असल में, जैसा कि पश्चिम बंगाल से आई खबरों से पता चलता है, इससे आम लोगों के साथ-साथ बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) में भी बहुत तनाव और चिंता पैदा हो रही है। काम के अत्यधिक दबाव की वजह से चार बीएलओ द्वारा आत्महत्या कर लेना सच में चिंता की बात है, लेकिन यह भी उतना ही ज़रूरी है कि आम नागरिक या शांति से रहने वाले लोग इस बात को लेकर बहुत परेशान हैं कि उन्हें किस तरह के दस्तावेज़ दिखाने होंगे ताकि उनका नाम संशोधित सूची से कटने न पाए। जैसा कि विरोधी पार्टियां आरोप लगा रही हैं, इस डर से अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। क्या ऐसा है कि विशेष सघन पुनरीक्षण कानून के ज़रिए सरकार हमसे यह साबित करने के लिए कह रही है कि हम भारतीय हैं, हमारे माता-पिता भारतीय हैं, और हम गैर-कानूनी अप्रवासी नहीं हैं? और खासकर पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में, यह अभियान एक नया रूप धर चुका है। सोचिए यह मानसिक व्यग्रता कितनी संक्रामक है। हालांकि मैं दिल्ली में रहता हूं, फिर भी मैंने अपने सारे दस्तावेज़ सही क्रम से रखने शुरू कर दिए हैं: वो दस्तावेज जो यह साबित कर सकें कि मैं भारत में ही पैदा हुआ हूं, मेरे माता-पिता भारतीय थे, और मेरा नाम 2002 की वोटर लिस्ट में था। मेरे पिता एक सरकारी ऑफिसर थे। तीन दशक से ज़्यादा समय तक, मैंने एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाया। मुझे आज भी वह दिन याद है जब मैं आधार कार्ड बनवाने के लिए तमाम प्रमाणत्रों से (जैसे कि अपने घर का पता, जन्म तिथि और पिता के नाम) संबंधित अधिकारियों को संतुष्ट करने के बाद अपना आधार कार्ड बनवाने के लिए लंबी पंक्ति में खड़ा हुआ था। मेरा पैन कार्ड और आधार लिंक हैं। मैं नियमित रूप से आयकर भरता हूं। मेरे पास मेरा पासपोर्ट है। फिर भी, मैं गहरी चिंता से मुक्त नहीं हूं। कौन जानता है कि कल को सरकार मुझसे भी कह दे कि ये दस्तावेज़ काफी नहीं हैं? कल्पना कीजिये आधार की नियति के बारे में। यह हर जगह जरूरी है - बैंकों में, हवाई अड्डे में, स्कूलों में, अस्पतालों में और यहां तक कि श्मशान घाटों में भी। लेकिन अब हमें बताया गया कि आधार कार्ड नागरिकता का सुबूत नहीं है। और हमें यह भी बताया जाता

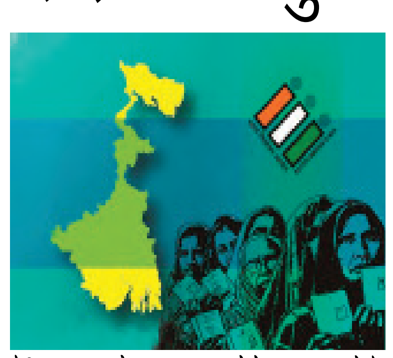

है कि अगर आपके पास मतदाता फोटो पहचान पत्र तो है, लेकिन किसी अनजान वजह से आपका नाम 2002 की वोटर सूची में नहीं है, तब आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सच में, मैं परेशान हूं। अगर मेरे जैसा सर्व सुविधा संपन्न व्यक्ति इस चिंता और असुरक्षा की भावना से बच नहीं सका, तो सोचिए कि एक प्रवासी मज़दूर, कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति, झुग्गी में रहने वाला, या एक आम किसान किस विकट स्थिति से गुज़र रहा होगा। हालांकि, यह सिर्फ़ मेरी, या आपकी चिंता की बात नहीं है। असल में, यदि हम और गहराई में उतरना गवारा करें तो, हमें आधुनिक राष्ट्र की प्रवृत्ति को समझना होगा, जो आज़ादी और मानवाधिकारों की ललित कथाओं के बावजूद, अपने नागरिकों पर निगरानी रखने का सामान्यीकरण करते हुए, रोज़मर्रा की ज़िंदगी में निरंतर दस्तावेजों की मांग के ज़रिए पूर्ण नियंत्रण बनाना चाहती है। कोई हैरानी नहीं कि आम नागरिक होने के नाते, हम लगातार डर के कभी न खत्म होने वाले चक्र में फंसे रहते हैं। 'कागज' पूरे करने को हमें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भागने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कल तक, यह आधार था; जो लगभग आपके शरीर के एक ज़रूरी अंग जैसा था; और इसके बिना, आप कुछ भी नहीं थे! इसके अलावा, तकनीक के विकास के साथ, आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फ़ोन नंबर आपकी पहचान बन चुका है। इसे आपके आधार, पैन और बैंक अकाउंट से लिंक होना चाहिए। कल्पना करें आपने अपना स्मार्ट फ़ोन खो दिया है और तब आपको तीव्र चिंता सताने लगती है। यह महज आपका फ़ोन खोना नहीं है; यह आपकी पहचान गुम होने जैसा है; वह अनुभव दुनिया से कट जाने की तरह है। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि अब कुछ भी निजीपन या निजता नहीं रही। डेटा साइंस के इस ज़माने में आपका ईमेल एड्रेस या आपका मोबाइल फ़ोन नंबर हर जगह पहुंच चुका है। आपकी हर हरकत पर लगातार नज़र रखी जा रही है और उसे देखा जा रहा है। इसलिए, क्या यह हैरानी की बात नहीं कि आपको और मुझे हर दिन प्रॉपर्टी डीलरों से लेकर फ़ाइनेंशियल एक्सपर्ट्स और यहां तक कि प्रधानमंत्री के दफ़्तर से भी तरह-तरह के मैसेज मिलते रहते हैं? इस निगरानी मशीनरी का हिस्सा बनना कोई अच्छा अहसास नहीं है। यह डर, तनाव और चिंता को बढ़ाता है। यह आपके निजी दायरे में दखलअंदाजी है। असल में, यह काम आपकी इंसानी रूह को एक बायोमेट्रिक्स में परिवर्तित कर देने, या आपकी पहचान के प्रमाण को, चाहे वह आपका राशन कार्ड हो, आपका पासपोर्ट या फिर आपके घर का पता साबित करने वाला कोई यूटिलिटी बिल हो- हर उस चीज़ को बहुत नुकसान पहुंचाता है जो हमें इंसान बनाती है- खुद को भरोसे योग्य समझे जाने से बनता अहसास। यह एक सिविल सोसाइटी की भावना को ही खत्म कर देता है। कल्पना करें, मैं पश्चिम बंगाल में अपने गृहनगर में एक अल्पसंख्यक पड़ोसी को जानता हूं। मुझे पता है कि उसके माता-पिता/दादा-दादी यहीं पैदा हुए थे। लेकिन फिर, पता नहीं किन्हीं कारणों से, 2002 की वोटर लिस्ट में वह अपना नाम नहीं पाता। सरकार को उस पर शक होने लगता है; और जो लोग साम्प्रदायिक राजनीति के कीटाणु को ज़िंदा रखना चाहते हैं, वे आरोप लगाने लगेंगे कि वह बांग्लादेश से आया एक अवैध प्रवासी है। एक ऐसी सरकार के लिए जो सिविल सोसाइटी के फैसले से ज़्यादा तथाकथित वैध 'कागजों' पर विश्वास करती हो, वहां आपके और मेरे विचार शायद ही मायने रखते हैं। टेक्नो-अथॉरिटेरियनिज़्म और क्या होता है- इंसानी अनुभव की हकीकत पर 'कागजों' का हावी होना? कदाचित्, हमें एक किस्म की आज़ादी-दायक राजनीतिक संस्कृति और शिक्षा की ज़रूरत है ताकि हम निगरानी और दस्तावेजों का सामान्यीकरण करने, या इंसानी पहचान को 'आधिकारिक रूप से मान्य' पहचान प्रमाण में तब्दील किए जाने का विरोध कर सकें। हमें सामाजिक जीवन की जीवनदायिनी शक्ति, सिविल सोसायटी की जीवंतता, और संवाद में तार्किकता के जादुई अहसास को वापस लाना और उसका मोल समझना होगा।

आप का नजरिया

भारत के मानवाधिकार सवाल

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतंत्र की आत्मा मानवाधिकारों में ही छिपी होती है। हमारा संविधान मनुष्य की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। फिर भी भारत जैसा विशाल, विविध और जटिल देश कई ऐसी चुनौतियों से जूझता है जो समय-समय पर विश्व मानवाधिकार आयोग (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद) के सामने आती हैं। इन मुद्दों को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह देश के लिए आलोचना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। भारत की ताकत इस बात में रही है कि उसने हर चुनौती को स्वीकार किया और सुधार की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाए। विश्व मानवाधिकार आयोग के समक्ष भारत से संबंधित पहला बड़ा प्रश्न अकसर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा होता है। वर्षों से घरेलू हिंसा, दहेज से होने वाली मौतें, यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। निर्भया कांड ने देश की आत्मा को झकझोरा और इसके बाद भारत में कानूनी सुधार हुए, समाज में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं की सुरक्षा को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया गया। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कई बार यह सवाल उठाती हैं कि क्या महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। समाज में बदलती मानसिकता और बढ़ती जागरूकता के बावजूद यह चुनौती अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। दूसरा मुद्दा बच्चों के अधिकारों से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समिति ने कई बार भारत में बाल श्रम, कुपोषण, स्कूल छोडने की समस्या और बाल तस्करी पर चिंता जताई। भारत ने इस दिशा में व्यापक कदम उठाए हैं, फिर भी गरीबी और सामाजिक असमानता के कारण कुछ क्षेत्रों में बच्चे अभी भी मजदूरी और शोषण का शिकार बनते हैं। स्कूलों में शिक्षा के अधिकार का कानून लागू है, मध्याह्न भोजन योजना है और पोषण अभियान भी है, परंतु चुनौती देश की विशाल जनसंख्या और सामाजिक विविधता के कारण अधिक जटिल बनी रहती है। तीसरी बड़ी चुनौती जातिगत भेदभाव और दलित/आदिवासी समुदायों के प्रति होने वाले अत्याचारों से जुड़ी है। संविधान ने अस्पृश्यता को अवैध घोषित किया, परंतु वास्तविकता यह है कि समाज में जातिगत हिंसा की घटनाएं अभी भी सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन घटनाओं को लेकर सवाल किए जाते हैं। भारत का जवाब हमेशा यही रहा है कि न्याय प्रणाली स्वतंत्र है और अत्याचारों के मामलों में कठोर दंड का प्रावधान है। फिर भी सामाजिक परिवर्तन एक धीमी प्रक्रिया है और अभी भी बहुत आगे जाना बाकी है। धार्मिक स्वतंत्रता और सांप्रदायिक तनाव भी भारत के मानवाधिकार विमर्श का हिस्सा हैं। भारत धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है और सभी धर्मों को समान सम्मान दिया गया है। इसके बावजूद कुछ सांप्रदायिक घटनाएं या भीड़ हिंसा जैसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बनती हैं। भारत ने हमेशा अपनी स्थिति स्पष्ट रखते हुए कहा है कि अपराधियों पर कार्रवाई होती है और कानून सबके लिए बराबर है। व्यक्तिगत निजता और तकनीकी निगरानी से जुड़े मुद्दे आधुनिक युग में वैश्विक चिंता बन गए हैं। भारत में डिजिटल ढांचा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसी के साथ नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा भी महत्त्वपूर्ण बन गई है। कुछ तकनीकी निगरानी कार्यक्रमों को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने सवाल पूछे थे कि क्या नागरिकों की निजता सुरक्षित है। भारत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के अनुसार ही तकनीक का उपयोग होता है। फिर भी यह क्षेत्र निरंतर बदल रहा है और इसकी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। कश्मीर का मुद्दा भी कई बार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार रिपोर्टों में शामिल रहा है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इंटरनेट प्रतिबंध, गिरफ्तारियों और आवाजाही पर कुछ सीमाओं को लेकर चर्चा हुई। भारत ने साफ कहा कि ये कदम सुरक्षा कारणों से उठाए गए थे और यह पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है। धीरे-धीरे क्षेत्र में स्थितियां सामान्य हुईं, लेकिन यह विषय वैश्विक राजनीति के कारण संवेदनशील बना रहता है। आदिवासी समुदायों से जुड़े मुद्दे भी महत्त्वपूर्ण हैं। खनन, भूमि अधिग्रहण और बड़े विकास परियोजनाओं के कारण आदिवासी क्षेत्रों में विस्थापन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान पर प्रभाव पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र ने कई रिपोर्टों में सुझाव दिया कि विकास परियोजनाओं में आदिवासियों की सहमति और उनके पुनर्वास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन चुनौतियां अब भी सामने आती रहती हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का प्रश्न भी कई बार विश्व मानवाधिकार आयोग में उठाया गया है।

> हमारा संविधान मनुष्य की गरिमा, समानता, स्वतंत्रता और सुरक्षा को सर्वोच्च मानता है। फिर भी भारत जैसा विशाल, विविध और जटिल देश कई ऐसी चुनौतियों से जूझता है जो समय–समय पर विश्व मानवाधिकार आयोग (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद) के सामने आती हैं। इन मुद्दों को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह देश के लिए आलोचना नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का अवसर है। भारत की ताकत इस बात में रही है कि उसने हर चुनौती को स्वीकार किया और सुधार की दिशा में निरंतर कदम बढ़ाए। विश्व मानवाधिकार आयोग के समक्ष भारत से संबंधित पहला बड़ा प्रश्न अकसर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा होता है। वर्षों से घरेलू हिंसा, दहेज से होने वाली मौतें, यौन शोषण, मानव तस्करी और बाल विवाह जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। निर्भया कांड ने देश की आत्मा को झकझोरा और इसके बाद भारत में कानूनी सुधार हुए, समाज में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं की सुरक्षा को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया गया। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं कई बार यह सवाल उठाती हैं कि क्या महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं।

दृष्टि कोण

चुनौतियों के बीच अधिक विकास दर

हाल ही में 28 नवंबर को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई-सितंबर की तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 5.6 प्रतिशत थी। खास बात यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर के मामले में दुनिया की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह है कि चालू वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद जीडीपी की वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की 8.2 प्रतिशत की विकास दर वृद्धि समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है, वहीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार के द्वारा कारोबारी सुगमता और उत्पादकता बढ़ाने जैसे कदमों से जीडीपी बढ़ी है। गौरतलब है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में महंगाई घटने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती से उपभोग और घरेलू खपत में जोरदार इजाफा होने से विकास दर बढ़ी है। जहां भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप के टैरिफ का प्रतिकूल असर झेल गई, वहीं निर्यात, पूंजीगत निवेश और निवेश रुझान पर प्रतिकूल असर की चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ी है। साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं से निर्मित हो रही चुनौतियों से निपटने की स्थिति में है। निश्चित रूप से जब दुनिया के अधिकांश देशों में महंगाई तेजी से बढ़ रही है, वहीं भारत में महंगाई में तेज कमी भारत की एक बड़ी आर्थिक ताकत बन गई है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां अक्टूबर 2025 में खुदरा महंगाई घटकर पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई, वहीं थोक महंगाई 27 महीने के निचले स्तर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे रही

है। महंगाई में यह ऐतिहासिक कमी प्रमुखतया सब्जियां, फल, अंडे, फुटवियर, अनाज व उससे बने उत्पाद, बिजली, परिवहन और संचार आदि मदों की महंगाई में गिरावट के कारण हुई है। महंगाई में आई गिरावट के पीछे विगत 22 सितंबर से लागू वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार की भी अहम भूमिका है। जीएसटी दरों में की गई कमी से खाने-पीने की सभी वस्तुएं सस्ती हुई हैं। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2025 में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 17 फीसदी सस्ती होकर 27.8 रुपए और मांसाहारी थाली 12 फीसदी सस्ती होकर 54.4 रुपए के मूल्य स्तर पर पाई गई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इस समय विभिन्न शोध रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि खाद्यान्न के रिकॉर्ड उत्पादन और अच्छे मानसून के बाद कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को मिली अनुकूलताओं के कारण आगामी महीनों में भी महंगाई में और कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन खुदरा महंगाई दर 2.5 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष के 4.6 प्रतिशत के मुकाबले काफी कम होगी। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के मद्देनजर महंगाई घटने और जीएसटी सुधार के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक-वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त से अक्टूबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शिखर वार्ता के लिए भारत आना सुनिश्चित किया है। इस मौके पर भारत व रूस के बीच कारोबार सहित कई समझौते हुए। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं 21 नवंबर से देश में लागू नए श्रम कानून देश के आर्थिक विकास में नई प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढने का अनुमान व्यक्त किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा |आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी जरूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतें हैं छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का दिन बहुत ही संतुलित रहें स्वास्थ्य एकदम तंदुरस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेंगे । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निकलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले काम सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नहीं हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में गलतफहमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेंगे। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। कामकाज से समय मिलने पर परिवार के साथ घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिलेगी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें न किसी की आपके शब्दों से गलतफहमी हो सकती है । कार्यस्थल पर व्यस्तता बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएं। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रूप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आराधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें। धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 दिसंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 02:31 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 02:23 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 02:32 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:31 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 02:23 तक
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ओवरलोडेड वाहनों और अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई हो तेज : भजनलाल

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस दिशा में विभिन्न विकास परियोजनाएं और जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने और जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्बाध संचालन में राजस्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समर्पित होकर कार्य करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आबकारी, परिवहन, कॉमर्शियल टैक्स तथा पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 69 हजार 627 करोड़ रुपये के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा गया था। इसे हासिल करने के क्रम में नवम्बर माह तक कुल 84 हजार 746 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आगामी तिमाही में राजस्व वृद्धि के लिए लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कॉमर्शियल टैक्स विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों से देश और प्रदेश के आमजन को काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जीएसटी की दरों में की गई कमी का सीधा लाभ उपभोक्ता तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने फर्जी करदाताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि कर चोरी रोकने और पारदर्शी कर व्यवस्था लागू करने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के अधिक से अधिक परमिट जारी किए जाएं जिससे आमजन को आवागमन में सुविधा होने के साथ ही, राज्य सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति हो। शर्मा ने ओ-वरलोडिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ओवरलोडेड वाहन सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। साथ ही, इनसे राज्य सरकार को राजस्व की भी हानि होती है। विभागीय अधिकारी इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में अन्य राज्यों से अवैध शराब के परिवहन को रोकने के लिए आबकारी विभाग पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी कड़ी करें। उन्होंने राज्य में अवैध शराब की बिक्री पर भी प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। शर्मा ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को संपत्तियों के पंजीयन की प्रक्रिया सरल करने और आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दौसा में शुरू हुई हेलिकॉप्टर सेवा

दिल्ली-जयपुर एयरपोर्ट से मेहंदीपुर बालाजी तक पहली उड़ान, चार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

दौसा, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला प्रशासन और पर्यटन मंत्रालय की पहल पर सोमवार से दिल्ली और जयपुर एयरपोर्ट से मेहंदीपुर बालाजी के लिए हेलिकॉप्टर सेवा की शुरुआत कर दी गई। पहले दिन चार श्रद्धालुओं ने उड़ान भरी, जिन्होंने मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन किए और प्रसिद्ध आभानेरी पर्यटन स्थल का भी भ्रमण किया। कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि मेहंदीपुर बालाजी पंच गौरव योजना में शामिल है, और यहां देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा कि रेल और सड़क मार्ग के साथ अब हेलिकॉप्टर सेवा का जुड़ना जिले के धार्मिक पर्यटन के लिए बड़ा कदम है। कलेक्टर के अनुसार, इस सेवा से जहां स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं स्थानीय निकायों के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में दौसा जिले के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों को भी हेलिकॉप्टर सेवा से जोड़ने की योजना है।

रबी सीजन में बिजली आपूर्ति की मेंटेन हो ब्लॉक ऑवर सप्लाई: ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए हैं कि ब्लॉक ऑवर सप्लाई को मेंटेन कर रबी सीजन में कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सप्लाई की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए मुख्यालय से निचले स्तर तक अधिकारी भेजे जाएं, जो कि ट्रिपिंग वाले ग्रिड सब स्टेशनों तथा फीडर को चिन्हित कर उनमें लोड प्रबंधन की बेहतर प्लानिंग करें। नागर रबी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की मंगलवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज परियोजन-ाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। साथ ही प्रसारण निगम के स्तर पर भी बढ़े हुए लोड के अनुरूप पावर ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि के उपाय अभी से कर लिए जाएं। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा आरडीएसएस के अन्तर्गत कृषि एवं गैर कृषि फीडर सेग्रीगेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने मांग एवं इसके अनुरूप वितरण निगमों द्वारा की जा रही आपूर्ति की जानकारी दी। बैठक में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा तथा उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने विद्युत उपलब्धता के बारे में बताया। जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

नाहरगढ़ लायन सफारी में बड़ा हादसा टला

चलती बस में लगी आग, शेरों के बीच फंसे 15 सैलानी,डेढ़ महीने में दूसरी लापरवाही

जयपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क की लायन सफारी में रविवार को बड़ा हादसा होते-होते बच गया। 15 सैलानियों को लेकर सफारी के लिए गई बस में अचानक धुआं उठने लगा। बस उसी हिस्से में थी, जहां आसपास शेर घूम रहे थे, जिसके चलते सैलानी न बस से उतर सकते थे और न ही मदद का इंतजार कर सकते थे। धुआं फैलते ही बस में अफरा-तफरी मच गई। ड्राइवर और स्टाफ ने तुरंत वायरलेस से कंट्रोल रूम को सूचना दी। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची और दूसरी बस भेजकर सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। जैसे ही सैलानियों को बाहर निकाला गया, धुआं आग में बदल गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। विभाग की दमकल आग नहीं बुझा पाई, जिसके बाद आमेर से दमकल मंगवानी पड़ी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। विभाग के अनुसार घटना में किसी भी पर्यटक या वन्यजीव को नुकसान नहीं हुआ है।

जिला कलक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

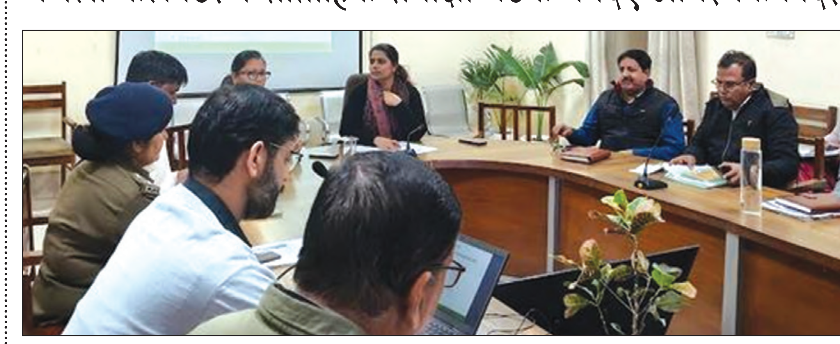

श्रीगंगानगर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर द्वारा बैठक मे वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। बैठक में दो वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित आवश्यक तैयारियां कार्यक्रम से पूर्व कर लेवें। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 में लम्बित कार्यों की विस्तार से चर्चा कर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं को गहनता से समीक्षा की गई। सीएम प्रकरण एवं संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने आमजन की परिवेदनाओं के समुचित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि संपर्क पोर्टल पर आने वाले सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक नियमित कार्यवाही करते हुए परिवादी को राहत पहुंचाई जाये। राजकाज के कार्यों को ई-फाईल के माध्यम से किया जाये एवं समस्त प्रकरणों को समयबद्ध रूप से निस्तारित करते हुए परिवादियों को संतुष्टि और राहत मिल सके, ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जायें।

बैठक में जिला परिषद, उद्यान, स्वास्थ्य, नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, जलदाय विभाग, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने एक संवेदनशील मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अकेली स्कूल जा रही एक 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ का प्रयास करने वाले 37 वर्षीय आरोपी को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान रूट एनालिसिस और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर की, भले ही उसने अपना मुंह मफलर से ढका हुआ था। एसपी अमित कुमार ने बताया कि घटना 6 दिसंबर की सुबह उस समय हुई जब नाबालिग छात्रा अपने घर से स्कूल जा रही थी। पीछे से आए एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने लड़की को रोककर पहले 10 रुपये का लालच दिया और मोटरसाइकिल पर बैठने को कहा। लड़की के मना करने पर वह थोड़ी दूर जाकर वापस आया और इस बार 100 रुपये देने और 10 बजे वापस छोड़ने की बात कहकर फिर से मोटरसाइकिल पर चलने के लिए दबाव बनाया।डर के मारे बच्ची वहाँ से भागकर पास की चाय की दुकान पर चली गई और रोने लगी।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने खेल विश्वविद्यालय, राई के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

सोनीपत, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष ने सोनीपत के राई में स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर प्रथम महिला मित्रा घोष, विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक कुमार, विधायक कृष्णा गहलावत, डीसी सुशील सारवान, पांचजन्य समाचार पत्र के संपादक हितेश शंकर, रजिस्ट्रार जसविन्दर सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने समारोह में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि खेलों में उत्कृष्टता अब केवल शारीरिक क्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि विज्ञान आधारित प्रशिक्षण, मानसिक मजबूती, पोषण विज्ञान, मनोविज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण के इसी समग्र मॉडल को अपनाकर विद्यार्थियों के लिए एक सुदृढ़ खेल-पारिस्थितिकी तैयार की है।

स्कूलों में सुरक्षा तंत्र चरमराया, धरातल पर स्थिति बेहद भयावह : सैलजा

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में बेहद गंभीर खामियां उजागर हो रही है। राज्य के 60 प्रतिशत स्कूलों में शिकायत पेटियां तक नहीं लगी हुई है, जबकि 80 प्रतिशत विद्यालयों में शिकायत निवारण समितियां लंबे समय से निष्क्रिय पड़ी हैं। स्थिति यह है कि 65 प्रतिशत विद्यार्थियों को यह भी जानकारी नहीं कि किसी समस्या की शिकायत किससे करनी है। ये तथ्य बताते हैं कि स्कूलों में सुरक्षा के लिए बनाए गए नियम न तो लागू हुए और न उनकी निगरानी की गई। यदि सरकार इस दिशा में तुरंत और ठोस कदम नहीं उठाती है, तो यह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ माना जाएगा और जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एक समाचार पत्र ने विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था में बेहद गंभीर खामियां उजागर किया है। कुमारी सैलजा ने इस स्थिति को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार विद्यालय सुरक्षा के मामले में पूर्णत: विफल रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों के उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं लेकिन सरकार ने न तो कोई ठोस नीति बनाई और न ही मौजूदा सुरक्षा तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू किया।उनका कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजों में दिखाई जाती है, जबकि धरातल पर स्थिति बेहद भयावह है।

संसदीय कार्यवाही देखने नई दिल्ली जाएंगे हरियाणा के सभी विधायक

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रदेश के सभी विधायकों को उनके आग्रह पर संसदीय कार्यवाही दिखाने की योजना बनाई है। 10 दिसंबर को विधायकों का दल विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण के नेतृत्व में नई दिल्ली जाएगा, जहां विधायक संसद की कार्यवाही देखने के साथ-साथ नए-पुराने संसद भवन का भी अवलोकन करेंगे। इस दौरान विधायकों को पुस्तकालय भवन का भी भ्रमण करवाया जाएगा। यहां वे संविधान की संरक्षित की गई मूल कॉपी का भी अवलोकन करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि संसद सर्वोच्च संसदीय संस्था है, जहां सदस्यों को संसदीय कार्यवाही की बारीकियों से अवगत करवाने के लिए लेकर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अनुभव के लिए वे खुद भी बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सदस्यों को उनके काम-काज में इसका लाभ मिलेगा।

हरियाणा कैबिनेट का बड़ा फैसला

टूरिस्ट और अन्य परमिट वाहनों की चलने की अवधि में बदलाव

चंडीगढ़, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई कैबिनेट की बैठक में हरियाणा मोटर व्हीकल्स रूल्स, 1993 के तहत टूरिस्ट परमिट के अनुसार चलने वाली टूरिस्ट गाड़ियों को चलाने की अवधि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन नियमों को हरियाणा मोटर व्हीकल्स (संशोधित) नियम, 2025 माना जाएगा। संशोधित नियम अनुसार, एनसीआर में ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर पेट्रोल या सीए-नजी पर चलने वाली गाड़ियों को 12 साल तक चलाने की इजाजत होगी, जबकि इसी परमिट कैटेगरी की डीजल गाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाने की इजाजत होगी। नॉन-एनसीआर एरिया के लिए, पेट्रोल या सीएनजी और डीजल पर चलने वाली ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट गाड़ियों की भी ज्यादा से ज्यादा 12 साल तक चलाया जा सकेगा। एनसीआर इलाके में स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, गुड्स कैरिज और स्कूल बसों समेत शेष सभी गाड़ियों के परमिट के लिए, पेट्रोल, सीएनजी, इलेक्ट्रिक या दूसरे इंधन पर चलने वाली गाड़ियों की ज्यादा से ज्यादा अवधि 15 साल तय की गई है। हालांकि, केवल एनसीआर इलाके में इस टाइप के परमिट के तहत चलने वाली डीजल गाड़ियों के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 साल तक चलाया जा सकेगा।

शुभ लाभ

नौकरी देने वालों को चेतावनीरोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ योगी सरकार सख्त

लखनऊ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी व्यक्ति को घर या व्यवसाय से जुड़े कामों के लिए नियुक्त करने से पहले उसकी पूरी पहचान और पृष्ठभूमि की जांच अवश्य करें. यह अपील ऐसे समय में की गई है जब राज्य सरकार रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए कथित अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक बड़े अभियान को गति दे रही है।

सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और मजबूत कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं. उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा अवैध रूप से रह रहे लोगों पर कई निर्णायक कदम उठाए जा चुके हैं, और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी. उन्होंने नागरिकों से सजग रहने तथा किसी को भी नौकरी देने से पहले उसकी सही पहचान की पुष्टि करने की अपील की।

सुरक्षा है समृद्धि की नींव

मुख्यमंत्री ने जनता को आगाह करते हुए कहा कि राज्य की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि सुरक्षा ही समृद्धि की नींव है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहना चाहिए और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट तुरंत प्रशासन को देनी चाहिए।

सीएम योगी ने जोर दिया कि उत्तर प्रदेश की सामाजिक संरचना और सामुदायिक संतुलन को सुरक्षित रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने आश्वासन दिया कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज गति से जारी रहेगी और किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वाराणसी में अवैध प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान

इसी बीच, वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने जिले में रह रहे बांग्लादेशी, रोहिंग्या और अन्य अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक सप्ताह का विशेष सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है. अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान शनिवार से प्रारंभ हुआ है और इसका उद्देश्य जिले में अवैध रूप से रह रहे लोगों की पहचान करना और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना है.

काशी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि पुलिस टीमें उन क्षेत्रों में तैनात की गई हैं, जहाँ अस्थायी बस्तियां, झुग्गी-झोपड़ियां या फुटपाथ पर दुकानें लगाने वाले लोग रहते हैं. इन टीमों को यह दायित्व सौंपा गया है कि वे बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे लोगों की पहचान कर उनकी जानकारी दर्ज करें।

सघन जांच और कड़ी कार्रवाई की तैयारी

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि सात दिवसीय इस सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस झोपड़ियों, सड़क किनारे ठेलों और अस्थायी ठिकानों की सूक्ष्म जांच कर रही है. अवैध प्रवासियों की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ सख्त और प्रभावी कानूनी कदम उठाए जाएंगे.

वाराणसी के प्रत्येक थाना क्षेत्र में थाना प्रभारियों ने विशेष टीमों का गठन कर दिया है. गोमती ज़ोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त वैभव बांगर ने कोइराजपुर इलाके में सघन जांच अभियान की निगरानी की, जहाँ टीमों ने लोगों की पहचान, पृष्ठभूमि और दस्तावेजों की बारीकी से जांच की।

अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन के दौरान मिले प्रत्येक व्यक्ति की तस्वीर, व्यक्तिगत जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण निर्धारित फॉर्म में दर्ज किए जा रहे हैं. इससे आगे की कानूनी प्रक्रिया और निगरानी आसान होगी।

पूरे जिले में सख्ती, पुलिस सतर्क

गोमती क्षेत्र के बड़ागांव थाना क्षेत्र सहित अन्य इकाइयों ने भी इस अभियान को पूरी गंभीरता के साथ लागू किया है. वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान योजनाबद्ध ढंग से चलाया जा रहा है ताकि किसी भी अवैध प्रवासी को नजरअंदाज न होने दिया जाए. प्रशासन का मानना है कि यह पहल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगी तथा जनसुरक्षा सुनिश्चित करने में बड़ी भूमिका निभाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में दमघोंटू हवा:

दिसंबर की शुरुआत से एक्यूआई 'बेहद गंभीर' अस्पतालों में बढ़ रही मरीजों की संख्या

नोएडा ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार खतरे के निशान से ऊपर बनी हुई है। दिसंबर की पहली तारीख से लेकर अब तक हवा की गुणवत्ता अति गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है। राजधानी दिल्ली के ज्यादातर मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 320 से 370 के बीच रिकॉर्ड हुआ है, वहीं नोएडा और गाजियाबाद के कई क्षेत्रों में भी हालात बेहद खराब बने हुए हैं। जहरीली हवा के कारण अस्पतालों में सांस से जुड़ी बीमारियों, दमा, एलर्जी और आंखों में जलन की शिकायतों वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दिल्ली की स्थिति-लगभग हर जगह 'लाल' दिखाई दे रही है।

दिल्ली के प्रमुख एक्यूआई स्टेशनों से मिले आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं। जिनमें आनंद विहार - 354, अशोक विहार - 337, बवाना - 367, बुराड़ी क्रॉसिंग - 327, चांदनी चौक - 321, सीआरअ-ारआई, मथुरा रोड - 301, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज - 330, डीटीयू- 343, द्वारका सेक्टर-8 - 326, नेहरू नगर - 350, पटपड़गंज - 340, पंजाबी बाग - 334, पूसा - 353 और आरके पुरम - 334 पर दर्ज किया गया है। लगभग सभी स्टेशन गंभीर और अति गंभीर श्रेणी में मेंटेन हैं, जिससे साफ है कि हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है। गाजियाबाद में भी हालात खराब हैं। इंदिरापुरम में 283, लोनी - 382, संजय नगर - 329 और वसुंधरा में एक्यूआई - 307 दर्ज किया गया है। लोनी में गुणवत्ता सबसे खराब दर्ज की गई है, जहां एक्यूआई 380 के पार है।

नोएडा में भी 1 दिसंबर से लेकर 7 दिसंबर तक पीएम 2.5 के स्तर लगातार 'लाल' श्रेणी में रहे। जिनमें 1 दिसंबर - 321, 2 दिसंबर - 393, 3 दिसंबर - 365, 4 दिसंबर - 308, 5 दिसंबर - 339, 6 दिसंबर - 344 और 7 दिसंबर को एक्यूआई- 317 दर्ज किया गया है। नोएडा में आज दर्ज किया गया एक्यूआई सेक्टर-125 - 348, सेक्टर-62 - 300, सेक्टर-1 - 345, सेक्टर-116 में - 345 दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक अभी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मौजूदा स्तर की हवा दमा के मरीजों के लिए अत्यंत खतरनाक है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए जोखिमपूर्ण है और लंबे समय तक एक्सप-ोजर पर फेफड़ों में संक्रमण और सांस की गंभीर दिक्कत पैदा कर सकती है।

राजद-कांग्रेस और सपा घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह राजनीतिक दल घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं। लखनऊ में आईएएनएस से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी हो, कांग्रेस हो, राष्ट्रीय जनता दल हो, या टीएमसी हो-ये सभी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानते हैं और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। हम घुसपैठियों को वोट बैंक नहीं मानते हैं, और न ही तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं।घुसपैठ का आगे जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देशभर में घुसपैठियों के खिलाफ भारत छोड़ो अभियान चल रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि भेष बदलकर रहने वाले घुसपैठिए जल्द ही देश से बाहर किए जाएंगे। तेजी से घुसपैठियों को चिन्हित करने का काम किया जा रहा है; वह दिन दूर नहीं जब सभी घुसपैठियों को भारत से खदेड़ दिया जाएगा।सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद अवैध घुसपैठियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा कदम है। भारत घुसपैठियों के लिए कोई शेल्टर होम नहीं है, और न ही उत्तर प्रदेश। घुसपैठियों को भारत से बाहर भेजा जाना चाहिए। उनकी जांच होनी चाहिए।डिप्टी सीएम ने देश और प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि मैं समाज से अपील करता हूं कि अगर किसी को किसी घुसपैठिए के कहीं छिपे होने की जानकारी है, तो वे पुलिस या प्रशासन को बताएं।

प्रयागराज समेत कई जिलो में शीतलहर का प्रकोप तेज, तापमान में लगातार गिरावट

लखनऊ,08 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर महीने की शुरुआत में सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश के कई जिले शीतलहर की चपेट में आए, जिससे तापमान में गिरावट देखी गई। खासकर पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में सर्दी का सितम देखा जाने लगा है। लोग गर्म कपड़ों और आग के जरिए ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ठंड की लहर प्रयागराज में भी दस्तक दे चुकी है। एक स्थानीय लोगों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पहाड़ों से चली शीतलहर के कारण यहां ठंड बढ़ गई है। हम पहले टहलने जाते थे लेकिन ठंड बढ़ने के कारण टहलने नहीं गए। एक व्यक्ति ने कहा कि पिछले दो-तीन दिन में ठंड अधिक बढ़ी है, जिसके कारण सुबह बहुत कम लोग घर से बाहर निकल पाते हैं। आने वाले दिनों में यह ठंड और बढ़नी है, ऐसे में बचाव करना जरूरी है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह साढ़े 9 बजे तक प्रयागराज में 13.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। लगभग दो किलोमीटर प्रति घंटा से ठंडी हवाएं चली हैं। प्रयागराज के अलावा, बहराइच में तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस, लखनऊ में तापमान 16 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर में 14.4 डिग्री सेल्सियस, बरेली में 14 डिग्री सेल्सियस और झांसी में 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी उत्तर प्रदेश संभाग में मौसम शुष्क रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं कम से मध्यम कोहरा छाने की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान लगाया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के दोनों मौसम संभागों में मौसम शुष्क रहा। उत्तर प्रदेश के दोनों मौसम संभागों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा देखा गया। प्राप्त आंकड़ों में प्रदेश में न्यूनतम दृश्यता 600 मीटर कई जगहों पर दर्ज की गई। शनिवार को राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस अयोध्या में दर्ज किया गया। हालांकि, राज्य में सबसे अधिक तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस कानपुर में रहा।

अयोध्या में एसआईआर प्रक्रिया में तेजी, 98.50 प्रतिशत काम पूरा

अयोध्या/गाजीपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया को समय-सीमा के भीतर पूरा करने के लिए जिला प्रशासन तेजी से काम कर रहा है। अयोध्या और गाजीपुर दोनों जिलों में अधिकारियों ने दावा किया कि एसआईआर से संबंधित अधिकांश कार्य अंतिम चरण में है और तय तारीख से पहले ही प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टिकाराम फुंडे ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि जिले में एसआईआर का 98.50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) लगातार अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर एसआईआर से जुड़े फॉर्म भर रहे हैं और मतदाता सूचियों का सत्यापन कर रहे हैं। डीएम ने बताया कि जहां-जहां वोटरों की सूची तैयार की गई है, वहां बीएलओ के साथ बैठक कर डाटा साझा किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि 12 दिसंबर की निर्धारित समय-सीमा तक यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं, गाजीपुर जिले में भी प्रशासन एसआईआर कार्य को तेजी से निपटाने में जुटा है। एसडीएम रविश गुप्ता ने बताया कि सदर तहसील में लगभग 81 प्रतिशत एसआईआर का काम पूरा हो चुका है। अब तक 81.19 प्रतिशत डेटा डिजिटाइज्ड हो चुका है, जबकि 98.98 प्रतिशत फॉर्म बीएलओ के पास जमा कर लिए गए हैं।

एसडीएम ने जिले के लोगों से अपील की है कि वे समय रहते अपने एसआईआर फॉर्म बीएलओ को सौंप दें ताकि प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार बैठकों और अभियान के जरिए आमजन को जागरूक कर रहा है।

इसी बीच इकबाल अंसारी ने भी एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह एक सराहनीय कदम है, जिससे फर्जी वोटिंग पर रोक लग सकेगी। पहले लोग दो या तीन स्थानों पर आईडी बनवाकर मतदान करते थे, लेकिन एसआईआर के बाद यह प्रथा समाप्त हो जाएगी।

उन्होंने कहा, यह भारतीय नागरिक होने की दृष्टि से बेहद आवश्यक कदम है। अब लोग देश के किसी भी हिस्से में क्यों न रहते हों, उनका वोट केवल एक ही रहेगा। सरकार की यह पहल स्वागत योग्य है।

टीकरी में ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जाग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

टीकरी, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। टीकरी में ग्राम सभा की लगभग आधा बीघा जमीन पर गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए जाने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। इसी संबंध में ग्रामीणों ने जमीन पर कब्जा करने की शिकायत का पत्र डीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा है।गांव टीकरी के ग्रामीणों ने डीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार टूंडला राखी शर्मा को सौंपा। इस दौरान टीकरी गांव के ग्रामीण महिला और पुरुष तहसील टूंडला पहुंचे और आरोप लगाया कि ग्राम सभा की लगभग आधा बीघा जमीन पर मुन्नालाल यादव पुत्र केरन सिंह यादव पिछले लगभग एक वर्ष से अवैध रूप से पशु बांधकर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान हेमलता और प्रधान प्रतिनिधि मानवेंद्र उर्फ सानू, मुन्नालाल का सहयोग कर रहे हैं।

अखिलेश सरकार में लूट, हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार का था बोलबाला- डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे यूपी सरकार के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कोडीन कफ सिरप मामले पर कहा कि कफ सिरप प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच चल रही है, और जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया के सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप अखिलेश यादव के कार्यकाल की तुलना योगी सरकार से करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश सरकार में हत्या, लूट, बलात्कार, कब्जा और टेंडर लूट के मामले अधिक थे, जबकि योगी सरकार में क़ानून-व्यवस्था बेहतर दिखाई देती है।

एसआईआर को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि बिहार में करीब 65 लाख वोटों को एसआईआर में काट दिया गया। इन 65 लाख लोगों में किसी ने कोई शिकायत नहीं की। विपक्ष इसलिए हताश है कि 65 लाख वोट कटने के बाद बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष को करारी शिकस्त मिली।

लोकतंत्र की शुचिता के लिए एसआईआर बहुत ज़रूरी है, क्योंकि मृतकों, बच्चों और घुसपैठियों के नामों को हटाया गया है। जैसे मन की शुचिता के लिए योग आवश्यक है, वैसे ही लोकतंत्र की शुचिता के लिए एसआईआर आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी वर्ष 2027 में 2017 का इतिहास दोहराने जा रही है और प्रचंड बहुमत से लगभग 315 सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

कफ सिरप मामले में यूपी में अब तक कितने मासूमों की मौत हुई यह पूछे जाने पर उन्होंने कोई संख्या नहीं बताई और कहा कि जांच चल रही है, तथा दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

विपक्ष के हमलावर रुख पर उन्होंने कहा कि विपक्ष कहाँ हमलावर है, यह तो दिखाइए। विपक्ष अपने ही परिवारवाद में उलझा हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से उल्टा सवाल किया सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, सांसद, विधायक सभी एक ही जाति और एक ही परिवार के लोग हैं।

हम खामियों पर चर्चा कर उसे सुधारते हैं : मंत्री श्रवण कुमार

लखनऊ, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बताया कि जनता दल यूनाइटेड की तरफ से हर महीने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बैठक का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी नेता शामिल होते हैं। इसी को देखते हुए वे भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस बैठक में मूल रूप से जदयू संगठन के विस्तार और बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। बैठक में यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहीं चुनाव के दौरान किसी प्रकार की खामी तो नहीं रह गई। अगर चुनाव में किसी भी प्रकार की खामी रह गई है, तो उसे पुन: दूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि हमें यहां पर एक बात समझनी होगी कि संगठन बनाना और चुनाव लड़ना, दोनों अलग-अलग बिंदु हैं। कई बार हम इन दोनों बिंदुओं के अंतर को समझ नहीं पाते हैं। हम मौजूदा समय में अपने संगठन को विस्तार देने में जुटे हैं। इस दिशा में हमने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है, जिसके आधार पर हम काम कर रहे हैं। हम संगठन से नए-नए लोगों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि हमारी पार्टी का विस्तार हो सके। साथ ही, अन्य राज्यों में भी पार्टी के विस्तार को बढ़ा रहे हैं। इसके लिए हम उन राज्यों के पार्टी प्रभारी से संवाद स्थापित कर रहे हैं।मंत्री श्रवण कुमार ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में विपक्षी दलों को देश की जनता खारिज कर चुकी है। देश की जनता अब इन्हें किसी भी कीमत पर स्वीकार करने वाली नहीं है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये लोग इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं। जब कभी विपक्षी दलों को किसी राज्य में जीत मिलती है, तो ये लोग ईवीएम पर किसी भी प्रकार का सवाल नहीं उठाते हैं, लेकिन जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम पर सवाल उठाने लगते हैं। कहते हैं कि ईवीएम में गड़बड़ी है। मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहूंगा कि जब झारखंड और कर्नाटक जैसे राज्यों में विपक्षी दलों को जीत मिली थी, तब क्या हुआ था, तब आप लोगों ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं दिखी थी? इससे यह साफ जाहिर होता है कि ये लोग सिर्फ राजनीतिक लाभ अर्जित करने के मकसद से यह सब प्रपंच कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि ये लोग अब राजनीतिक फायदा अर्जित करने के मकसद से मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि अनुचित है। मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत फर्जी मतदाताओं का नाम चिन्हित किया जा रहा है। इसके बावजूद भी ये लोग इसका विरोध कर रहे हैं। ऐसे लोगों से मेरा सीधा सा सवाल है कि आखिर यह क्या चाहते हैं। क्या ये उन लोगों का भी नाम मतदाता सूची में दर्ज रहना देना चाहते हैं, जिनकी मृत्यु आज से दस साल पहले हो चुकी थी। जिन लोगों ने एक से अधिक जगहों पर मतदाता पत्र बना रखा है। ऐसे लोगों को चिन्हित करके उनके नाम काटे जा रहे हैं, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था सुचारू रहे। इसमें किसी भी प्रकार की विसंगति पैदा नहीं हो।वहीं, पश्चिम बंगाल में टीएमसी के निलंबित विधायक की तरफ से मस्जिद के मुद्दे का जिक्र किए जाने पर मंत्री ने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जब कभी-भी चुनाव आता है, तो ये लोग राजनीतिक लाभ अर्जित करने के मकसद से इस तरह के मुद्दे को उठाते हैं, ताकि राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में कर सके।

यूपी में कटेंगे मतदाता सूची से तीन करोड़ नाम !

एसआईआर रिपोर्ट में खुलासा, जनवरी में आएगी अपडेट वोटर लिस्ट

लखनऊ 8 दिसंबर। मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब अनुमान आ रहा है कि यूपी की मतदाता सूची से तीन करोड़ से अधिक नाम हटाए जा सकते हैं।जिलों की रिपोर्टों के अनुसार बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता चिन्हित हुए हैं जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, पहले से कहीं और दर्ज, या मृतक यानि एएसडी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।27 अक्टूबर 2025 की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार यूपी में 1,54,430,092 मतदाता दर्ज हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत मतदाता सूची की बड़ी सफाई शुरू की है। अभियान में 11 दिसंबर तक गणना फॉर्म भरकर जमा किए जा सकते हैं। इसी अवधि में सभी जिलों में मृतकों, अनुपस्थित मतदाताओं, दूसरे स्थान पर पंजीकृत और घर बदल चुके लोगों की पहचान की जा रही है।चुनाव आयोग की जानकारी के अनुसार, औरैया, आजमगढ़ और एटा जैसे जिलों ने एसआईआर का शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। एटा जिला, जिसकी मतदाताओं की संख्या 13,11,967 है, वहाँ 18 प्रतिशत मतदाता एएसडी कैटेगरी में पाए गए हैं।एसआईआर से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, अभी तक की प्रविष्टियों और जिलों से मिली रिपोर्टों का विश्लेषण बताता है कि पूरे प्रदेश में लगभग 6 फीसदी अनुपस्थित, 10 फीसदी स्थानांतरित शिफ्टेड और 4 फीसदी मृतक मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। इन आँकड़ों को प्रदेश की मतदाता संख्या पर लागू किया जाए तो यह संख्या तीन करोड़ से अधिक बैठती है। इस तरह मतदाता सूची में लंबे समय से मौजूद त्रुटियों को बड़े पैमाने पर ठीक किया जा रहा है। वोटर संख्या बढ़ने के पीछे कई कारण हैं।तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण और माइग्रेशन- बड़ी संख्या में लोग नौकरी, शिक्षा और व्यवसाय के लिए लगातार जिले बदल रहे हैं। पुरानी सूचियों का वर्षों से अद्यतन न होना है।कई नाम लंबे समय से सूची में बने रह गए थे, जबकि व्यक्ति अब वहाँ रहते ही नहीं।

अभिषेक एक साल में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक अहम रिकार्ड बनाया है जिससे अंदाजा होता है कि वह कितने अच्छे फार्म में हैं। अभिषेक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही पंजाब की कप्तानी करते हुए 250 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने 6 मुकाबलों में 300 से अधिक रन बनाये हैं। सर्विसेज के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने तीन छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया था।

अभिषेक इसी के साथ ही एक एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बने हैं। अभिषेक ने सर्विसेज के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में 34 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 62 रन की आक्रामक खेली। इस मैच में दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक एक साल में 100 टी20 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।

अभिषेक ने इस साल भारतीय टीम की ओर से 17 टी20 मैचों में 47 छक्के लगाए हैं। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 28 छक्के लगाये हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2025 सत्र में अभिषेक ने अब तक 6 मैचों में 26 छक्के लगाए हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक खेले गए 37 टी20 मैचों में उनके नाम 101 छक्के हैं। अभिषेक ने पिछले साल भी 39 मैच में सबसे अधिक 39 87 छक्के लगाए थे। वहीं साल 2022 में सूर्यकुमार यादव ने 41 टी20 मैचों में 85 छक्के लगाए थे।टी20 में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन के नाम है। साल 2024 में पूरन ने 76 मैच में 170 छक्के लगाए थे। इस साल उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, एमआई अमीरात, एमआई न्यूयॉर्क, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स (पुरुष), रंगपुर राइडर्स, ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और वेस्टइंडीज की ओर से खेला था। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल विश्व के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 100 छक्के लगाए थे।

भारतीय टीम के भुवनेश्वर पहुंचने का वीडियो सामने आया, अभिषेक के साथ बात करते नजर आये शुभमन

भुवनेश्वर। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें दोनो ही टीमों के बीच कटक में 9 दिसंबर को होने वाले पहले टी20 मैच को देखते हुए भुवनेश्वर पहुंच गयी हैं। दोनो टीमों के बीच पहला मैच कटक के बाराबती स्टेडियम में होगा। भारतीय टीम एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में भी जीत हासिल करना रहेगा। ओडिशा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पंकज मोहंती ने कहा है कि टीमों की सुरक्षा के लिए पूरे इंतजाम किये गये हैं। साथ ही कहा कि बाराबती स्टेडियम मैच के लिए पूरी तरह तैयार है। इस सीरीज से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी वापसी करेंगे। जिससे भी भारतीय टीम को लाभ होगा। भारतीय टीम का एक वीडियो सामने आ रहा है, जहां शुभमन गुलामी टी शर्ट पहने हुए है और वह अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप के कारण झटका लगा था पर एकदिवसीय सीरीज जीतकर टीम ने अच्छी वापसी की।

न्यूज ब्रीफ

दूसरे वनडे में स्लो ओवर रेट के चलते भारतीय टीम पर 10 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली। रायपुर में 3 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मैच में स्लो ओवर-रेट बनाए रखने के कारण भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने टीम इंडिया पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई, जब केएल राहुल की अगुवाई वाली भारतीय टीम समय भत्तों को ध्यान में रखने के बाद तय लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन के मामले में तय समय में प्रत्येक ओवर पूरा न कर पाने पर टीम के खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इसी आधार पर दो ओवर कम रहने पर कुल 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने इस आरोप को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली, जिसके चलते औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर रॉड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगाजस्की तथा चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल द्वारा लगाया गया।

यशस्वी को आराम के नाम पर बाहर किया जा रहा, टीम प्रबंधन पर बरसे बचपन के कोच

नई दिल्ली। बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के कोच ज्वाला सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद भी टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने के लिए टीम प्रबंधन और कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। कोच ने कहा कि लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी यशस्वी की उपेक्षा हो रही है। उसे आराम देने के नाम पर टीम से बाहर कर दिया जाता है। कोच के अनुसार यशस्वी तीनों की प्रारुपों में खेलने के काबित है पर अब तक उसकी जगह टेस्ट में ही पक्की नजर आती है। कोच का कहना है कि उन्होंने यशस्वी को बचपन से निखारकर क्रिकेटर बनाया है पर आज उसके साथ अन्याय हो रहा है। अभी तक उसकी एकदिवसीय में भी जगह पक्की नहीं हुई है जबकि उसने हर बार अवसर मिलने परा अच्छी बल्लेबाजी की है। ज्वाला ने कहा कि बार-बार उसे बाहर किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने के बाद जब उसे आराम के नाम पर बाहर किया गया। उसके बाद एशिया कप के लिए चयनित टीम से ही बाहर कर दिया गया। यशस्वी साल 2024 टी20 विश्वपक कप विजेता टीम में भी शामिल थे।

यशस्वी के भाई तेजस्वी की मुश्ताक अली ट्रॉफी में धमाकेदार बल्लेबाजी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से जहां यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं उनके बड़े भाई तेजस्वी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। यशस्वी के भाई ने त्रिपुरा की ओर से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया। अहमदाबाद में उत्तराखंड के खिलाफ खेलते हुए तेजस्वी ने 37 गेंदों में ही 51 रन बना दिये। उनकी पारी की सहायता से त्रिपुरा ने 6 विकेट पर 163 रन बनाए हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। उत्तराखंड की ओर से कप्तान कुनाल चंडेला ने 37 गेंद में 51 रन जबकि जगदीशा सुचित ने सात गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर 21 रन बनकार अपनी टीम को चार विकेट से जीत दिला दी। तेजस्वी भी यशस्वी के साथ ही क्रिकेटर बनने मुम्बई आये थे पर आर्थिक संकटों के कारण वह अपना करियर देर से शुरु कर पाये। इस दौरान वह यशस्वी को आगे बढ़ाने में लगे रहे।

एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप : भारत ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली), 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के 9/16वें स्थान के क्वालिफिकेशन मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेल्स को 3-1 से मात दी। यह मुकाबला सोमवार को सैंटियागो स्थित सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टेडियो नासिओनल में खेला गया।

भारत की ओर से हिना बानो (14वां मिनट), सुनेलिता टोप्पो (24वां मिनट) और इशिका (31वां मिनट) ने गोल दागे, जबकि वेल्स के लिए एलोइस मोएट (52वां मिनट) ने एकमात्र गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम आक्रामक नजर आई और पहले 30 सेकेंड के भीतर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और मौके बनाती रहीं, हालांकि शुरुआती मिनटों में गोल नहीं मिल सका। इस बीच वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक का मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर निधि ने शानदार बचाव करते हुए स्कोर बराबर रखा। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में साक्षी राणा की बेहतरीन मूव के बाद हिना बानो ने आसान टैप-इन से भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा और एक बार फिर साक्षी राणा के शॉट के रिबाउंड पर सुनेलिता टोप्पो ने नजदीक से गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ में 14 सर्कल एंट्री के साथ भारत मजबूत स्थिति में रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही भारत ने तीसरा गोल दाग दिया। वेल्श गोलकीपर के रिबाउंड पर इशिका ने गेंद को गोलपोस्ट में भेज दिया। इसके बाद कोच ज्योति सिंह की टीम ने खेल की रफ्तार पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और ऊंची प्रेस के साथ वेल्स की रक्षा पंक्ति को लगातार पीछे धकेलती रही। आखिरी क्वार्टर में वेल्स की ओर से एलोइस मोएट ने एक गोल जरूर किया, लेकिन यह केवल सांत्वना गोल साबित हुआ। भारतीय टीम ने मजबूती से मैच समाप्त करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की।

आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट : पॉवेल की आक्रामक बल्लेबाजी से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइटराइडर्स को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल के तेजी से बनाये अर्धशतक से दुबई कैपिटल्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अबूधाबी नाइटराइडर्स को 83 रन से हरा दिया। इस मैच में पॉवेल ने 52 गेंदों पर आठ चौके और चार छक्के लगाकर नाबाद 96 रन बनाए। पॉवेल की पारी से दुबई कैपिटल्स ने नाइराइडर्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए नाइराइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रनों पर ही आउट हो गयी। दुबई कैपिटल्स की जीत में पॉवेल की अहम भूमिका नहीं। पॉवेल ने जॉर्डन कॉक्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। कॉक्स ने 32 गेंदों पर 52 रन बनाये। नाइटराइडर्स की ओर से अंतिम ओवर रसेल ने किया। पॉवेल ने उनकी शुरुआती तीन गेंदों पर 19 रन बना दिये। वहीं पूरे ओवर में 24 रन बने। लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइटराइडर्स के केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे। सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट ने सबसे अधिक 27 रन बनाए।

पहले टी20 में अभिषेक के साथ पारी शुरु करेंगे शुभमन, सैमसन की जगह पर जितेश को मिलेगा अवसर

कटक, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक में शुरु होगा। अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस सीरीज में आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। ऐसे में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सीरीज में अवसर मिलने की संभावना नहीं है। उनकी जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को शामिल किया जा सकता है। सैमसन सहित कई ऐसे खिलाड़ी भी इस सीरीज से बाहर होंगे जो एकदिवसीय सीरीज में शामिल थे। इसमें यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल सहित कुछ अन्य खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि इस मैच से सलामी बल्लेबाज शुभमन और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या वापसी कर रहे हैं। पंड्या एशिया कप में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। वहीं शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में गर्दन में आई अकड़न के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे थे। इस सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। उनके अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा पर भी प्रशंसकों की नजरें होंगी। . ऑलराउंडर शिवम दुबे और अक्षर पटेल को भी टीम में लगह मिल सकती है पर स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को शायद ही जगह मिले। सैमसन को एक बार फिर बाहर रहना पड़ सकता है। वहीं स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है। ऐसे में टीम में एक ही तेज गेंदबाज को अवसर मिलेगा। बाएं हाथ तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शायद ही अवसर मिले। मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह टीम में रहेगी। भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

रूट के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकार्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 वां टेस्ट हारे

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड की यहां एशेज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। अब रूट के नाम ऑस्ट्रेलिया में लगातार 16 टेस्ट में हार का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान में लगातार 15 हार का रिकार्ड भारतीय टीम के महान ऑलराउंडर कपिल देव के नाम था। इनके अलावा किसी भी अन्य क्रिकेटर के नाम किसी देश में बिना किसी जीत के इतने मुकाबले हारने का रिकॉर्ड नहीं है। जिस प्राकर रूट का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड कमजोर रहा, वैसे ही कपिल देव का पाकिस्तान में व्यक्तिगत रिकॉर्ड खराब रहा है। कपिल ने पाक में 22 पारियों में 548 रन बनाए, औसत 26.10 रहा, और 44 विकेट लिए, औसत 40.02 रहा। ये उनके करियर का दूसरे सबसे खराब औसत रहा है। . रूट ने हालांकि इस बार अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये जिससे टीम हार गयी। उसके बल्लेबाज दोनों पारियों में रन बनाने में विफल रहे। रूट ने हालांकि पहली पारी में शतक लगाया था पर उन्हें किसी से साथ नहीं मिला।

रोहित और कोहली की जगह को लेकर अब सवाल नहीं उठाने चाहिये : बांगर

विशाखापट्टनम, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा बढ़ती उम्र के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में टीम में इनकी जगह को लेकर किसी भी प्रकार के सवाल नहीं उठाये जाने चाहिये। बांगर ने कहा कि पिछले कुछ समय के अंदर दोनो ने अपने प्रदर्शन से दिखा दिय है कि वे अभी भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से हैं। इसलिए इन दोनो के साथ अलग तरह से व्यवहार होना चाहिये। इसके अलावा इसकी टीम में जगह को लेकर किसी प्रकार प्रकार की आशंकाएं नहीं लगायी जानी चाहिये। इन किन ने पिछले छह एकदिवसीय मैचों में अपने को साबित किया है। ऑस्ट्रेलिय और दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ देखा जाये तो इन दोनो ने जो खेल दिखाया वह कोई और नहीं दिखा पाया।

बांगर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अबटीम में इनकी की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर ध्यान देना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेले हैं। बांगर का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है पर वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है। एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रन बनासे से रोकना संभव नहीं होता। ऐस में अगर आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी देनी होगी।''उन्होंने कहा, '''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनके रहने से ही से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।

नवनियुक्त केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने चिन्नास्वामी में आईपीएल व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का किया वादा

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

नवनिर्वाचित कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक बार फिर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी सुनिश्चित करने के साथ-साथ कर्नाटक क्रिकेट के समग्र विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प जताया है।

प्रसाद का यह चयन केएससीए के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2025 जीत पर निकाली गई विजय यात्रा के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद केएससीए सवालों के घेरे में आ गया था। पूर्व में 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रह चुके प्रसाद ने भारत के लिए 33 टेस्ट और 161 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में क्लीन स्वीप करने वाले उनके 'टीम गेम चेंजर्स' पैनल का उद्देश्य संगठन का फोकस फिर से क्रिकेट पर लाना और चिन्नास्वामी स्टेडियम की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्थल के रूप में बहाल करना है।

प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'केएससीए अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। चिन्नास्वामी में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी और कर्नाटक क्रिकेट के हर स्तर पर विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। टीमवर्क, पारदर्शिता और समर्पण के साथ हम अपने लक्ष्य तक जरूर पहुंचेंगे। मुझ पर विश्वास जताने वाले हर सदस्य का धन्यवाद।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुजित सोमसुंदर को रविवार को केएससीए का उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सचिव पद पर लौटे हैं। मेनन इससे पहले 2019 से 2022 तक भी इस पद पर रह चुके हैं। बी.एन. मधुकर को कोषाध्यक्ष चुना गया है, वहीं प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार पैनल के बीके रवि ने संयुक्त सचिव का पद हासिल किया। केएससीए चुनावों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कई नामांकन पत्र खारिज हुए और एक हाईकोर्ट केस ने चुनावी माहौल को और गरमाया। रविवार को 1,307 वोट डाले गए, जो 2013 के रिकॉर्ड 1,351 मतों से कुछ कम थे। वेंकटेश प्रसाद को 749 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी के.एन. शांत कुमार को 588 वोट प्राप्त हुए। प्रसाद पैनल को पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का भी समर्थन हासिल था, जो 2010 से 2013 के बीच क्रमशः केएससीए अध्यक्ष और सचिव रह चुके हैं। उपाध्यक्ष पद पर सोमसुंदर ने 719 वोट हासिल कर डी. विनोद शिवप्पा (588) को हराया। सचिव पद पर संतोष मेनन ने 672 वोट पाकर ई.एस. जयराम (632) को मात दी। कोषाध्यक्ष पद पर मधुकर ने 736 वोट के साथ एम.एस. विनय (571) को पराजित किया। संयुक्त सचिव पद पर बीके रवि ने 669 वोट के साथ ए.वी. शशिधर (638) को हराया। प्रबंध समिति के दो आजीवन सदस्य पदों पर वी.एम. मंजुनाथ (690 वोट) और सैलेश एन. पोल (618 वोट) चुने गए। बेंगलुरु ज़ोन से पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटाचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691) और आशीष अमरलाल (703) ने तीनों उपलब्ध सीटें अपने नाम कीं।

घरेलू बाजार में इंडिगो की 65.6 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय घरेलू विमानन बाजार में इंडिगो का दबदबा अब वैश्विक स्तर पर दुर्लभ माना जा रहा है। अक्टूबर तक इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65.6 प्रतिशत रही, जो दुनिया के अन्य बड़े विमानन बाजारों में किसी एक कंपनी के पास नहीं है। एयर इंडिया के साथ मिलकर इंडिगो और एयर इंडिया की हिस्सेदारी 91.3 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसका सीधा असर यह है कि नई और छोटी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश करना और विस्तार करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका में शीर्ष तीन कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी केवल 58 प्रतिशत है। अमेरिकी सबसे बड़ी एयरलाइन, अमेरिकन एयरलाइंस की हिस्सेदारी केवल 21 प्रतिशत है, जिससे अन्य कंपनियों को

भारत का बाजार केवल इंडिगो और एयर इंडिया के हाथों में

बाजार में फलने-फूलने का अवसर मिलता है। चीन में सरकार नियंत्रित विमानन कंपनियों की हिस्सेदारी भी भारत से काफी कम है। चाइना सदर्न के पास 16 प्रतिशत, चाइना ईस्टर्न के पास 14 प्रतिशत और शीर्ष तीन कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी केवल 58 प्रतिशत है। केवल ऑस्ट्रेलिया में कैंटास और वर्जिन का 98 प्रतिशत बाजार नियंत्रण भारत जैसा केंद्रीकरण दिखाता है। भारत में दो कंपनियों का प्रभुत्व बाजार को असंतुलित बना रहा है। इससे न केवल नई कंपनियों के लिए अवसर सीमित हो जाते हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा कम होने और कीमतों पर नियंत्रण की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस स्थिति में नियामक हस्तक्षेप और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने वाली नीतियों की आवश्यकता है।

एयर इंडिया ने इकोनॉमी टिकटों पर फेयर कैप लागू किया

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपनी इकोनॉमी क्लास के हवाई टिकटों पर अधिकतम किराए की सीमा (फेयर कैप) लागू कर दी है। यह निर्णय सरकार के निर्देश के बाद लिया गया, खासकर इंडिगो की उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने और टिकटों की कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण। एयर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि जिन यात्रियों ने हाल ही में तय सीमा से ज्यादा कीमत पर टिकट खरीदी है, उन्हें अंतर की राशि लौटाई जाएगी। इसका मतलब है कि अतिरिक्त पैसे अपने आप यात्रियों के खाते में वापस कर दिए जाएंगे। बुकिंग सिस्टम में नए नियम लागू करना शुरू कर दिया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी एयर इंडिया फ्लाइट्स में यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। जल्द ही सभी प्लेटफॉर्म पर नए और नियंत्रित किराए दिखाई देंगे। इस कदम से आम यात्रियों को सीधा फायदा होगा। अंतिम समय में टिकट बुक करने पर अचानक महंगे दाम नहीं चुकाने पड़ेंगे। त्योहारों, छुट्टियों या आपातकालीन परिस्थितियों में यात्रा करने वाले लोग इससे बड़ी राहत महसूस करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पुराने नामों से नई पहचानः ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक व:रिष्ठ अ:धिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया। हुंडै ने 2018 में सेंट्रो को पुनः पेश किया, जबकि महिंद्रा ने 2022 में स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक लॉन्च किया। अन्य उदाहरणों में मारुति ग्रैंड विटारा और महिंद्रा बोलेरो नियो शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने नाम में भरोसा और पहचान होती है, लेकिन डिज़ाइन और फीचर्स सही न हों तो सफलता नहीं मिलती। पुराने नाम के साथ आधुनिक इंजीनियरिंग जोड़कर कंपनियां पुराने और नए दोनों ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट नीतिगत दर में कटौती से उत्साहित

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंक की कटौती की है। इससे बैंकों के लिए उधार सस्ता हुआ और बाजार में नकदी की उपलब्धता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को मजबूती देने के लिए सकारात्मक संकेत है। सरकारी वित्तीय संस्थाएं, पीएफसी और :सिडबी मंगलवार को बॉन्ड मार्केट से कुल 11,500 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इससे निवेशकों के बीच दीर्घकालिक बॉन्ड में रुचि बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पहले उच्च यील्ड के कारण पीएफसी ने 25 नवंबर को 3 वर्षीय बॉन्ड जारी करने का निर्णय वापस ले लिया था। नीतिगत घोषणाओं के बाद बाजार की धारणा में सुधार आया है। आरबीआई की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) और रुपये-अमेरिकी डॉलर स्वैप से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है कि नकदी की स्थिति अनुकूल रहेगी। कई फंड और संस्थाएं तत्काल निवेश नहीं कर रही हैं। उनका ध्यान लंबी अवधि के निर्गमों पर है, ताकि भविष्य निधि और पेंशन फंड से राशि आकर्षित की जा सके। बड़े फंड पहले से पूंजी लगाने को प्राथमिकता देते हैं ताकि नियामक और परिसंपत्ति आवंटन आवश्यकताएं पूरी हों। अक्टूबर में कंपनियों ने कॉरपोरेट बॉन्ड के जरिए 17,500 करोड़ रुपये जुटाए थे। भारती टेलीकॉम ने दो खंडों में 10,500 करोड़ रुपये जुटाए। यह दिखाता है कि बॉन्ड बाजार में निवेशकों की रुचि लगातार बनी हुई है।

क्रैश टेस्ट में फेल, फिर भी खूब बिक रही हयूदै ग्रांड आई10

नई दिल्ली। हयूदै ग्रांड आई10 कार क्रैश टेस्ट में फेल होने के बावजूद जमकर बिक रही है। ग्लोबल एनकैप टेस्ट में कार ने एडल्ट सुरक्षा में 0 स्टार और चाइल्ड सुरक्षा में 3 स्टार हासिल किए। यह टेस्ट सफर कार्स फार अफ्रिका अभियान के तहत किया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस वाहन में गंभीर दुर्घटना की स्थिति में जानलेवा चोटों का जोखिम अधिक है। टेस्ट मॉडल में ड्राइवर और पैसेंजर एयरबैग, सीट बेल्ट रिमाइंडर, प्री-टेंशनर, लोड लिमिटर और इसोफिक्स माउंट्स जैसे फीचर्स मौजूद थे। बावजूद इसके, ग्लोबल एनकैप ने इसे निराशाजनक बताया। संगठन ने साफ किया कि यह रेटिंग केवल दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट पर लागू होती है, लेकिन यह सवाल उठता है कि एक ही प्लेटफॉर्म पर बनी गाड़ियों की सुरक्षा विभिन्न बाजारों में इतनी अलग क्यों होती है। एडल्ट सुरक्षा के आंकड़ों में ग्रांडआई10 ने 34 में से 0 अंक हासिल किए। फ्रंटल ऑफसेट टेस्ट में सिर और गर्दन की सुरक्षा तो संतोषजनक रही, लेकिन ड्राइवर की चेस्ट प्रोटेक्शन 'पूअर' पाई गई। पैसेंजर की चेस्ट सुरक्षा 'एडक्वेट' रही।

सप्ताह की शुरुआत में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, सोना 122 रुपए : गिरकर 1,30,340, चांदी कि 1508 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोना और चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिली है। घरेलू बाजार एमसीएक्स से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स तक दोनों कीमती धातुओं में नरमी का रुख बना हुआ है। ऊंचे स्तरों से प्रॉफिट बुकिंग और वैश्विक संकेतों के बीच यह कमजोरी दर्ज की गई। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी वायदा की शुरुआत 31 रुपये की गिरावट के साथ 1,30,431 रुपए प्रति 10 ग्राम पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय यह और फिसलकर 1,30,340 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जो 122 रुपये की गिरावट को दर्शाता है।

दिन के दौरान सोने ने 1,30,509 रुपए का उच्च और 1,30,233 रुपए का निम्न स्तर छुआ। इस वर्ष सोने के वायदा भाव ने अब तक 1,31,699 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी के मार्च वायदा की शुरुआत भी नरमी के साथ 1,81,900 रुपए पर हुई, जो पिछले बंद स्तर 1,83,408 रुपए की तुलना में 1,508 रुपये कम है। कारोबार के दौरान चांदी और टूटकर 1,81,386 रुपए प्रति किलो पर आ गई, जिसमें 2,022 रुपये की गिरावट शामिल है। इस दौरान इसका उच्च स्तर 1,81,900 रुपए और निम्न स्तर 1,80,974 रुपए रहा। साल के दौरान चांदी ने 1,84,743 रुपए प्रति किलो का उच्च स्तर दर्ज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी में कमजोरी बनी रही। सोना :विदेशी बाजार में 4,228.10 प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद भाव 4,243 डॉलर से कम रहा। इस समय यह 4,239.30 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। इस साल सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है। दूसरी ओर, चांदी 58.76 डॉलर प्रति औंस पर खुली और गिरकर 58.38 डॉलर पर पहुंच गई, जबकि इसका वार्षिक उच्च स्तर 59.61 डॉलर है।

नया स्पेशल एडिशन मोटोरोला एग्ज 70 पेश

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी मोटोरोला ने अपनी स्मार्टफोन रेंज में एक नया स्पेशल एडिशन मोटोरोला एग्ज 70 पेश किया है। फोन का बैक पैनल विगन-लेदर से बनाया गया है और उस पर 14 असली स्वारोवस्की क्रिस्टल जड़े गए हैं, जिससे यह दिखने में बेहद प्रीमियम और स्टाइलिश बन जाता है। इस संस्करण को पैनटोन और स्वारोवस्की के सहयोग से तैयार किया गया है। पैनटोन के कलर ऑफ द ईयर 2026 – क्लाउड डांसर को भी इस मॉडल में शामिल किया गया है, जो इसे अनोखा लुक देता है। मोटोरोला एग्ज 70 स्पेशल एडिशन में हार्डवेयर वही है जो मूल संस्करण में था। फोन में 6.67 इंच का पीओलेड डिस्प्ले है, जिसका रिज़ॉल्यूशन 1220गुणा2712 पिक्सल है। यह 120 एचझेड रिफ्रेश रेट, एचडीआर प्लस सपोर्ट और 4500 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। सुरक्षा के लिए गोरिल्ला ग्लास 7आई का उपयोग किया गया है। फोन में स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 प्रोसेसर, 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज है। यह एंड्रॉयड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है और इसमें मोटो एआई फीचर्स शामिल हैं। कैमरा सेटअप में ओआईएस के साथ 50 एमपी मुख्य कैमरा, 50एमपी अल्ट्रावाइड और 50एमपी फ्रंट कैमरा शामिल हैं। डिवाइस में डुअल स्टीरियो स्पीकर के साथ डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट है। सुरक्षा के लिहाज से फोन को एमआईएल-एसटीडी-810एच ड्यूरेबिलिटी सर्टिफिकेशन मिला है और यह आईपी68/आईपी69 रेटिंग के साथ धूल और पानी से सुरक्षित है। बैटरी क्षमता 4800एमएएच है, जो 68डब्ल्यू वायर्ड और 15डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। यूके में इसकी कीमत 700 पाउंड (लगभग 80,000 रुपये) और यूरोप में 799 यूरो (लगभग 81,000 रुपये) रखी गई है।

स्वास्थ्य उद्योग ने पान मसाला उत्पादन पर उपकर का किया स्वागत

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

नई संसद में पारित स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है। इस विधेयक के तहत विशेष रूप से पान मसाला जैसे अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विनिर्माण या उत्पादन पर उपकर लगाया जाएगा।

उद्योग विशेषज्ञों ने इसे प्रगतिशील कदम करार दिया है, क्योंकि इससे अस्वास्थ्यकर उत्पादों से होने वाले लाभ को सार्वजनिक स्वास्थ्य में निवेश के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। विशेष बात यह है कि यह उपकर उत्पाद की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादन क्षमता पर आधारित होगा। इसमें मशीनों की प्रकार, गति, भार उठाने की क्षमता और मैनुअल प्रक्रियाओं की प्रकृति शामिल होगी। इसका मतलब यह है कि चाहे उत्पादन मशीनों या हाथों से हो, दोनों पर उपकर लागू होगा।

विधेयक का लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना

विनिर्माताओं को मासिक रिटर्न दाखिल करना होगा और हर महीने की 7 तारीख तक उपकर का भुगतान करना अनिवार्य होगा। उद्योग को अपनी मशीनरी और मैनुअल प्रक्रियाओं की पूरी घोषणा करनी होगी।

उद्योग और विशेषज्ञों ने कहा कि यह कदम अस्वस्थ उत्पादों से होने वाले लाभ को स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में निवेश करने की दिशा में समय की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतिगत बदलाव राष्ट्रीय सुरक्षा के बराबर सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का संकेत देता है। इस विधेयक से भारत को गैर-संचारी रोगों, संक्रामक रोगों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधन सुनिश्चित होंगे। विशेषज्ञ इसे स्वास्थ्य और सुरक्षा को जोड़ने वाले क्रांतिकारी कदम मान रहे हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी होम एवं कार लोन किए सस्ते

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद इसका असर बैंकिंग सेक्टर में तुरंत दिखने लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने भी अपने सभी आरएलएलआर लिंक्ड उत्पादों—जिनमें घर, कार, शिक्षा और अन्य ऋण शामिल हैं, पर ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कमी कर दी है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अनुसार दरों में कटौती के बाद होम लोन की ब्याज दर अब 7.10 फीसदी से शुरू होगी, जबकि कार लोन की ब्याज दर 7.45 फीसदी रहेगी। बैंक का कहना है कि ये दरें मौजूदा समय में बैंकिंग उद्योग की सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। ब्याज दरों में कमी से ग्राहकों की ईएमआई घटेगी, जिससे उन्हें लोन लेने में आसानी होगी और मांग बढ़ने की संभावना है।

वोडाफोन आइडिया ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है।

सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी। वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी। इसमें मूल राशि 12,797 करोड़, ब्याज 28,294 करोड़, जुर्माना 6,012 करोड़ और जुर्माने पर ब्याज 11,151 करोड़ शामिल थे। मार्च 2025 तक कुल देनदारी बढ़कर 83,400 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2019 तक के लाइसेंस शुल्क के 9,450 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। कंपनी की 25,000 करोड़ रुपये की फंडिंग प्रक्रिया, 50,000-55,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना का हिस्सा है। यह निवेश

वीआई को 5जी सेवाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करेगा। सूत्रों ने बताया कि सर्कल स्तर पर एजीआर की पुनर्गणना प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह प्रस्ताव सितंबर में सर्वोच्च न्यायालय में पेश संशोधित याचिका के अनुरूप है, जिसमें वीआई ने कहा था कि बकाया राशि के कई घटक अंतिम रूप नहीं दिए गए थे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2017 तक अपने एजीआर बकाया की व्यापक पुनर्गणना और देनदारियों की पुनर्मूल्यांकन की मांग की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोमियो लेन के मुख्य...

इस बीच, पुलिस ने दिल्ली से भारत कोहली को हिरासत में लेकर ट्रांजिट रिमांड हासिल कर लिया है। उसे आगे की पूछताछ के लिए गोवा लाया जा रहा है। सभी मृतकों का पोस्टमार्टम पूरा कर लिया गया है और शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं।फिलहाल गोवा पुलिस दिल्ली में मौजूद है। गोवा पुलिस अजय गुप्ता नाम के शख्स की तलाशी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, गोवा के जिस क्लब में आग लगी उस क्लब में सौरभ और गौरव के साथ अजय गुप्ता भी पार्टनर हैं। अजय गुप्ता को गोवा पुलिस गिरफ्तार कर सकती है।सूत्रों के मुताबिक सौरभ और गौरव दोनों भाइयों ने दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़ी थी। हादसे के वक्त दोनों दिल्ली में थे। जैसे ही गोवा के क्लब में आग लगी दोनों भाइयों ने फुकेट भागने की प्लानिंग की। दोनों दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और फरार हो गए।

हुमायूं कबीर के साथ...

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय उकसावे से प्रेरित राजनीति का समर्थन नहीं करता। एआईएमआईएम नेता ने कहा,मुस्लिम समुदाय राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है, उसे तोड़ने में नहीं। वह देश को मजबूत करने वाली ताकतों के साथ खड़ा है और अशांति और विभाजन पैदा करने वालों को नकारता है।पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का उल्लेख करते हुए वकार ने कहा, ओवैसी साहब की राजनीति संवैधानिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव पर आधारित है। वह ऐसे किसी भी व्यक्ति से नहीं जुड़ सकते जिसके कार्य एकता को खतरे में डालते हों, सामाजिक मतभेदों को गहरा करते हों या विनाश की राजनीति को बढ़ावा देते हों।उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुसलमान कबीर के हालिया कदमों के पीछे की राजनीतिक मजबूरियों से पूरी तरह वाकिफ हैं। वकार ने कहा, लोग साफ तौर पर समझते हैं कि वह किसके इशारे पर, किस हद तक और किस मकसद से काम कर रहे हैं।कबीर को पिछले सप्ताह पार्टी नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के बाद टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने 22 दिसंबर को एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना की घोषणा की है और दावा किया है कि वह एआईएमआईएम और अन्य दलों के साथ संभावित गठबंधन के लिए बातचीत कर रहे हैं।सोमवार का बयान एआईएमआईएम द्वारा इन दावों का पहला औपचारिक खंडन है।

खालिस्तानी आतंकी...

रेहल पर भारत में आतंकवाद से जुड़ी संस्थाओं से संबंध होने का संदेह है।इसी आतंकी समूह को बढ़ावा देने और समर्थन देने के आरोप में बब्बर अकाली लहर की संपत्ति भी फ्रीज कर दी गई है।ब्रिटेन के ट्रेजरी विभाग के अनुसार, रेहल और बब्बर अकाली लहर पर बब्बर खालसा की आतंकी गतिविधियों में शामिल होने, भर्ती करने और वित्तीय सेवाएं प्रदान करने का आरोप है।इन प्रतिबंधों के तहत इन व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़ी यूके की सभी संपत्ति और आर्थिक संसाधन अब फ्रीज कर दिए गए हैं।

संकट के पीछे बताए...

कंपनी का दावा है कि वह पहले से ही डीजीसीए से एफडीटीएल नियमों में छूट या स्थगन मांग रही थी, लेकिन जब दिसंबर की शुरुआत में ये सारे कारक एक साथ आए, तो क्रू की उपलब्धता अचानक कम हो गई, और नेटवर्क पर दबाव बढ़ गया।पांच दिसंबर को इंडिगो ने नेटवर्क रिबूट किया, यानी बड़ी संख्या में उड़ानें जानबूझकर रद्द कीं, ताकि फंसे यात्रियों को निकाला जा सके और क्रू तथा विमान को सही जगह पहुंचाया जा सके।कंपनी का कहना है कि इन कदमों की वजह से छह दिसंबर से सेवाएं धीरे-धीरे सामान्य होने लगी हैं।यात्रियों को होटल, भोजन, परिवहन और रिफंड की सुविधा जितना संभव था दी गई।हालांकि, यह दावा जमीनी स्थिति से मेल नहीं खाता, क्योंकि अधिकांश यात्रियों को कोई भी सुविधा नहीं दी गई है। इंडिगो ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उसकी अपनी प्लानिंग और मैनेजमेंट में क्या बड़ी चूक हुई। ना ही सोमवार को राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री की तरफ से जो दो सूचनाएं दी गई हैं, उनका भी जवाब दिया गया है।

बहरहाल, डीजीसीए ने कहा है कि इस जवाब का अध्ययन किया जा रहा है और जल्द ही उचित कार्रवाई करेगा। सूत्र बता रहे हैं कि नियामक एजेंसी इंडिगो के इस समय मांगने से संतुष्ट नहीं है और कड़ी सज़ा की तैयारी में है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 09 दिसंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी
भी समस्या या सुझाव के लिए
मो. 86888 68345 पर
संपर्क करें ।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने नवंबर 2025 में रिकॉर्ड तोड़ परिचालन प्रदर्शन किया

नगरनार (छत्तीसगढ़), 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल), भारत के सबसे युवा एकीकृत इस्पात संयंत्र ने अपनी मूल्य–श्रृंखला में परिचालन माइलस्टोन के एक अस–ाधारण सेट के साथ नवंबर 2025 का समापन किया । प्रक्रिया–स्थिरता में मजबूती, परिचालन उत्कृष्टता और बढ़ती क्षमता उपयोग का प्रदर्शन करते हुए एनएसएल ने कई प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक प्रदर्शन किया है ।

नवंबर माह में कच्चे माल की हैंडलिंग प्रणाली (आरएमएचएस) ने 21 नवंबर, 2025 को दिन में सबसे अधिक यानी 616 वैगन की टिपलिंग के साथ रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल कीं । संयंत्र ने 5,18,886 टन का अब तक का सबसे अधिक मासिक बेस मिक्स उत्पादन भी हासिल किया ।

सिंटर संयंत्र में एनएसएल ने दिन और मासिक सिंटर उत्पादन रिकॉर्ड के साथ अपनी विकास यात्रा जारी रखी, जो रेटेड क्षमता उपयोग के 105 प्रतिशत से अधिक पर परिचालन करते हुए 30 नवंबर, 2025 को एक दिन में 15,590 टन और माह में 4,14,271 टन तक पहुंच गया । ब्लास्ट फर्नेस ने 28 नवंबर, 2025 को 11,315 टन के रिकॉर्ड हॉट मेटल उत्पादन के साथ उल्लेखनीय दक्षता दर्ज की, जो रेटेड क्षमता उपयोग का 119 प्रतिशत है, और क्षमता उपयोग के 101 प्रतिशत को पार करते हुए 2,80,049 टन का मासिक उत्पादन किया । विशेष रूप से एनएसएल ने बर्डन में केवल सिंटर और अयस्क

का उपयोग करके हॉट मेटल के 519 किलोग्राम प्रति टन की अपनी सबसे कम मासिक औसत ईंधन दर हासिल की, जो देश में सर्वोत्तम औसत में से है, और हॉट मेटल की 164 किलोग्राम प्रति टन की उच्चतम मासिक औसत पीसीआई दर हासिल की ।

स्टील मेल्टिंग शॉप और थिन स्लैब कैस्टर–हॉट स्ट्रिप मिल ने भी अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया । एनएसएल ने 2,03,356 टन का अपना सर्वाधिक मासिक एचआर कॉइल उत्पादन, 2,09,445 टन क्रूड इस्पात उत्पादन और 2,15,010 टन तरल इस्पात उत्पादन रिकार्ड किया, जिसमें क्षमता का उपयोग क्रमशः 84 प्रतिशत, 85 प्रतिशत और 86 प्रतिशत को पार कर गया । संयंत्र ने 4,799 हीट की अब तक की सबसे अच्छी कनवर्टर लाइनिंग लाइफ के साथ एक नया बेंचमार्क भी बनाया । दो नए ग्रेड – आईएस 2062 ई450बीआर और आईएस 2062 ई350सी को सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन में परिवर्तित किया गया, जिससे निर्माण, आधारभूत सुविधाओं और भारी ढांचे और भारी इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में वृद्धि हुई ।

एनएसएल ने ऑक्सीजन प्लांट में अनुकूलतंम प्रचालनों से अपनी लागत दक्षता को भी बेहतर बनाया और सिंगल प्लांट टर्नडाउन मोड में काम करके बिजली की लागत में लगभग 1.9 करोड़ रुपये की बचत की है । दूसरी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में ब्लास्ट फर्नेस (पैकेज 05) और टर्बो ब्लोअर (पैकेज 10ए) के पीजी टेस्ट का सफलतापूर्वक पूरा होना, साथ ही आईएस 2041:2024 और आईएस 2062 ई450बीआर के लिए बीआईएस लाइसेंस हासिल करना शामिल है ।सभी इकाइयों में इस शानदार निष्पादन पर टिप्पणी करते हुए श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, सभी इकाइयों में लगातार रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियां हमारी टीम के समर्पण, अनुशासन और पक्के इरादे को दर्शाती हैं । भारत एक ग्लोबल स्टील पावरहाउस बनने की अपनी यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और एनएसएल प्रौद्योगिकी से संचालित दक्षता, बढ़ते प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता के साथ भारत की इस्पात यात्रा की प्रगति में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वरंगल की अर्ध–वार्षिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, वरंगल के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वरंगल की अर्ध–वार्षिक बैठक 08 दिसंबर 2025 को भारतीय स्टेट बैंक, वरंगल में आयोजित हुई।घनश्याम सोलंकी, उप महाप्रबंधक (भारतीय स्टेट बैंक) की अनुपस्थिति में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उप महाप्रबंधक श्री कमलाकर गंटी ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अनिर्बान कुमार विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।बैठक में समितिबद्ध कार्यालयों में राजभाषा कार्यों के उन्नत क्रियान्वयन, राजभाषा नीतियों की प्रगति तथा भविष्य की कार्य–योजना पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वरंगल के सदस्य–सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया।समिति के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। धन्यवाद ज्ञापन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) राजीव कुमार ने किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

गौमाता की नित्य सेवा करें : जगद्गुरू रामानुजाचार्य

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ मठ, सितारामबाग में वृंदावन से पधारे जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी रामनिवास आचार्य का धार्मिक सत्संग एवं दर्शन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान आगामी धनु मास, सनातन धर्म, हिंदू राष्ट्र और गौवंश संरक्षण पर विस्तृत चर्चा हुई।श्री जगन्नाथ मठ के महंत जगद्गुरू अच्युत रामानुजाचार्य द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्वामी रामनिवास आचार्य ने मठ में संचालित वृद्धाश्रम, गौशाला एवं वेद पाठशाला का निरीक्षण किया और गौशाला में गौमाता को घास–चारा अर्पित किया।

अपने संबोधन में स्वामी रामनिवास आचार्य ने कहा कि कुछ राजनीतिक हितों के कारण हिंदुओं में जाति–भेद पैदा किया गया है, किंतु अब समय है कि सभी हिंदू एकजुट हों।

उन्होंने नारा लगाया– जय श्री राम! जय गौमाता! और कहा कि जातपात की करो विदाई, हिंदू–हिंदू भाई–भाई भाव को व्यवहार में लाना होगा।

उन्होंने कहा कि भारत भूमि अखंड हिंदू राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, परन्तु जब तक देश में संपूर्ण गौहत्या बंद नहीं होती, तब तक हिंदू राष्ट्र का सपना अधूरा रहेगा। उन्होंने गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग भी रखी।जगद्गुरू ने लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की और कहा कि वे अपने प्रवचनों में हर श्रद्धालु को प्रतिदिन गौसेवा के लिए एक रुपया दान देने की प्रेरणा देंगे।

इस अवसर पर फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य उपस्थित थे।

जसमत पटेल ने बताया कि पिछले 12 वर्षों से 'प्रतिदिन एक रुपया गौदान' योजना के माध्यम से विभिन्न गौशालाओं को आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। जन्मदिन, वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर गौसेवा हेतु दान देने की प्रेरणा भी दी जाती है।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि धनुर्मास का शुभारंभ 16 दिसंबर 2025 से होगा, जो 14 जनवरी 2026 तक भव्य रूप से श्री जगन्नाथ मठ में मनाया जाएगा। इस अवधि में प्रतिदिन कथा गायन, महाप्रसाद, आरती और धार्मिक गोष्ठियाँ आयोजित की जाएँगी।धनुर्मास की तैयारियों हेतु विशेष बैठक 14 दिसंबर, प्रातः 11:30 बजे आयोजित की जाएगी, जिसके बाद प्रसाद वितरण होगा। उन्होंने भक्तों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में धनुर्मास हेतु कड़े, कंकण और स्टिकर जैसी प्रचार सामग्री का विमोचन जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी रामनिवास आचार्य के करकमलों से किया गया।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग–8 : सिकंदराबाद क्लब बना चैंपियन

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग (एसएसप–ीएल)–8 एवं महिला वर्ग खेल प्रतियोगिता का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। मुख्य प्रायोजक वाहिनी पाइप्स (हेमराज सैंणचा, टुमकुर), ट्रॉफी प्रायोजक बुधाराम गौतम काग (बीरमगुड़ा) सहित समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, खिलाड़ी और समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

फ्रेंड्स क्लब के सुरेश सैंणचा ने प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के सभी मैचों का सीधा प्रसारण यू–ट्यूब एवं एसएसपीएल ऐप पर किया गया।

पहले सेमीफाइनल में आईजी फ्रेंड्स क्लब बनाम सिकंदराबाद खेला गया। जिसमें सिकंदराबाद 4 विकेट से विजयी रहा और नमन चौधरी – प्लेयर ऑफ द मैच बने।

दूसरे सेमीफाइनल में करमनघाट वॉरियर्स बनाम अस्टिक मेडचल के बीच खेला गया। जिसमें अस्टिक मेडचल 23 रनों से विजयी और गौतम – मैन ऑफ द मैच रहे।

फाइनल में अस्टिक मेडचल और सिकंदराबाद के बीच मुकाबला खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद क्लब ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर एसएसपीएल–8 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल के मैन ऑफ द मैच – मनीष 02 रहे।

विजेता एवं उपविजेता टीमों को समापन समारोह में ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में भी विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह में प्रमुख रूप से– वाहिनी पाइप्स – राजाराम, श्री माताजी ज्वेलर्स – बुधाराम, मल्लापुर बडेर अध्यक्ष – तुलसाराम सिंदड़ा, अशोक पांडे, परसराम बर्फा, जसाराम सोलंकी, सीए जसाराम बर्फा, पारसिगुट्टा बडेर उपाध्यक्ष – रमेश पंवार, कोषाध्यक्ष – खागर सिंह चोयल, शिक्षा समिति अध्यक्ष – लाबूराम पंवार, सचिव – चेलाराम भायल, खेल मंत्री – हिम्मताराम हाम्बड़, सीरवी समाज बडेर मनिकोंडा अध्यक्ष – बाबूलाल भायल, सचिव – मोतीलाल मदावत, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष – मंगलाराम पंवार,

सचिव – हुक्माराम सानपुरा एवं समाज की कई अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

मीडिया कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी और लाइव प्रसारण: बीआरएस राजस्थानी चैनल (भगवान राम राठौड़, बबलू) ने संभाला।

एसएसपीएल आयोजन का समापन सुरेश सैंणचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

जन सेवा संघ ने छठ पूजा महापर्व को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने वालों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मसाब टैंक स्थित माहेश्वरी परिसर में जन सेवा संघ ने छठ पूजा महापर्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले श्रद्धालुओं और घाट प्रभारीयों का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस समारोह की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष श्री आर पी सिंह ने की, जबकि महासचिव श्री राजीव चौबे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है।

इस अवसर पर तेलंगाना के सभी घाटों के प्रभारीयों और छठ पूजा समिति के सदस्यों को सम्मानित किया गया। पूर्व डी जी प्रीजन तेलंगाना श्री वी के सिंह मुख्य अतिथि रहे, जिन्होंने छठ पूजा के सफल आयोजन हेतु भूरी–भूरी प्रशंसा की और आगे बेहतर व्यवस्था के लिए सुझाव दिए। सभी सम्मानितों को शाल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ से अभिनंदित किया गया।संस्था के अध्यक्ष श्री आर पी सिंह ने घाट प्रभारीयों के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की और सहयोग तथा आर्थिक सहायता प्रदान करने वालों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने तेलंगाना सरकार का भी धन्यवाद किया। उपाध्यक्ष श्री गोविंद तिवारी ने सभा का सुचारू संचालन करते हुए सभी घाटों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और सहयोगियों का धन्यवाद किया।महासचिव श्री राजीव चौबे ने महानगरपालिका जीएचएमसी, हेच एम डी ए एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग की प्रशंसा के साथ पिछली कमियों को संबोधित करने और अगले वर्ष सुधार के अनुरोध की बात कही। कोषाध्यक्ष श्री बिनीत सिंह ने आर्थिक सहयोग करने वालों का आभार जताया। वरिष्ठ सदस्य एवं छठ पूजा प्रोटोकॉल संयोजक श्री श्रीकांत पांडेय ने बताया कि अगले वर्ष करीब 50 स्थानों पर जन सेवा संघ के तत्वावधान में छठ पूजा का आयोजन होगा।

मुख्य अतिथि श्री विनय कुमार सिंह का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित थे।

उपस्थित सदस्य: श्री आर पी सिंह, श्री गोविंद तिवारी, श्री राजीव चौबे, श्री बिनीत सिंह, श्री पि पि पांडेय, श्री एल एम चौधरी, श्री श्रीकांत पांडेय, एस ए खान, श्री राधे श्याम राय यादव, मोहम्मद मुनव्वर, सुशील श्रीवास्तव, बबन सिंह, श्रवण कुमार, श्याम शाह, बिपीन पासवान, रूपक कुमार, नवरतन पासवान, राजेश शर्मा, एकशारिया सुरेंदर कुमार, प्रदीप शर्मा, हरेंदर यादव, मनोज यादव, आर के सिंह, संजय शर्मा, राजेश यादव आदि।

हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी 12 से

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 12, 13 और 14 दिसंबर, 2025 को एचआईसीसी-नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में हाईलाइफ ज्वेल्स प्रदर्शनी का आयोजन होने जा रहा है।

जिसका कर्टनरेजर प्रसिद्ध अभिनेत्री निधि अग्रवाल एवं अन्य मॉडलों ने तिथियों की घोषणा की।।

यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी, हाईलाइफ ज्वेल्स एग्जीबिशन, आभूषणों के शौकीनों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करेगा। जिसमें देश भर के बेहतरीन और विशिष्ट आभूषण संग्रहों को एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किया जाएगा।

कुकटपल्ली वाई जंक्शन पर पार्किंग विवाद के बाद तनाव

जागृति कार्यकर्ताओं ने ट्रैफिक सीआई को घेरा

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कल्वाकुंतला कविता की अध्यक्षता में तेलंगाना जागृति के जागृति जनमबता कार्यक्रम के दौरान कुकटपल्ली वाई जंक्शन पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। कार्यक्रम में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद, पार्किंग व्यवस्था को लेकर ट्रैफिक सीआई और जागृति कार्यकर्ताओं के बीच बहस शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, जागृति कार्यकर्ताओं ने ट्रैफिक सीआई द्वारा उपयोग की गई भाषा को अनुचित बताया।

बहस के दौरान कार्यकर्ताओं ने सीआई को घेर लिया और उनके व्यवहार की स्पष्टीकरण मांगी। इससे कुकटपल्ली वाई जंक्शन क्षेत्र में यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्थिति बढ़ने पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों ने हस्तक्षेप कर माहौल को शांत किया। जागृति कार्यकर्ताओं का कहना था कि उनका उद्देश्य केवल सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना था।इस घटना ने हैदराबाद में भीड़ प्रबंधन, पार्किंग नियमन और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान पुलिस के आचरण पर चर्चा को फिर से ताजा कर दिया है। अधिकारियों ने अभी तक किसी औपचारिक बयान की घोषणा नहीं की है।

अमंगल में पागल कुत्ते का आतंक, 36 लोग घायल

रंगारेड्डी, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमंगल कस्बे में एक पागल कुत्ते ने अचानक उत्पात मचाया, जिससे 36 लोग घायल हो गए। घटना के समय कुत्ता शहर के विभिन्न हिस्सों में घूमते हुए राहगीरों, पैदल यात्रियों और श्रमिकों पर हमला करता रहा।स्थानीय लोगों ने बताया कि डर और अफरा-तफरी के बीच कई लोग घायल हुए। घायलों में पुरुष, महिलाएं और दैनिक यात्री शामिल हैं। क्रोधित और भयभीत स्थानीय लोगों ने अंततः कुत्ते को मारकर आगे की हानि रोकने की कोशिश की।घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती किया गया। डॉक्टरों ने पुष्टि की कि सभी 36 पीड़ितों को एंटी-रेबीज उपचार सहित निवारक देखभाल प्रदान की जा रही है। प्राधिकारी निवासियों को सतर्क रहने और किसी भी असामान्य पशु गतिविधि की सूचना देने की सलाह दे रहे हैं। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवारा कुत्तों की आबादी पर निगरानी और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उपाय किए जाने की योजना है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नित्य अन्न दान (अल्पाहार) सेवा का आयोजन 8 दिसंबर 2025, सोमवार को किया गया। यह सेवा पौष मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि के शुभ अवसर पर आयोजित की गई।

ग्रुप द्वारा यह सेवा प्रातः 7:01 बजे से तीन विभिन्न स्थानों पर प्रदान की गई, जिनमें 1) पब्लिक गार्डन, पिलर--1265, नामपल्ली, 2) बेगमबाजार, गौशाला के पास, पुल की माता, और 3) केबीआर पार्क के पास, बंजारा हिल्स, हैदराबाद शामिल थे। इन सभी स्थानों पर जरूरतमंदों को अल्पाहार वितरित किया गया।इस पुण्य सेवा में राधे राधे ग्रुप के निम्नलिखित सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई: मनीष अग्रवाल, उमाकांतजी गुप्ता, ऊर्मिलाजी, जयप्रकाश सारडा, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, अशोक गुप्ता, मनीष अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, गौरव गोयल, भरखा गोयल, सुरेश डालमिया, उमाकांतजी गुप्ता, ई-जगन चम्पापेट, श्याम सुंदर अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे सदस्य उपस्थित रहे।

बाबोसा भगवान की प्राण प्रतिष्ठा एवं महाअभिषेक 14 दिसंबर को

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम अराधिका मंजू बाईसा के पावन करकमलों द्वारा श्री बाबोसा भगवान, श्री गणेश जी, श्री लक्ष्मी जी, श्री राधाकृष्णजी, श्री राम दरबार, श्री दुर्गा माता, श्री शिव परिवार, श्री तिरुपति बालाजी, श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी, श्री भैरोंनाथ जी, श्री हनुमान जी, श्री नवग्रह, श्री रामदेवजी एवं श्री विश्वकर्मा जी की प्राण प्रतिष्ठा और महाअभिषेक आगामी रविवार, 14 दिसंबर 2025 को अत्तापुर, हैदराबाद में संपन्न होने जा रही है।

कलश यात्रा की शुरुआत सायं 4:11 बजे पिलर नं. 143, राहुल अड्डा होटल के समीप, जनप्रिया उटोपिया अपार्टमेंट रोड, हैदरागुड़ा, अत्तापुर से होगी। इस अवसर पर विशाल भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा और महाअभिषेक के बाद भण्डारा की व्यवस्था भी रहेगी।

इस शुभ अवसर के लिए सभी बाबोसा कमांडो फोर्स और बाबोसा की लाड़लियों ने घर-घर जाकर व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण कार्ड वितरित किए हैं और सभी सनातन धर्मप्रेमी बंधु परिवारों को सादर आमंत्रित किया गया है।

आईएएस अधिकारी के कैडर आवंटन पर उच्च न्यायालय ने कैट के आदेश पर रोक लगाई

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें आईएएस अधिकारी आम्रपाली काटा को तेलंगाना कैडर आवंटित करने का निर्देश दिया गया था। यह रोक कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की याचिका पर दी गई थी।

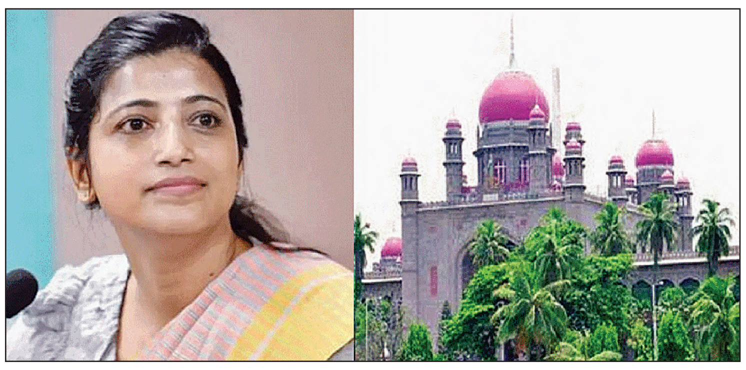

अदालत ने आईएएस अधिकारी के वकील को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

पृष्ठभूमि में, जून 2025 में कैट की हैदराबाद शाखा ने 2010 बैच की आईएएस अधिकारी काटा की याचिका को स्वीकार कर तेलंगाना में आवंटन का निर्देश दिया था।

कैट ने प्रत्यूष सिन्हा समिति के दिशानिर्देशों के चयनात्मक कार्यान्वयन को भेदभावपूर्ण बताते हुए काटा के पक्ष में फैसला सुनाया था।

काटा वर्तमान में आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। पिछले वर्ष केंद्र सरकार द्वारा उनके तेलंगाना कैडर आवंटन के अनुरोध को अस्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया था।

डीओपीटी ने अक्टूबर 2024 में पांच आईएएस अधिकारियों को उनकी वर्तमान पोस्टिंग से मुक्त कर उनके-अपने राज्य कैडर में शामिल होने का निर्देश दिया था। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद कुछ अधिकारियों ने पुनः आवंटन को चुनौती दी थी।

उच्च न्यायालय ने पहले अपने आदेश में कैडर आवंटन के लिए प्रत्यूष सिन्हा समिति की सिफारिशों के अनुसार पुनर्विचार का निर्देश दिया था। इसके बाद डीओपीटी ने मार्च 2024 में खांडेकर समिति का गठन किया था।

हिल रिज स्प्रिंग्स महिलाओं ने नव वर्ष और मकर संक्रांति आयोजन का निर्णय लिया

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिल रिज स्प्रिंग्स वसुधैव कुटुंबकम की महिलाओं ने हरिणी रेला मुनि के निवास स्थान पर एक सभा का आयोजन किया। इस बैठक में 22 जनवरी 2026 को नव वर्ष और मकर संक्रांति को धूमधाम से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई।

मकर संक्रांति के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लोक नृत्य, लोकगीत, मनोरंजन और खेल शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का संचालन मंजू शर्मा और गीता अग्रवाल करेंगी।

सभा में सरस्वती, लक्ष्मी ममतानी, राज माथुर, गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, मंजू शर्मा, वीना मदान, मैत्री धुमे, अनु के, जयश्री लोहिया, श्रीदेवी, डोली, सीमा गौतम, हरिणी, प्रभा मेहता, उमा सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय कवि गोविंद अक्षय के सम्मान में आज होगा समारोह, कवि सम्मेलन और मुशायरा

हैदराबाद, 8 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिन्दी-उर्दू के लोकप्रिय राष्ट्रीय कवि, 'गोलकोण्डा दर्पण' के प्रतिष्ठित संपादक तथा गीत चांदनी, हिन्दी लेखक संघ, बच्चन अकादमी, कबीर चिंतन, सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान के सचिव गोविंद अक्षय की 35 वर्षों की साहित्यिक यात्रा और काव्य-सेवा के उपलक्ष्य में आज एक भव्य सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम उर्दू की सक्रिय साहित्यिक संस्था गुल अफ़शा के तत्वावधान में आज शाम 7 बजे, महकश हॉल, ईदी बाज़ार, हैदराबाद में आयोजित होगा।

संस्था के अध्यक्ष एवं शायर तश्क़ील रज़्ज़ाकी ने बताया कि गोविंद अक्षय हिंदी और उर्दू की साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। कार्यक्रम में दोनों भाषाओं के प्रमुख शायर और साहित्यकार शामिल होंगे और उनकी साहित्यिक सेवाओं पर विचार प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता देश के विख्यात शायर सलाहुद्दीन नय्यर करेंगे।

मुख्य अतिथियों में-सलाहुद्दीन नय्यर, एम.ए. वाजिद, मुस्तफा फहीम, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अंजनी कुमार गोयल, चंपालाल बैद, डॉ. नाजीम अली, डॉ. जहाँगीर एहसास, अतियब एजाज़, डॉ. नाहिद रज़्ज़ाकी सहित कई साहित्यकार शामिल रहेंगे।पहले सत्र का संचालन तश्क़ील रज़्ज़ाकी, जबकि कवि सम्मेलन और मुशायरे की अध्यक्षता 'रंगोंबू' के संपादक मुस्तफा फहीम करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शायर सोहेल अज़ीम करेंगे।

साइबराबाद यातायात अधिकारी की त्वरित कार्रवाई से यात्री की जान बची

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद ट्रैफिक अधिकारी शिव कुमार की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने 5 दिसंबर को सुरराम ट्रैफिक सिग्नल पर हीटस्ट्रोक के शिकार यात्री रहीम की जान बचा ली। हीटस्ट्रोक के कारण बेहोश हुए यात्री को शिव कुमार ने तुरंत उझठ देकर पास के मल्लारेड्डी अस्पताल पहुँचाया। डॉक्टरों ने बताया कि समय पर दी गई मदद और त्वरित परिवहन ने व्यक्ति की जान बचाई।साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती और संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. गजराव भूपाल ने मार्शल की साहसिक और तत्परता की प्रशंसा की।यह घटना इस बात को उजागर करती है कि ट्रैफिक कर्मी न केवल सड़क सुरक्षा बल्कि मेडिकल आपात स्थितियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बीवीआई हैदराबाद टीम द्वारा कंबल वितरित

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इंडिया (बीवीआई) हैदराबाद टीम द्वारा उस्मानिया मैटरनिटी अस्पताल के आसपास के क्षेत्रों और अन्य स्थानों पर जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।सर्दी के मौसम की शुरुआत के बीच बुजुर्गों, बेघर व्यक्तियों और अन्य जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर मुस्कान और राहत दी गई।कार्यक्रम में शीतल नीमकर सहित टीम के कई सदस्य शामिल हुए और सभी ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया। कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने वालों में- डॉ. प्रशांत नीमकर, शंकर अस्तुकार, घनश्याम पाटंगे, उमेश जितने, जय हिंद राव बसुत्कार, वसंत बसुत्कार, डॉ. गोपाल राव धागे, श्याम नीमकर, विशाल गनठ्या, श्रीमती स्वप्ना गनठ्या, श्रीमती वंदना अस्तुकार, श्रीमती रूपा पाटंगे, श्रीमती संगीता गनठ्या, श्रीमती सोनी गनठ्या एवं अन्य सदस्यों ने समय निकालकर इस मानवीय सेवा में योगदान दिया।

निर्मल में बेवफाई के शक में लिव-इन पार्टनर की हत्या

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के निर्मल जिले के कुमसारा गाँव में सोमवार 8 दिसंबर को एक 30 वर्षीय महिला अश्विनी की उसके लिव-इन पार्टनर नागेश ने कथित रूप से हत्या कर दी।

भैंसा उप-विभागीय पुलिस अधिकारी के अनुसार, दंपत्ति के बीच पारिवारिक और आर्थिक विवाद के दौरान गुस्से में नागेश ने अश्विनी पर चाकू से हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में आरोपी खून से लथपथ शर्ट पहने दुकान के अंदर बैठे दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है और आरोपी को जल्द ही मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, UMA DEVI Spouse of Service No. 659168S Ex Sergeant PAGIDIMARI SUDHAKER, Resident of Plot No.43, Shanthi Nagar Colony, Near Bus Stop, Reesala Bazar, Tirumalagiri, PO:Bolarum, Secunderabad - 500010 have changed my name from UMA DEVI to PAGIDIMARI UMADEVI vide Affidavit dated:8-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, P PISHAKMACHA Mother of Service No.14678383X Hav/Tech (Radar) MAIBAM SHANTAKUMAR, Resident of Vill:Kangla Siphai, PO:Lamlong, Teh:Sawombung, Dist:Imphal-East, Manipur-795010 have changed my name from P PISHAKMACHA to MAIBAM PISHAKMACHA vide affidavit dt:8-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, M IBOMCHA Father of Service No.14678383X Hav/Tech (Radar) MAIBAM SHANTAKUMAR, Resident of Vill:Kangla Siphai, PO:Lamlong, Teh:Sawombung, Dist:Imphal-East, Manipur-795010 have changed my name from M IBOMCHA to MAIBAM IBOMCHA SINGH vide affidavit dt:8-12-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF DOB
I, Hanuman Das Swami F/o Ram Dayal Das, R/o Kalmanda, Po-Kalmanda, Dist-Tonk, Rajasthan - 304501, have changed my DOB from 01-07-1949 to 01-01-1948, vide affidavit dt.8-12-2025, before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Kanta Devi Swami M/o Ram Dayal Das, R/o Kalmanda, Po-Kalmanda, Dist-Tonk, Rajasthan - 304501, have changed my name from KANTA DEVI SWAMI to KANTA DEVI and DOB from 01-07-1954 to 01-01-1960, vide affidavit dt.8-12-2025, before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME
I, Namrata W/o Ram Dayal Das, R/o Kalmanda, Po-Kalmanda, Dist-Tonk, Rajasthan - 304501, have changed my name from NAMRATA to NAMRATA SWAMI, vide affidavit dt.8-12-2025, before Sec-Bad Court.

तेलंगाना तल्ली प्रतिमा अनावरण के लिए सभी तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 8 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में स्थापित तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के अनावरण हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँ। उन्होंने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिमा अनावरण की तैयारियों की समीक्षा की।जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में स्थापित तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के अनावरण हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँ–इसी उद्देश्य से कलेक्टर ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर (राजस्व) डेविड, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने सड़क एवं भवन विभाग (ठइ) के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियाँ तत्परता से पूर्ण करने के निर्देश दिए, क्योंकि तेलंगाना तल्ली प्रतिमा का अनावरण 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे आयोजित किया जाना है।

उन्होंने कहा कि प्रतिमा को रंग–बिरंगे फूलों से सजाया जाए तथा कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों के लिए पेयजल, चाय और नाश्ते की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनावरण कार्यक्रम में कम–से–कम 300 छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।इस समीक्षा बैठक और तैयारियों में सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारी, कलेक्ट्रेट प्रशासनिक अधिकारी किरण, संबंधित अधिकारी और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले नीळवाई थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च

चेन्नूर, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी ग्राम पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने और जनता में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को नीळवाई थाना क्षेत्र के वेमनापल्ली और नीळवाई गांवों में फ्लैग मार्च आयोजित किया गया।फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने गांवों की गलियों में पैदल मार्च करते हुए यह संदेश दिया कि कानून–व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ड्यूटी पूरी सख्ती के साथ निभाई जाएगी। इस फ्लैग मार्च में एसीपी जयपुर वेंकटेश्वरलू, सीआई चेनूर रूरल, एसआई कोटपल्ली, एसआई चेनूर टाउन, तथा टीजीएसपी फोर्स शामिल रही।पुलिस अधिकारियों ने मतदाताओं से निडर होकर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सरपंच व वार्ड सदस्य चुनाव संचालन में चरण–2 रिटर्निंग अधिकारियों की भूमिका अहम

आसिफाबाद, 8 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि द्वितीय आम पंचायत चुनावों के संदर्भ में सरपंच और वार्ड सदस्य पदों के लिए होने वाले चुनावों के संचालन में चरण–2 रिटर्निंग अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सम्मेलन कक्ष में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर (राजस्व) डेविड, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव एवं जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण सरपंच और वार्ड सदस्य चुनावों के प्रथम व द्वितीय चरण के संचालन हेतु चरण–2 रिटर्निंग अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था।इस अवसर पर बोलते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी, कलेक्टर ने कहा कि चुनावों के सुचारू संचालन में चरण–2 रिटर्निंग अधिकारियों की भूमिका अत्यंत अहम है। उन्होंने बताया कि जिले में सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे तथा चुनाव प्रक्रिया, मतगणना और उपसरपंच का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि चुनाव पूरी तरह पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हों तथा सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि किसी प्रकार की गलती या विवाद की गुंजाइश न रहे। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपनी–अपनी आवंटित ग्राम पंचायतों में आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें तथा चुनाव सामग्री एवं मतदान कार्मिकों को सामग्री वितरण केंद्र से मतदान केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाएँ।

कलेक्टर ने बताया कि मतदान दिवस पर सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान कराया जाए तथा उसी दिन दोपहर 2 बजे से पहले वार्ड सदस्यों एवं उसके बाद सरपंच पद की मतगणना कर उपसरपंच का चुनाव करवाया जाए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदान में प्रयुक्त होने वाले कवरों की निगरानी रखें तथा मतदान केंद्रों पर कुर्सियों, मेज़ों और प्रकाश व्यवस्था की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतगणना से पूर्व मतदान अधिकारी की डायरी, मतपत्र, लेखा पत्र की सील, वैधानिक एवं गैर–वैधानिक लेखा लिफ़ाफ़ों की जाँच की जाए तथा पूरी प्रक्रिया मतगणना एजेंटों की उपस्थिति में पारदर्शी ढंग से की जाए। साथ ही उन्होंने जोनल अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया।

कलेक्टर ने कहा कि मतगणना के दौरान पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए और मतदान केंद्र पर कानून–व्यवस्था की सख़्त निगरानी की जाए।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर उषान्ना, आसिफ, चरण–2 के रिटर्निंग अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उप जिला कलेक्टर किरणमयी ने सिरपुर सीमा चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

मदनूर, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): आगामी सरपंच चुनावों के मद्देनज़र राज्य सरकार द्वारा डोंगली मंडल में सिरपुर मंडल सीमा पर स्थापित किए गए चुनाव निरीक्षण चौकी का उप जिला कलेक्टर किरणमयी ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने चौकी पर तैनात अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव नज़दीक आते ही वाहनों की कड़ी और सख्त जाँच सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि चुनाव अवधि के दौरान धन और शराब की अवैध आवाजाही को रोकना प्राथमिक जिम्मेदारी है, और किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चेन्नूर लायन्स क्लब को नया बॉडी फ्रीजर प्रदान

चेन्नूर, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर लायन्स क्लब को समाज सेवा के उद्देश्य से एक नया बॉडी फ़्रीज़र प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डिस्टिक्ट 320ऋ के गवर्नर लायन सिंहराजू कोदंडाराम और इमीडियेट पास्ट डिस्टिक्ट गवर्नर लायन नडिपल्ली वेंकटेश्वर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष लायन जाड़ी तिरुपति और क्लब सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

नडिपल्ली वेंकटेश्वर राव ने बताया कि मात्र 15 महीनों की अवधि में चेन्नूर लायन्स क्लब ने समाज सेवा के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जरूरतमंद परिवारों की सहायता जारी रखते हुए, क्लब को स्थायी परियोजना के रूप में यह बॉडी फ्रीज़र भेंट किया गया है।

मुख्य अतिथि गवर्नर कोदंडाराम ने क्लब द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह बॉडी फ्रीज़र दिवंगत व्यक्तियों के अंतिम दर्शन हेतु उनके शरीर को सुरक्षित रखने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

कार्यक्रम में जिला कैबिनेट सचिव लायन सिंगिरेड्डी वासुदेवरेड्डी, जीएलटी कोऑर्डिनेटर लायन इनुगुर्ति रमेश, रीज़न एवं ज़ोन चेयरपर्सन, क्लब पदाधिकारी और कई सदस्य उपस्थित रहे।

अय्यप्पा स्वामी की भव्य रथयात्रा से गुंज उठा किनवट

भक्तों ने की आरती, लिया आशीर्वाद

किनवट, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान अय्यप्पा स्वामी की दीक्षा ग्रहण करने वाले भक्तों के 41 दिनों के कठोर तप के दौरान आज अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाने वाली आराठी पूजा के अवसर पर किनवट शहर में भव्य रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा शहर के प्रमुख मंदिरों और मार्गों से गुजरते हुए आगे बढ़ी, जहां भक्तों ने ॐ स्वामीये शरणम् अय्यप्पा के जयघोष से पूरे नगर को गुंजायमान कर दिया।

रथयात्रा की शुरुआत श्री भगवान अय्यप्पा स्वामी मंदिर से हुई, जहां विलास गुरु स्वामी की उपस्थिति में मंदिर के पुज–ारी राकेश पांडे महाराज ने विधिवत पूजा–अर्चना कर रथयात्रा का शुभारंभ कराया।

यात्रा जैसे ही शहर के मंदिरों और मुख्य मार्गों से गुजरी, श्रद्धालु महिलाओं सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने रथ में विराजित भगवान अय्यप्पा स्वामी की आरती उतारी और दर्शन किए। पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

रथयात्रा पैनगंगा नदी तट पर पहुंची, जहाँ भक्तों ने पवित्र स्नान किया। इसके बाद भगवान अय्यप्पा स्वामी की विधिवत पूजा–अर्चना की गई। पूजा के उपरांत रथयात्रा पुनः वापस भगवान अय्यप्पा मंदिर पहुंची, जहाँ समापन किया गया।

इस अवसर पर सच्चिदानंद पवार गुरु स्वामी, सुदाम गुरु स्वामी, व्यंकट गुरु स्वामी, संजय गुरु स्वामी, नरेश गुरु स्वामी, प्रमोद गुरु स्वामी, हनुमंतराव स्वामी, गजु स्वामी, राजु स्वामी सहित बड़ी संख्या में गुरु स्वामी और अय्यप्पा भक्त उपस्थित रहे।

रथयात्रा के दौरान आरती और दर्शन के लिए महिलाओं और भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।

शहर में हर ओर भगवान अय्यप्पा स्वामी की श्रद्धा, उत्साह और आनंद का समर्पित वातावरण देखने को मिला।

भालेराव दादंजे का राज्य पुरस्कार–किनवट–माहुर तालुका का सम्मान : भीमराव केराम

किनवट, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिवासी संस्कृति में वाद्य यंत्रों का सृजन करने वाले भालेराव नागोराव दादंजे को मिला राज्य सांस्कृतिक पुरस्कार न सिर्फ उनकी प्रतिभा का सम्मान है, बल्कि किनवट–माहुर तालुका और आदिवासी संस्कृति की प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। यह बात विधायक भीमराव केराम ने कही। दादंजे को महाराष्ट्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 का राज्य सांस्कृतिक पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

विधायक केराम 7 दिसंबर को आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम ए. केराम के निवास पर संपन्न हुआ।

महाराष्ट्र सरकार का पर्यटन व सांस्कृतिक कार्य विभाग कला के विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालीन योगदान देने वाले वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित करता है। राज्य सांस्कृतिक एवं राज्य सांस्कृतिक युवा पुरस्कार 24 श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। हाल ही में वर्ष 2024 और 2025 के लिए कलाकारों एवं संस्थाओं की सूची घोषित की गई, जिसमें किनवट–माहुर के भालेराव दादंजे का नाम भी शामिल है।

विदर्भ की दुर्लभ दंडार, ढेमसा और जड़ीपट्टी लोकनृत्य परंपराओं में प्रयुक्त वाद्ययंत्रों का निर्माण करने वाले दादंजे को वाद्य निर्माण के क्षेत्र में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है। सांस्कृतिक विभाग द्वारा 3 दिसंबर को घोषणा जारी की गई थी।विधायक केराम ने कहा कि आदिवासी गौरव वर्ष के दौरान इस तरह की उपलब्धि तालुका के लिए अत्यंत गर्व की बात है। इस अवसर पर आदिवासी लोककला विशेषज्ञ डॉ. सुनील व्यवहारे ने किनवट तालुका की आदिवासी कला की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला।दुर्गमगांव बुधवार पेठ के संगीत वाद्य निर्माता भालेराव दादंजे ने वर्षों के अनुभव के आधार पर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था। इससे पहले 2019 में पटा गायक मोहन मेश्राम को आदिवासी गिरीजन पुरस्कार प्राप्त हुआ था।कार्यक्रम में आनंद माछेवार, राजेंद्र केशवे, यशवंत कराले, श्रीनिवास नेम्मानिवार, मारोती सुंकलवाड, उत्तम जाधव, मारुति भरकड़, रमेश बद्दीवार, लच्छू सिदाम, सुदर्शन कुडमेटे, नीलकंठ कटले, प्रकाश कुडमेटे, बंटी फड़, संतोष मरसकोले, विश्वास कोल्हारिकर, बालकृष्ण कदम, मोहन ददांजे, जांगू मडावी, तेलंगराव कुडमेटे, अविनाश पेंडोर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

अक्षय फाउंडेशन द्वारा गरीबों को सहायता

मंचेरियाल, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अक्षय फाउंडेशन की संस्थापक उषा सुरेश ने ट्रस्ट के सदस्यों के साथ मंचेरियल कस्बे में गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। शनिवार को गौतम नगर में ठंड से ठिठुर रहे एक गरीब परिवार को कंबलों के साथ आवश्यक सामान और फल भी प्रदान किए गए।उषा सुरेश और उनकी टीम पिछले पांच वर्षों से निरंतर गरीब एवं वंचित परिवारों की सहायता कर रही है। वे जहाँ भी जरूरतमंद लोग दिखाई देते हैं, वहाँ जाकर अपनी क्षमता अनुसार मदद पहुंचाने का काम नियमित रूप से कर रही हैं।

मंचरला सदानंदम को बीसी जाति यूनाइटेड फोरम मंचेरियाल जिला अध्यक्ष चुना गया

मंचेरियाल, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीसी जाति यूनाइटेड फोरम की राज्य स्तरीय कार्यकारिणी बैठक सोमवार को हैदराबाद के मलकाजगिरी, भारत नगर स्थित राज्य कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कमल्ला ऐलान्ना ने मंचेरियल जिले के लिए मंचरला सदानंदम को जिला अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष ने इस संबंध में आधिकारिक नियुक्ति आदेश भी जारी किए।

नियुक्ति के बाद मंचरला सदानंदम ने प्रदेश अध्यक्ष ऐलान्ना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उसके अनुरूप जिले में बीसी समुदाय के हक और अधिकारों के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

उन्होंने कहा कि वे पंचायत से लेकर संसद तक बीसी मांगों को मजबूती से उठाने और समुदाय के लिए अधिक से अधिक आरक्षण सुनिश्चित कराने हेतु अथक प्रयास करेंगे।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025' का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 8 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2025 का उद्घाटन किया। यह प्रमुख निवेश और विकास सम्मेलन 'विकसित भारत 2047' के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण में तेलंगाना को एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। यह शिखर सम्मेलन औपचारिक रूप से भारत फ्यूचर सिटी में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों, उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं की उपस्थिति में शुरू हुआ।

राज्यपाल का संबोधन

राज्यपाल ने इस अवसर पर भारत और विदेशों से आए प्रतिनिधियों का अभिनंदन किया और कहा कि 'विकसित भारत 2047' और 'तेलंगाना राइजिंग' मिलकर राष्ट्र और राज्य के लिए स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण महत्वाकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह उद्घाटन उस क्षण को चिह्नित करता है जब एक सशक्त विज़न, सभी के लिए खुशी और कल्याण सुनिश्चित करने के सिद्धांत से निर्देशित होकर, ठोस और मापने योग्य प्रगति में बदलना शुरू होता है।

उन्होंने 2047 तक भारत की 30 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा पर प्रकाश डाला और कहा कि तेलंगाना भी इस राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप, उसी अवधि में 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने राज्य में चल रहे परिवर्तन को इस गति का प्रतिबिंब बताया और लोकतांत्रिक एवं सामाजिक रूप से प्रगतिशील मूल्यों पर नए सिरे से जोर देने की बात कही, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और गहरे नागरिक जुड़ाव से मजबूत होंगे।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना द्वारा महिलाओं, किसानों, युवाओं और बच्चों पर केंद्रित समावेशी विकास की कहानी को चुनने का उल्लेख किया।

उन्होंने महिला-संचालित इलेक्ट्रिक बसें, सौर परियोजनाएं, समुदाय-नेतृत्व वाली झील बहाली और विस्तारित आजीविका कार्यक्रम जैसी नई पहलों का भी हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना का तेजी से विस्तार हो रहा बुनियादी ढांचा - हवाई अड्डे, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता, परिवहन नेटवर्क और स्मार्ट ज़ोनिंग - इसके महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की नींव रख रहा है।

इससे पहले, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि तेलंगाना एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जो उस क्षण के समान है जब भारत ने अठहत्तर साल पहले गणराज्य की स्थापना के दौरान देखा था।उन्होंने फ्यूचर सिटी को एक ऐसा स्थान जो कल अस्तित्व में नहीं था, लेकिन कल को परिभाषित करेगा, बताते हुए इसे अवसर, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व के लिए राज्य की तत्परता का प्रतीक बताया।

उन्होंने 2047 तक 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने के राज्य के साहसिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया और एकीकृत ग्रामीण, पेरी-शहरी और शहरी विकास के माध्यम से विकास के भूगोल को फिर से कल्पना करने की रणनीति समझाई।

ग्रामीण तेलंगाना, जहां 60 लाख किसान निवास करते हैं, प्राकृतिक खेती केंद्र के रूप में विकसित होगा और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ेगा।

पेरी-शहरी गलियारे, जिसमें फ्यूचर सिटी शामिल है, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और नेट-ज़ीरो उद्योगों जैसी अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की मेजबानी करेंगे।

हैदराबाद एक वैश्विक सेवाओं के पावरहाउस के रूप में विस्तार करना जारी रखेगा।राव ने कहा कि यह ब्लू प्रिंट तेलंगाना की महत्वाकांक्षा की वास्तुकला को दर्शाता है और वैश्विक भागीदारों के साथ सहयोग के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा: शिक्षा और स्वास्थ्य तेलंगाना के 3 ट्रिलियन विजन का आधार बनेंगे

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को शिक्षा का एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विज़न के तहत राज्य की 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने की योजना की रीढ़ शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र बनेंगे।

वह तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में तेलंगाना एक वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में विषय पर एक पैनल चर्चा के दौरान बोल रहे थे।

राजनरसिम्हा ने कहा कि तेलंगाना की शिक्षा प्रणाली का परिवर्तन राज्य के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्रीय है, और उन्होंने कहा कि भविष्य को केवल किताबी ज्ञान से नहीं, बल्कि कौशल-आधारित शिक्षा से आकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, शिक्षा ही वास्तविक संपत्ति है, और यह आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने का सबसे शक्तिशाली माध्यम है।

उन्होंने जोर दिया कि आज के युवाओं को तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए शैक्षणिक ज्ञान, कौशल विकास और उद्यमिता प्रशिक्षण के संयोजन की आवश्यकता है।

मंत्री ने लड़कियों की शिक्षा पर सरकार के फोकस को उजागर करते हुए कहा कि नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की युवतियों को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा, हमने उनके सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए पिछले साल 16 नए नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए। हमारा उद्देश्य सिर्फ उन्हें डिग्री देना नहीं है, बल्कि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय नौकरी के अवसर सुरक्षित करने में मदद करना है।

इस समर्थन के लिए, सरकार नर्सिंग छात्रों के लिए जर्मन, जापानी और अंग्रेजी में विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

मंत्री ने बताया कि 47 विश्वविद्यालयों और 1,951 उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ तेलंगाना उच्च शिक्षा में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है, जो राज्य को कॉलेज घनत्व में देश में दूसरे स्थान पर और सकल नामांकन अनुपात में शीर्ष पांच में रखता है।प्रमुख सुधारों को रेखांकित करते हुए, राजनरसिम्हा ने कहा कि विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने और सामाजिक असमानताओं को खत्म करने के लिए यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल (YIIRS) स्थापित किए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, उद्योग की जनशक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है।

उन्होंने ऑस्ट्रियाई कंपनी एएलपीएलए के सहयोग से पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए शुरू किए गए दोहरे अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम को कौशल विकास के लिए सरकार के अभिनव दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में बताया।राजनरसिम्हा ने वैश्विक उद्योगपतियों और शिक्षाविदों से आह्वान करते हुए कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य 2047 तक हर नागरिक को कुशल बनाना है और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों को इस मिशन में राज्य के साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित किया।

तेलंगाना राइजिंग को रोका नहीं जा सकता : रेवंत रेड्डी

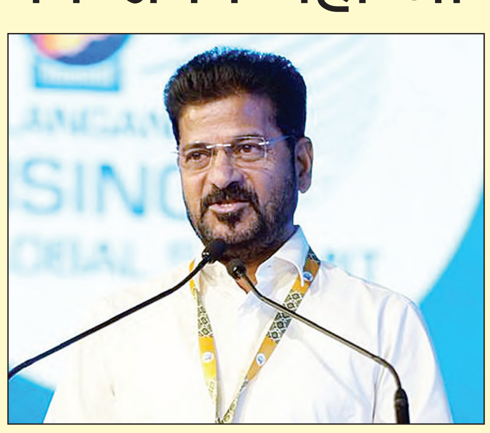

हैदराबाद, 8 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां कहा, तेलंगाना का उदय अब रुकने वाला नहीं है। आइए, इस उदय में शामिल हों। कंदुकुर में भारत फ्यूचर सिटी में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत का सबसे युवा राज्य है।

उन्होंने कहा, यह रोमांचक अवसरों से भरा है। मैं संक्षेप में विज़न साझा करता हूं। हम 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। हम भारत की आबादी का लगभग 2.9 प्रतिशत हैं, लेकिन राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग पांच प्रतिशत का योगदान करते हैं। मैं 2047 तक भारत की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री ने अपनी रणनीति समझाते हुए कहा, हमारी रणनीति तेलंगाना को सेवाओं, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और कृषि के लिए तीन स्पष्ट ज़ोन में विभाजित होने वाला भारत का पहला और एकमात्र राज्य बनाना है। हम इसे क्योर, प्योर और रेयर मॉडल कहते हैं ।

रेवंत रेड्डी ने चीन के गुआंगडोंग प्रांत का उदाहरण दिया, जिसकी अर्थव्यवस्था चीन के किसी भी प्रांत में सबसे बड़ी है। उन्होंने कहा, 20 से अधिक वर्षों में, उन्होंने दुनिया में सबसे अधिक निवेश और विकास हासिल किया है। हम तेलंगाना में उसी मॉडल को दोहराना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मेरे राज्य ने चीन, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर से प्रेरणा ली है। अब, हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं। हमने उन्हें तेलंगाना राइजिंग की यात्रा में सहयोग करने, निवेश करने और हमारा समर्थन करने के लिए भी आमंत्रित किया है।

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि तेलंगाना के लोगों ने एक अलग राज्य के लिए दशकों तक संघर्ष किया। 2014 में, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में लोगों ने अपना सपना साकार किया, और तेलंगाना भारत का सबसे युवा राज्य बन गया।

उन्होंने कहा, 10 साल बाद, हम अब भारत के सबसे विकसित राज्य और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में से एक बनने की कोशिश कर रहे हैं। संविधान निर्माण के भारतीय मॉडल का पालन करते हुए, हमने अपने भविष्य पर विचार करने का फैसला किया। हमने विशेषज्ञों से पूछा कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 साल मनाएगा, तब तक हम 2047 तक क्या हासिल कर सकते हैं। इस तरह तेलंगाना राइजिंग 2047 का सपना पैदा हुआ।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विज़न के निर्माण में उन्होंने कई पक्षों का सहयोग लिया। सबसे पहले, उन्होंने ईश्वर का आशीर्वाद लिया। फिर, नागरिकों से समर्थन मांगा, जिन्होंने अपनी अपेक्षाएं और सपने बताए।

इसके बाद, अधिकारियों, केंद्र सरकार के विशेषज्ञों, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस और अंत में नीति आयोग से मदद ली गई। उन्होंने इस विज़न को बनाने में मदद करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

पुलिस ने नेपाली डकैती गिरोह पकड़ा, सोना और नकदी जब्त

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स ने कारखाना पुलिस के सहयोग से सिकंदराबाद में एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी के घर डकैती करने वाले नेपाली गिरोह का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया, जबकि बाकी फरार हैं।गिरोह ने कैप्टन डी.के. गिरी को बंधक बनाकर घर में लूटपाट की और सोने के आभूषण तथा 95,000 रुपये नकद ले गए। पुलिस ने कुल 10 लाख रुपये मूल्य की कीमती वस्तुएं जब्त की हैं, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण, रोलेक्स घड़ी, नकदी और सेलफोन शामिल हैं।

जांच में पता चला कि शिकायतकर्ता ने एक एजेंसी के माध्यम से नेपाली दंपति को घरेलू नौकर के रूप में रखा था। यह दंपति, राज बहादुर शाही (उर्फ राजेंद्र शाही) और रेखा देवी रावल, डकैती की योजना बनाने और अंजाम देने के लिए नियुक्त थे। आरोपियों ने 16 नवंबर को डकैती को अंजाम दिया और चोरी की गई वस्तुओं को आपस में बांटकर अलग-अलग राज्यों के लिए भाग गए।

गिरोह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें डकैती, आपराधिक अतिक्रमण, गलत कारावास, चोट पहुंचाने, और आपराधिक षड्यंत्र शामिल हैं।

कपरा साकेत कॉलोनी में रियल एस्टेट एजेंट की नृशंस हत्या

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल जिले के जवाहर नगर थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के कपरा साकेत कॉलोनी में 54 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी वेंकट रत्नम की गोली और चाकू से नृशंस हत्या कर दी गई।पुलिस ने बताया कि हत्या का कारण पुरानी रंजिश हो सकता है। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

तेलंगाना 2047 तक स्वच्छ गतिशीलता में भारत का नेतृत्व करेगा : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 08 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि राज्य 2047 तक शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता में राष्ट्रीय नेता के रूप में उभरने के लिए प्रतिबद्ध है, और स्वच्छ परिवहन को सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास और शहरी स्थिरता की आधारशिला के रूप में स्थापित कर रहा है।

भारत फ्यूचर सिटी में तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2047 में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक गतिशीलता अब केवल एक पर्यावरणीय आकांक्षा नहीं है, बल्कि राज्य की दीर्घकालिक विकास रणनीति का एक केंद्रीय स्तंभ है।

प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना का हरित गतिशीलता विज़न भारत की नेट-जीरो प्रतिबद्धताओं और तेलंगाना राइजिंग 2047 रोडमैप के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। इसमें आधुनिक बुनियादी ढांचे, उन्नत तकनीकों और शासन सुधारों द्वारा समर्थित एक सुरक्षित, स्मार्ट, डिजिटल और टिकाऊ परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की योजना है।

ईवी प्रोत्साहन: उन्होंने राज्य के ईवी अपनाने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेलंगाना ने देश के सबसे उदार इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन ढांचों में से एक पेश किया है।

नवंबर 2024 में जारी जी.ओ. एमएस. 41 के तहत, सरकार ने 31 दिसंबर 2026 तक सभी ईवी पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट दी है।

नतीजतन, ईवी पैठ (Penetration) दिसंबर 2023 में 0.60 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर 2025 में 1.39 प्रतिशत हो गई, इस अवधि के दौरान 806.85 करोड़ के प्रोत्साहन ने 1,59,304 ईवी की खरीद का समर्थन किया।

स्क्रैपेज नीति: सितंबर 2024 में अधिसूचित वाहन स्क्रैपेज नीति - जिसमें ग्रीन-टैक्स छूट, लंबित-जुर्माना माफी और स्क्रैपेज-लिंक्ड खरीद प्रोत्साहन शामिल हैं - के कारण 2024-25 में 2,000 से अधिक सरकारी वाहनों और 2025-26 में अब तक 3,487 वाहनों (सरकारी और निजी संयुक्त) को स्क्रैप किया गया है।

तेलंगाना में वर्तमान में तीन कार्यात्मक पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाएं हैं, जो स्वच्छ हवा और सुरक्षित सड़कों में योगदान दे रही हैं।

स्वचालित परीक्षण स्टेशन : पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-संचालित सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंत्री ने कहा कि 296 करोड़ के अनुमोदित परिव्यय के साथ राज्य भर में 37 स्वचालित परीक्षण स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें हैदराबाद महानगरीय क्षेत्र में चार शामिल हैं। ये सुविधाएं वैज्ञानिक फिटनेस परीक्षण लाएंगी, मैन्युअल हस्तक्षेप को कम करेंगी और बेहतर उत्सर्जन अनुपालन सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने सरकार की स्वच्छ अंतिम-मील गतिशीलता रणनीति पर भी प्रकाश डाला, जिसके तहत आउटर रिंग रोड की सीमाओं के भीतर संचालन के लिए 20,000 इलेक्ट्रिक ऑटो, 10,000 सीएनजी ऑटो, 10,000 एलपीजी ऑटो और 25,000 रेट्रो-फिटेड इलेक्ट्रिक ऑटो स्वीकृत किए गए हैं। डीजल और पेट्रोल ऑटो को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा, जिसमें प्रति व्यक्ति केवल एक परमिट की अनुमति होगी।

प्रभाकर ने कहा कि सरकार स्वयं एक प्रारंभिक अपनाने वाले के रूप में कार्य करेगी, जिसमें सभी राज्य विभागों और निगमों को सालाना कम से कम 25% इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने या लीज पर लेने का आदेश दिया जाएगा, जिससे ईवी निर्माताओं के लिए एक मजबूत बाजार संकेत स्थापित होगा।

उन्होंने डिजिटल सेवाओं जैसे सारथी और वाहन के माध्यम से परिवहन सेवाओं के डिजिटलीकरण, चेक-पोस्टों का उन्मूलन, हाइवे पर एआई-आधारित प्रवर्तन, उन्नत ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान और स्वचालित टेस्ट ट्रैक जैसी अतिरिक्त पहलों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा, शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता और शून्य-मृत्यु दर वाली सड़कें साथ-साथ चलनी चाहिए।

आगे देखते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना के 2047 रोडमैप में बड़े पैमाने पर ईवी-चार्जिंग परिनियोजन बैटरी रीसाइक्लिंग, सर्कुलर-इकोनॉमी मॉडल, कार्यबल का उन्नयन, स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन, एआई-सक्षम उत्सर्जन निगरानी, और कसकर एकीकृत जलवायु और परिवहन योजना शामिल है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.